RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 33
फरीदाबाद, सोमवार, 08 मार्च, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए   YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 32.08°C
न्यूनतम 16.07°C

क्विक न्यूज

स्वर्ण से चूकीं सिंधु, फाइनल में कैरोलिना मारिन ने हराया

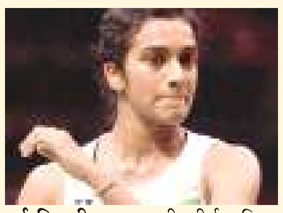

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु स्विस बैडमिंटन ओपन के फाइनल में हार गईं। स्वर्ण पदक के मुकाबले में सिंधु को स्पेन की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी कैरोलिना मारिन ने 21-12, 21-5 से हराया। इस हार के साथ ही सिंधु को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। महिलाओं के एकल में मारिन ने 35 मिनट के खेल में विश्व चैंपियन सिंधु को हरा दिया।

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से आरंभ होगा। चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चल रहे प्रचार के बीच यह चरण महीने भर चलेगा। सत्र के दूसरे चरण में सरकार का ध्यान मुख्य रूप से वित्त विधेयक और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अनुदान की अनेक अनुपूरक मांगों को पारित कराने पर होगा। इन अनिवार्य एजेंडा के अलावा, सरकार ने इस सत्र में कई विधेयकों को भी पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया है। इस सत्र का समापन आठ अप्रैल को होगा।

नए सिरे से एसओपी तैयार कर रहे हैं सुरक्षाबल

श्रीनगर। सुरक्षाबलों को संदेह है कि स्टिकी बम घाटी में आ चुके हैं और उन्होंने इसी आशंका के चलते अपनी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को नए सिरे से तैयार करना शुरू कर दिया है। सुरक्षाबलों ने साथ ही आम जनता को सलाह दी है कि वे अपने वाहनों को लावारिस न छोड़ें। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पिछले महीने के बीच में हथियारों की एक खेप बरामद की थी, जिसमें एक आईईडी शामिल था जिसके भीतर एक चुंबक लगा हुआ था जिसे किसी भी वाहन पर लगाया जा सकता था और टाइमर या रिमोट की मदद से विस्फोट किया जा सकता था।

कोई भी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हूं : श्रीधरन

तिरूवनंतपुरम। मेट्रोमैन ई. श्रीधरन ने रविवार को कहा कि भाजपा द्वारा उन्हें दी जाने वाली किसी भी तरह की जिम्मेदारी को संभालने के लिए वह तैयार हैं। वह हाल में भगवा दल में शामिल हुए थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में शणमुगम में एक रैली में शामिल हुए श्रीधरन ने कहा कि वह अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल केरल के लिए करना चाहते हैं।

आईपीएल का आगाज 9 अप्रैल से

फाइनल समेत प्ले-ऑफ होगा नरेंद्र मोदी स्टेडियम में

एजेंसी। अहमदाबाद

बीसीसीआई ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन 14 का शेड्यूल जारी किया। इसके मुताबिक, आईपीएल का 14वां सीजन 9 अप्रैल से शुरू होगा और 30 मई तक चलेगा। 52 दिन चलने वाले टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके सभी मुकाबले 6 शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में होंगे। पिछला सीजन कोरोना के कारण मार्च-अप्रैल के बजाय सितंबर-नवंबर में कराया गया था। इस बार टूर्नामेंट की भारत में वापसी हुई है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि देश में टूर्नामेंट होने के बावजूद कोई भी टीम अपने घर में मैच नहीं खेलेगी। यानी कि कोलकाता का मैच कोलकाता और मुंबई का मैच मुंबई में नहीं होगा। सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। इस बार 11 डबल हेडर यानि एक दिन में दो मैच खेले जाएंगे। दोपहर के मैच 3.30 बजे से खेले जाएंगे। शाम के मैच 7.30 बजे से शुरू होंगे।

टूर्नामेंट में पहली बार कोई टीम घर में नहीं खेलेगी

मुंबई और बेंगलुरु के बीच होगा पहला मैच

सभी आठ टीमों के बीच 52 दिन में फाइनल समेत 60 मैच खेले जाएंगे। फाइनल और प्ले-ऑफ के मैच अहमदाबाद में खेले जाएंगे। सीजन का पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा और बेंगलुरु के कैप्टन विराट कोहली हैं। लीग स्टेज के 56 में से चेन्नई, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु में 10-10 मैच खेले जाएंगे। जबकि दिल्ली और अहमदाबाद में 8-8 मैच होंगे।

बायो-बबल में खेला जाएगा टूर्नामेंट

कोरोना के चलते टूर्नामेंट बायो-बबल में खेला जाएगा। लीग स्टेज के दौरान हर एक टीम तीन बार ही यात्रा करके अपने मैच पूरे कर लेगी। महामारी के चलते शुरुआत में फैंस की स्टेडियम में एंट्री नहीं रहेगी। बाद में यदि स्थिति ठीक रही और सरकार के साथ बोर्ड को ठीक लगा तो फैंस को एंट्री दी जा सकती है। दिल्ली कैपिटल्स (डीडी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को डबल हेडर के तहत 2-2 मैच दोपहर में खेलने हैं। इनके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), राजस्थान रॉयल्स (आरआर), कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), पंजाब किंग्स (पीके), सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और मुंबई इंडियंस (एमआई) को 3-3 मैच दोपहर में खेलने हैं। टूर्नामेंट का पहला डबल हेडर 18 अप्रैल को आरसीबी और केकेआर के बीच खेला जाएगा।

● आईपीएल का कार्यक्रम: पेज- 11

मुंबई इंडियन्स ने सबसे ज्यादा पांच बार खिताब जीता

आईपीएल इतिहास में अब तक मुंबई इंडियन्स ने सबसे ज्यादा पांच बार खिताब जीता है। रोहित की कप्तानी में टीम 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में चैंपियन रही। दूसरे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई टीम ने 3 बार (2010, 2011, 2018) खिताब अपने नाम किया है। सीएसके ने सबसे ज्यादा 8 बार फाइनल खेला। इस दौरान टीम 5 बार (2008, 2012, 2013, 2015, 2019) रनरअप रही। कोलकाता और हैदराबाद ने 2-2 बार खिताब जीता। कोलकाता 2012, 2014 और हैदराबाद 2009, 2016 में चैंपियन रही। एक बार राजस्थान ने 2008 में खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट का पहला सीजन था। पंजाब, दिल्ली और बेंगलुरु अब तक खिताब नहीं जीत सकीं। पिछले सीजन में मुंबई ने दिल्ली को हराकर 5वीं बार खिताब जीता था।

विनेश ने स्वर्ण पदक जीता, फिर हासिल की नंबर एक रैंकिंग

रोम। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए माटियो पैलिकोन रैंकिंग कुश्ती सीरीज में जीत दर्ज करके लगातार दूसरे सप्ताह दूसरा स्वर्ण पदक जीता और अपने वजन वर्ग में फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल की। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता 26 वर्षीय विनेश टोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय महिला पहलवान है। उन्होंने 53 किग्रा के फाइनल में कनाडा की डायना मैरी हेलन वीकर को 4-0 से हराया।

● विस्तृत खबर पेज-11

ब्रिगेड ग्राउंड में हुई विशाल रैली में बोले मोदी

नंदीग्राम में दीदी की स्कूटी गिरना तय

एजेंसी। कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड ग्राउंड में मेगा रैली की। लाखों की तादाद में समर्थक पहुंचे और मोदी ने भी इस बात का विशेष रूप से जिक्र किया। खचाखच भरे परेड ग्राउंड में मोदी करीब 68 मिनट तक बोले। ममता पर तंज कसा, वाम सरकारों को इतिहास याद कराया, जनता से वादे लिए और खुद भी संकल्प धारण किया। भीड़ में नारा लगवाया, जोर से छाप-टीएमसी साफ। हल्का-फुल्का अंदाज भी नजर आया।

मोदी ने कहा, ममता दीदी जब स्कूटी पर चलीं तो सभी ने प्रार्थना की कि कहीं चोट न लगे, लेकिन दीदी की स्कूटी नंदीग्राम की तरफ मुड़ गई। अब स्कूटी ने नंदीग्राम में ही गिरना तय कर लिया है तो हम क्या करें। दरअसल, ममता ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। यहां टीएमसी से भाजपा में आए शुभेंदु अधिकारी से उनका मुकाबला होगा। शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि ममता नंदीग्राम में 50 हजार वोटों से हारेंगी। बीते दशकों में ब्रिगेड ग्राउंड में अनेकों बार नारा गूंजा है कि ब्रिगेड चलो। इस ग्राउंड ने अनेक देश भक्तों को देखा है। ये बंगाल के लोगों की महानता है कि परिवर्तन की उम्मीदों को कभी छोड़ा नहीं है। ममता दीदी पर भरोसा किया था, लेकिन दीदी और उनके काडर ने आपका भरोसा तोड़ दिया, सपनों को चूर-चूर कर दिया।

खचाखच भरे परेड ग्राउंड में करीब 68 मिनट तक बोले मोदी

चुनावी रैली के दौरान सिलीगुडी में बोली ममता

परिवर्तन बंगाल में नहीं दिल्ली में होगा

एजेंसी। सिलीगुडी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को सिलीगुडी में रसोई गैस के बढ़ते दामों के खिलाफ पैदल मार्च निकाला। इस मौके पर उनके साथ सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने भी पैदल मार्च किया। चुनावों की तारीखों का ऐलान होते ही ममता बनर्जी भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर होने का एक भी मौका नहीं छोड़ रही हैं। इससे पहले पेट्रोल की बढ़ती कीमतों की वजह से ममता ने स्कूटी चलाकर विरोध जताया था। ममता ने सिलीगुडी में पदयात्रा के बाद कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बंगाल में हैं। हमने यह उन्हें दिखाने के लिए यह प्रदर्शन किया है। उन्हें जवाब देना चाहिए कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दाम क्यों बढ़ रहे हैं। ममता ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ भाषण देते हैं।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री कहते हैं कि बंगाल में परिवर्तन होगा। मैं बताना चाहती हूं कि केंद्र में बदलाव होगा और पीएम मोदी की कुर्सी जाएगी। मोदी कहते हैं कि बंगाल में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। मैं बताना चाहती हूं कि पश्चिम बंगाल में महिलाएं सुरक्षित हैं, लेकिन गोवा, यूपी और गुजरात समेत भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं की स्थिति खराब है।' ममता ने यह भी कहा, खेला होबे! हम खेलने के लिए तैयार हैं। अगर वह वोट खरीदना चाहते हैं, तो पैसे लें और टीएमसी के लिए अपना वोट डालें।

पेट्रोल-डीजल, एलपीजी की बढ़ती कीमत पर जवाब दें पीएमः ममता

भाजपा में शामिल हुए मिथुन चक्रवर्ती

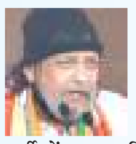

कोलकाता। सिने अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती रविवार को यहां ब्रिगेड परेड मैदान में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने अन्य नेताओं की उपस्थिति में मिथुन चक्रवर्ती का पार्टी में स्वागत किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई में अभिनेता के आवास पर पिछले महीने उनसे मुलाकात की थी। इसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें शुरू हो गई थीं।

बंगाल कश्मीर बनेगा तो गलत क्या है : उमर

जम्मू। बंगाल के नंदीग्राम से भाजपा के उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी के बयान अगर तृणमूल कांग्रेस सत्ता में वापस आती है, तो पश्चिम बंगाल कश्मीर बन जाएगा, लेकिन जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तंज कसा है। उमर ने कहा कि भाजपा के मुताबिक अगस्त 2019 के बाद कश्मीर स्वर्ग बन गया है। तो पश्चिम बंगाल के कश्मीर बनने में क्या गलत है? बंगाली लोग कश्मीर से प्यार करते हैं। हमसे बड़ी संख्या में मिलते हैं। इसके बाद अब्दुल्ला ने सुवेंदु अधिकारी के बयान को बेवकूफी करार देते हुए माफ करने की बात कही।

मेरठ में किसान महापंचायत

किसानों का शोषण कर रही भाजपा सरकार : प्रियंका

एजेंसी। मेरठ

किसान और सरकार के बीच जारी तपिश के चलते कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी रविवार को चौथी बार पश्चिम के रण में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने पहुंची। उन्होंने यहां मंच से भाजपा पर जमकर हमला बोला। कहा कि अंग्रेजों की तरह भाजपा सरकार किसानों का शोषण कर रही है। रविवार दोपहर ढाई बजे सरधना विधानसभा के कैली गांव में आयोजित किसान महापंचायत में प्रियंका गांधी किसानों के मन को टटोलने पहुंचीं, जहां उन्होंने क्षेत्र की जनता से कांग्रेस को मजबूत करने के लिए आशीर्वाद मांगा। मेरठ पहुंचने के दौरान रास्ते में दर्जनों स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस महासचिव का स्वागत किया।

प्रियंका ट्रैक्टर पर सवार होकर मंचस्थल तक पहुंची और क्षेत्र की जनता का अभिवादन किया। उन्होंने मंच से किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेरठ की धरती है। यहीं से स्वतंत्रता संग्राम का पहला विद्रोह शुरू हुआ। उस आजादी की लड़ाई में किसान शामिल रहे। हजारों किसान आंदोलन में जुटे। बहुत लोग शहीद हुए। अंग्रेजी साम्राज्य किसानों को परेशान कर रहा था। भाजपा की सरकार भी किसानों का शोषण कर रही है। ऐसे कानून हैं जिससे आपकी कमाई ठीक से नहीं मिल पाएगी। ये कृषि कानून बड़े उद्योगपतियों को लाभ देंगे। तीनों कृषि कानून में खरबपति और दूसरी तरफ आप, तो आपको क्या लाभ मिलेगा?

उन्होंने कहा कि इन कानूनों को बनाने से पहले किसी किसान से नहीं पूछा गया। आज सौ दिन पूरे हो गए। किसान दिल्ली बॉर्डर पर क्यों बैठे हैं, अगर कानून आप लोगों के लिए बने हैं। किसानों ने इस देश को आजादी दिलाई। किसान में हिम्मत की कमी नहीं। आत्मशक्ति की कमी नहीं है। अगर किसान बॉर्डर पर बैठा है, तो क्या प्रधानमंत्री को उसका आदर नहीं करना चाहिए। पानी काटा गया, बिजली काटी गई?

एक और किसान ने फांसी लगाई

बहादुरगढ़/सोनीपत। हरियाणा में रविवार को आंदोलनरत तीन किसानों की मौत हो गई है। इनमें से एक किसान कुंडली बॉर्डर पर अपनी ट्रैक्टर-ट्राली में मृत मिला। वहीं टीकरी बॉर्डर पर बुजुर्ग किसान की दिल का दौरा पड़ने से मौत गई है। तीसरे किसान ने टीकरी बॉर्डर पर फांसी लगा जान दे दी। बहादुरगढ़ में एक किसान ने कसार के निकट सर्विस रोड के पास पेड़ से फंदा लगाकर जान दी है। मृतक किसान की पहचान हिसार जिले के सिसाय गांव के रहने वाले राजबीर (47) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि किसान राजबीर काफी दिनों से किसान आंदोलन में लंगर सेवा में जुटा था। मरने से पहले किसान ने दो पेज का एक सुसाइड नोट भी लिखा। राजबीर का अंतिम संस्कार सिसाय में किया गया। किसान अपनी पत्नी सरस्वती, 22 वर्षीय बेटा मनजीत व 24 वर्षीय बेटी पिंकी को पीछे छोड़ गया है।

28 को पृथ्वी के अवलोकन उपग्रह के प्रक्षेपण की योजना

बेंगलुरु। भारत की 28 मार्च को एक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का प्रक्षेपण करने की योजना है, जो उसे अपनी सीमाओं की वास्तविक समय की तस्वीरों को उपलब्ध कराएगा और इससे प्राकृतिक आपदाओं की त्वरित निगरानी भी की जा सकेगी। जीसैट-1 आंध्रप्रदेश के नेल्लोर जिले में श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एफ 10 के जरिए प्रक्षेपित किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक अधिकारी ने रविवार को बताया, हम 28 मार्च को इस जियो इमेजिंग उपग्रह को प्रक्षेपित करना चाहते हैं, हालांकि यह मौसम की स्थितियों पर निर्भर करेगा।

तेलंगाना में सरकारी महिला कर्मियों के लिए आठ मार्च को अवकाश

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने रविवार को राज्य की सभी महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अवकाश घोषित किया। एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि तेलंगाना सरकार ने आठ मार्च को राज्य की सभी महिला कर्मचारियों के लिए विशेष आकस्मिक अवकाश घोषित किया है, जिसे 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के रूप में मनाया जाता है। राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने राज्य की सभी महिलाओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं। राजभवन से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, राज्यपाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संलग्न महिलाओं की सफलता का जश्न मनाने और अनुकरण करने का अवसर है।

गाजियाबाद में हवा बहुत खराबः नई दिल्ली। गाजियाबाद में हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई, जबकि ग्रेटर नोएडा, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में यह 'खराब' श्रेणी में रही। एक सरकारी एजेंसी द्वारा रविवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार यह जानकारी सामने आई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा बनाए गए वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के अनुसार, इन जगहों पर हवा में प्रदूषक पीएम 2.5 और पीएम 10 भी अधिक रहा।

शूटर गौरी आईडब्ल्यूसी की ग्लोबल एंबेडसर बनीं

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

अंतरराष्ट्रीय शूटर गौरी श्योराण को इंटरनेशनल वूमन क्लब (आईडब्ल्यूसी) की ग्लोबल एंबेसडर नियुक्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दक्षिणी अमेरिका के इक्वेडॉर कंट्री की पूर्व राष्ट्रपति रोसालिया अर्टिगा ने गौरी श्योराण की नियुक्ती की घोषणा की। महिला दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को नई दिल्ली स्थित एम्बेसी ऑफ चैक रिपब्लिक के सहयोग से इंटरनेशनल वूमन कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। इसमें गौरी श्योराण को सम्मानित भी किया गया।

गौरी ने हाल ही में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप और दक्षिणी एशियाई वर्ल्ड कप में शूटिंग में गोल्ड मेडल हासिल किया है। गौरी अभी तक 35 इंटरनेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में भाग ले चुकी हैं और 26 में मेडल हासिल किए हैं। आईडब्ल्यूसी का मुख्यालय फ्रांस के पेरिस में है और इस वूमन क्लब को स्विजरलैंड, कनाडा व इंग्लैंड से भी सहयोग मिलता है। प्रदेश सरकार की ओर से गौरी की उपलब्धियों पर राष्ट्रीय हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत हरियाणा में नेशनल चाइल्ड हेल्थ प्रोग्राम की ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया हुआ है। गौरी के पिता जगदीप सिंह हरियाणा सरकार में आईएएस हैं। वर्तमान में वे वित्त विभाग में सचिव पद पर कार्यरत हैं। जगदीप सिंह हरियाणा में खेल एवं युवा मामले विभाग के निदेशक रहे हैं।

बाइपास रोड पर टेढ़ी नजर रखने वाले प्रदीप दहिया खुड्डेलाइन लगे

सुधीर बैसला। चंडीगढ़

डीएनडी से चलकर फरीदाबाद के कैल गांव तक 12 लेन में परिवर्तित होने वाले फरीदाबाद बाइपास रोड पर टेढ़ी नजर रखने वाले हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (हशविप्र) प्रशासक प्रदीप दहिया का तबादला कम तवज्जो वाली सीट पर कर दिया है। आईएएस लॉबी में ये चर्चा है कि उन्हें जानबूझकर खुड्डेलाइन लगाया है। प्रदीप दहिया की जगह हशविप्र फरीदाबाद का प्रशासक कृष्ण कुमार को लगाया गया है, जो यहां से पहले राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त सचिव थे। भले ही दहिया का तबादला हो जाने से बाइपास रोड पर आलीशान शोरूम और मकान-दुकान बनाकर बैठे मालिकान राहत महसूस कर रहे होंगे, लेकिन उनके सिर से संपत्तियों के जमींदोज का खतरा टला नहीं है। दरअसल, डीएनडी-फरीदाबाद-सोहना परियोजना की जो डीपीआर है, भयभीत लोग उसमें जैसा बदलाव चाह रहे हैं, वह बदलाव अभी नहीं हुआ है।

गुर्जर के दरबार में है ये मामला: बाइपास रोड के पूर्व की तरफ बीपीटीपी पुल से लेकर सेक्टर-3 गुरुग्राम नहर पुल तक बड़ौली और सिही गांव के वाशिंदों की जमीन हैं। इन पर कई तो खुद बैठे हैं, कइयों ने अपनी संपत्ति हस्तांतरित कर दी थी। बाद के मालिकों ने भी इन संपत्तियों पर आलीशान बिल्डिंग बना ली। इनके बीच कई नामचीन शोरूम है। हशविप्र की तरफ से इस परियोजना की डीपीआर के आड़े आ रहे सभी भवन मालिकों को नोटिस दिए जा चुके हैं। अल्टीमेटम दिया कि वे खुद तोड़ लें, जगह खाली कर दें, अन्यथा तोड़फोड़ होगी। लेकिन जब से बाइपास को 12 लेन में परिवर्तित करने की योजना सार्वजनिक हुई, तब से ये लोग केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद फरीदाबाद कृष्णपाल गुर्जर की शरण में है। गुर्जर लगातार इन सभी से वायदा करते आ रहे हैं कि तोड़फोड़ नहीं होने दूंगा, चाहे जो हो जाए।

प्रदीप दहिया अड़े थे सफाए पर

दरअसल, हशविप्र के प्रशासक प्रदीप दहिया यूं तो ईमानदार छवि के अधिकारी हैं, लेकिन वे बाइपास की राह में रोड़ा बन रहे भवन मालिकों के लिए आफत बन गए थे। इन्होंने कसम खाई थी कि सबके कब्जे जमींदोज करके रहूंगा। ऐसा बताया जाता है कि इस मुद्दे पर प्रशासक और मंत्री के बीच मतभिन्नता आ गई थी। लिहाजा, मंत्री के खिलाफ उनके समर्थकों में खिलाफत का माहौल बन रहा था। नतीजतन औरों की तरह इनका का नाम तबादला लिस्ट में आ गया।

केंद्रीय राज्यमंत्री गुर्जर के खिलाफ बन रहा था माहौल

बाइपास रोड पर बने निर्माणों को तोड़ने के दिए थे नोटिस

130 करोड़ की है डीएनडी-फरीदाबाद-सोहना परियोजना

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की योजना है कि डीएनडी फ्लाईओवर से एक कॉरीडोर सीधा सोहना तक ले जाया जाएं, जिसे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे कनेक्ट किया जाएगा। इस परियोजना के तहत डीएनडी से 12 लेन का रोड पहले जैतपुर तक लाया जाएगा। जैतपुर से यह टर्न होते फरीदाबाद सेक्टर-37 के पास बाइपास को कनेक्ट करेगा और फिर बाइपास के अंतिम छोर कैल गांव तक जाएगा। यहां से सोहना तक एक ग्रीन कॉरीडोर बनेगा, जो वाया नूंह-सोहना तक जाएगा। डीएनडी-फरीदाबाद-सोहना तक पूरी लंबाई 59 किलोमीटर की है। इस पर अनुमानित 130 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसे 2022 के अंत तक तैयार करने की बात कही जा रही है।

हरियाणा भर में पांच आईएएस और 14 एचसीएस बदले : पेज-08

Good Morning!
फरीदाबाद पायनियर
हरियाणा, सोमवार, 08 मार्च, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

जागरूकता से कोविड-19 गाइडलाइंस का पालन करना सभी की जिम्मेदारी : शर्मा

जब तक देश के प्रत्येक व्यक्ति को वैक्सीन नहीं लग जाती, तब तक सरकार द्वारा जारी कोविड-19 गाइडलाइंस का पालन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इम्युनिटी के भ्रम में हम अपने साथ-साथ अपने परिवार और समाज के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। नियमों का पालन करने में लापरवाही बरत रहे लोगों को जागरूक करने के लिए सरकार को नियमों का प्रचार-प्रसार जारी रखना होगा। समाजसेवी संस्थाओं को भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। यह कहना कुंदन ग्रीन वैली स्कूल के चेयरमैन भारत भूषण शर्मा का। श्री शर्मा समाजसेवा के कामों और जरूरतमंदों की मदद करने में हमेशा आगे रहते हैं। पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और भारत भूषण शर्मा की बातचीत के अंश :-

जीवन परिचय

नाम	: भारत भूषण शर्मा
जन्मदिन	: 30 सितंबर 1979
पिता	: शिवलाल शर्मा
माता	: लक्ष्मी देवी
पत्नी	: शिखा शर्मा
परिवार	: बेटी देवांशी व बेटा अर्जुन
स्कूल	: 12 वीं - अग्रवाल पब्लिक स्कूल, बल्लभगढ़
उच्चशिक्षा	: बीएससी, एलएलबी, एमएसडब्ल्यु
रूचि	: समाजसेवा

● **सवाल : शिक्षा के बाद आपने कॅरियर की शुरूआत कैसे की।**

जवाब : पीजी करने के बाद वर्ष 2002 में मैंने कुंदन ग्रीन वैली के नाम से प्ले स्कूल की शुरूआत की थी। वर्तमान में इस स्कूल में करीब दो हजार बच्चे पढ़ रहे है। स्कूल की दूसरी शाखा इसी साल ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर 89 में शुरू कर दी गई। जहां दाखिला आरम्भ हो चुका है। सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूल में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

● **सवाल : शिक्षा के क्षेत्र में आपने किसकी प्रेरणा से कदम रखा।**

जवाब : मेरे पिता दिल्ली गोवर्नमेंट स्कूल में वाइस प्रिंसीपल थे। उन्होंने करीब 42 साल अध्यापन कार्य किया। उनकी इच्छा थी कि हमारा अपना स्कूल होना चाहिए। उन्होंने ही मुझे स्कूल शुरू करने के लिए प्रेरित किया था।

● **सवाल : कुंदन ग्रीन वैली स्कूल की खास बात क्या है।**

जवाब : हम एक एक बच्चे पर फोकस करते हुए उनकी कमियों को दूर करते है। बच्चे के भीतर छिपी प्रतिभा को उभार कर उन्हें समझाते हैं कि वे सबकुछ कर सकते है। उनकी बैकराउंड के मुताबिक उन्हें सुनहेरे भविष्य का रास्ता दिखाते हैं।

● **सवाल : क्या आपके स्कूल के बच्चे अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लेते हैं।**

जवाब : हमारे स्कूल के छात्र एवं शूटिंग के खिलाड़ी मनीष नरवाल को अर्जुन अवार्ड दिया गया है। वह पैरा ऑलोम्पिक में दो बार चैम्पियन रह चुका है। हमारे स्कूल की शूटिंग रेंज से प्रशिक्षण प्राप्त मनीष नरवाल का ऑलोम्पिक के लिए चयन हो चुका है। दीपिका सैंगर का तलवारबाजी में कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए चयन हुआ था। हाल ही में हमारी अंडर 16 टीम नेपाल से कब्बड़ी की चेम्पियन बनकर लौटी है।

● **सवाल : क्या आप समाजसेवा के कार्यो में भी रूचि लेते हैं।**

जवाब : स्कूल में विधवाओं के 68 बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जा रही है। हमारी एसओसीएच के नाम से संस्था है। जिसके माध्यम से हम रक्तदान, स्वास्थ्य जांच एवं नेत्र जांच शिविरों का आयोजन करते हैं। साथ ही मैं ब्राहमण सभा और रोटरी क्लब के माध्यम से भी समाजसेवा के काम करता रहा हूं।

● **सवाल : लॉकडाउन के दौरान अपने जरूरतमंदों की कैसे मदद की।**

जवाब : लॉकडाउन की वजह से सेक्टर 89 स्थित हमारे निर्माणाधीन स्कूल में करीब 150 मजदूर फंस गए थे। मैंने इनके रहने खाने और जरूरत का पूरा इंतजाम किया। स्कूल के 137 लोगों के स्टाफ को शुरू में 50, फिर 60 और स्कूल खुलने पर 100 प्रतिशत वेतन दिया गया और उनकी हर जरूरत का ख्याल रखा।

● **सवाल : ऑनलाइन पढ़ाने के दौरान बच्चों का तनाव कैसे दूर किया।**

जवाब : हम शिक्षा के साथ योगा, डांस और म्युजिक क्लास भी चला रहे थे। कई तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहे थे। मैं खुद भी जूम के जरिए बच्चों और अभिभावकों के सम्पर्क में रहा।

● **सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।**

जवाब : लॉकडाउन से पहले थोड़ा समय देते तो लाखों मजदूरों को परेशानियां झेलते हुए सैंकड़ों किलोमीट पैदल नहीं चलना पड़ता।

शहर का तापमान

- अधिकतम 31.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 16.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- सेक्टर-12 में जिला प्रशासन द्वारा महिला दिवस कार्यक्रम: सुबह 9 बजे
- स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन: सुबह 9 बजे
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच, ओपीडी, वैक्सीनेशन: सुबह 9 बजे
- रविन्द्र फागना अकादमी में क्रिकेट मैच: सुबह 9 बजे

निवेश गुरु

इस साल की शुरुआत से एनर्जी शेयरों में तेजी है। पॉजिटिव आउटलुक के कारण एनर्जी सेक्टर फंड भी बढ़े हैं। एनर्जी शेयरों में पैसा लगाने वाले इन सेक्टोरल म्यूचुअल फंडों ने 1 जनवरी 2021 से 16.57 फीसदी रिटर्न दिया है। वैसे तो म्यूचुअल फंड एडवाइजर छोटे निवेशकों को थीमैटिक और सेक्टोरल फंडों से दूर रहने के लिए कहते हैं। लेकिन, ये स्कीमें अब काफी निवेश आकर्षित कर रही हैं। एक साल में इन्होंने 65 फीसदी तक रिटर्न दिया है।

यूटीलिटी न्यूज

गढ़वाल सभा ने की बैठक आयोजित

फरीदाबाद। गढ़वाल सभा चुनाव समिति की आम सभा आज आयोजित की गई। जिसमें गढ़वाल सभा का चुनाव वर्ष 2021-2024 की गढ़वाल सभा की कार्यकारिणी चुनाव हेतु शशिकांत थापलियाल को मुख्य चुनाव अधिकारी सर्व सम्मति से नियुक्त किया गया। जिससे चुनाव सोसायटी एक्ट-2012 को आधार पर सम्पन्न करा सकें। इसकी सूचना सभी गढ़वाल सभा के आजीवन सदस्यों को दे दी गई है। गढ़वाल सभा चुनाव समिति द्वारा आयोजित आम सभा में सभी सदस्यों ने बड़े ही हर्षोल्लास एवं सभा के चुनाव कराने हेतु अपना पूर्ण समर्थन दिया। सभा की अध्यक्षता लक्ष्मण सिंह रावत, अध्यक्ष चुनाव समिति गढ़वाल सभा तथा आजीवन सदस्य लोकेन्द्र सिंह बिष्ट एवं देव सिंह गोंसाई पूर्व प्रधान गढ़वाल सभा ने की। बैठक की कार्यवाही का सभी उपस्थित सदस्यों ने स्वागत किया तथा आगामी चुनाव कराने में पूर्ण समर्थन देने का संकल्प किया है।

क्विक न्यूज

दो झपटमार गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 प्रभारी इंस्पेक्टर कर्मबीर की टीम ने स्नैचिंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी में राजू और दीपक का नाम शामिल है। आरोपियों के खिलाफ चोरी और स्नेचिंग के तीन मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी जुआ खेलने के आदी हैं और जुए के लिए पैसों की आवश्यकता के चलते उन्होंने पहले एक मोटरसाइकिल चोरी की और फिर उसी मोटरसाइकिल पर सवार होकर स्नैचिंग की दो वारदातों को अंजाम दिया।

शहर की लाइफ लाइन रैनीवैली पर भी जरा गंभीर नहीं हैं सरकारी अधिकारी

अफसरों की लापरवाही का खामियाजा उठाना पड़ रहा जनता और सरकारी खजाना को

राजेश दास। फरीदाबाद

प्रशासन की लापरवाही से जिले का भूजल स्तर काफी तेजी से गिरता जा रहा है। जिसके कारण जिला डार्क जोन में शामिल हो चुका है। शहर की जनता पानी के लिए सिर्फ रैनीवैल पर ही निर्भर है। लेकिन इसके बावजूद नगर निगम, एचएसवीपी और अन्य संबंधित विभागों के लिए अधिकारी रैनीवैल की पाइप लाइनों के प्रति जरा भी गंभीर नहीं हैं। एचएसवीपी द्वारा पलवली गांव में विकास कार्य के लिए की जा रही खुदाई के दौरान रैनीवैल की पाइप लाइन टूट जाने से बड़खल विधानसभा क्षेत्र में पानी की आपूर्ति ठप हो चुकी है। शहर में पानी के लिए हा हाकार मचा हुआ है। पाइप लाइन गलती नहीं बल्कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों के आपसी तालमेल के अभाव में टूटी है।

खुदाई से पहले एचएसवीपी को रैनीवैल पाइप लाइक का नक्शा रखना चाहिए था। यदि एचएसवीपी और नगर निगम में तालमेल होता तो यह घटना नहीं होती। इस लापरवाही खामियाजा जहां एक तरफ जनता को उठाना पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ लाइन की मरम्मत पर होने वाले खर्च से सरकारी खजाने पर भी बौझ बढ़ रहा है। इस तरह की लापरवाही शहर में कोई पहली बार नहीं हुई। एक विभाग सड़क तैयार करता है तो दूसरा खुदाई करने के लिए पहुंच जाता है।

पानी के लिए हाहाकार

एचएसवीपी द्वारा ग्रेटर फरीदाबाद में इन दिनों कई तरह के विकास कार्य किए जा रहे हैं। जिसकी वजह से कई जगह खुदाई का काम भी चल रहा है। करीब तीन दिन पहले पलवली गांव के निकट खुदाई के दौरान रैनीवैल की मैन लाइन टूट गई। इस लाइन से बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों और अन्य रिहायशी कालोनियों में पानी की आपूर्ति की जाती है। पहले दिन तो बिस्टरों के स्टॉक से पानी की आपूर्ति कर दी गई। लेकिन इसके बाद पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। जिसके बाद इलाके के पॉश सेक्टरों में भी पानी के लिए हा हाकार मचना शुरू हो गया। शनिवार की रात को सेक्टर 21 सी के निवासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। गुस्साए लोगों ने सेक्टर 21सी और 21ए की डिवाइडिंग रोड पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलने पर पुलिस, नगर निगम के जेई और एसडीओ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने लोगों को समझाने के प्रयास शुरू कर दिए। लोगों का आरोप है कि एसडीओ पल्ला झाड़ने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन बाद में पानी की आपूर्ति का आश्वासन मिलने पर लोगों ने जाम खोल दिया।

कार्रवाई का अभाव

आरटीआई कार्यकर्ता विष्णु गोयल का कहना है कि सरकारी विभागों के अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को उठाना पड़ता है। वहीं इससे सरकारी खजाने पर भी बौझ पड़ता है। इस तरह की लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जांच करवा कर सरकार को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

कहां गया ट्यूबवेलों का पानी

पूरा शहर रैनीवैल के पानी पर निर्भर कर रहा है लेकिन इसके बावजूद नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये खर्च करके शहर भर में सैंकड़ों की संख्या में ट्यूबवैल भी लगाए हुए है। वर्तमान में भी नगर निगम द्वारा आए दिन कहीं न कहीं ट्यूबवेल लगाने की योजना बनाई जाती रहती है। निगम द्वारा जगह जगह बनाए गए इन ट्यूबवेलों की मरम्मत और रख रखाव का काम भी ठेके पर दिया हुआ है।

इन पर लाखों रुपये नगर निगम खर्च कर रहा है। लेकिन रैनीवैल की लाइनों में दिक्कत आते ही पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो जाती है। जिससे लोगों में पानी के लिए हा हाकार मचने लगता है। लेकिन निगम द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से लगाए गए ट्यूबवैलों का पानी कहां जा रहा है, इस बारे में किसी को नहीं पता। यदि इन ट्यूबवैलों में पानी नहीं आता या फिर वह इस्तेमाल करने योग्य नहीं है तो निगम अधिकारियों ने इन पर सरकारी धन का दुरूपयोग क्यों किया। शहर की विभिन्न कालोनियों और स्लम बस्तियों नगर निगम द्वारा लगाए गए ट्यूबवेलों को कहीं भी आम देखा जा सकता है।

सरकारी खजाने पर बोझ

नगर निगम और एचएसवीपी के आपसी तालमेल के अभाव में सरकारी धन का पहले भी लगातार दुरूपयोग होता रहा है। जिले के विभिन्न हिस्सों से रैनीवैल पाइप के साथ साथ सीवर और पीएनजी गैस की पाइप लाइनें भूमिगत गुजर रही है, लेकिन जिले के किसी भी हिस्से में जब किसी भी कारणवश खुदाई होती है तो संबंधित ठेकेदार अथवा जिम्मेदार अधिकारियों के पास इन भूमिगत लाइनों का नक्शा अथवा जानकारी कभी नहीं होती। जिसके कारण पहले भी इस तरह की घटनाएं होती रहती है। संबंधित अधिकारी तो काम के दौरान मौके पर कभी मौजूद ही नहीं रहते। पिछले दिनों जेसीबी से की जा रही खुदाई के दौरान ओल्ड फरीदाबाद इलाके में पीएनजी गैस की पाइप लाइन फटने से आग लग गई थी। गनीमत यह रहा था कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। रैनीवैल की पाइप लाइन तो जिले में कई बार फुट चुकी है। अधिकारियों की लापरवाही से आए दिन होने वाली इस तरह की घटनाओं का खामियाजा आम जनता को उठाना पड़ता है। वहीं इस दौरान होने वाली नुकसान के बाद मरम्मत करवाने पर सरकार का लाखों रुपये खर्च होता है, लेकिन अधिकारियों को जनता की समस्या और सरकार पर पड़ने वाले बोझ से कोई लेना देना नहीं है।

समाजसेवा के क्षेत्र में भी महिलाएं निभा रहीं अहम भूमिका

महिला दिवस पर विशेष

कविता। फरीदाबाद

वैसे तो महिलाएं हमेशा से पूज्यनीय रही है। आज के आधुनिक समय में महिला पुरूषों से बिल्कुल भी पीछे नहीं है। यहां तक कि सेना, पुलिस और हर क्षेत्र में महिलाएं पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही। देश के विकास और समाज के उत्थान में महिलाएं आज अहम भूमिका निभा रही है। समाज में ऐसी महिलाओं की भी कमी नहीं है, जो किसी न किसी क्षेत्र में विशेष कार्य कर रही है, लेकिन इसके बावजूद आम व्यक्ति उनकी प्रतिभा से परिचित नहीं होते है। इस तरह की कुछ महिलाओं से पायनियर द्वारा खास बातचीत की।

अंशु सिंगला।

नीलम आहुवालिया।

अपर्णा ।

आईपीएस बनकर समाजसेवा : डीसीपी मुख्यालय डॉ. अर्पित जैन की पत्नी आईपीएस आफिसर डॉ. अंशु सिंगला का जन्म 13 अप्रैल 1989 को पंजाब के मोहाली में हुआ। उसनके पिता एसके सिंगला सिंचाई विभाग अधिकारी (कार्यकारी अभियंता) और मां विजय लक्ष्मी चंडीगढ़ शिक्षा विभाग में लेक्चरार है। जिस कारण वह चंडीगढ़ में पली-बढ़ी। उन्होंने जीएमसी पाटियाला कॉलेज से एमबीबीएस की और 2014 के बैच में आईपीएस सेलेक्ट हुई। उन्होंने पुलिस में कार्य करते हुए पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, सड़क पर रहने वाले पशुओं को गोद लेने का प्रोत्साहन, नेत्रदान में गहरी रूचि दिखाई। नेत्रदान के लिए लोगों को जागरूक किया। कई थानों में पेड़-पौधे लगवाए। उन्हें इस काम की प्रेरणा अपनी मां से मिली।

पर्यावरण प्रेमी : डाक्यूमेंट्री फिल्म मेकर नीलम आहलुवालिया अरावली पर्वत को बचाने के लिए पिछले दो साल से विभिन्न तरीकों आंदोलन चला रही है।

वह शहर के आम लोगों और स्कूल के बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक कर रही हैं। ताकि आने वाले समय में पर्यावरण को नुकसान से बचाया जा सके। जंगल की वजह से मिलने वाले पानी और हवा को बचाने का प्रयास कर रही है। लोगों को वे जंगल दिखाने ले जाती हैं। बच्चों को अरावली बचाओं अभियान से जोड़ रही हैं, ताकि यूथ आगे आ सके।

महिला का संरक्षण: जिला बाल संरक्षण विभाग की काउंसलर अपर्णा की माने तो वह बच्चों की काउंसलिंग करती है। इसके साथ ही बच्चों के साथ वह इतना घुलमिल जाती है कि वह बाहर के बच्चों को अपना समझने लग जाती है।

उनका प्रयास होता है कि पीड़ित बच्चियों को हर वह सुविधा मिले, जिसकी वह हकदार है। वह समाजसेवा के कार्य भी करती है। वह वर्ष 2016 से गांव में जाकर पर्दा प्रथा पर काम कर रही है। ग्रामीणों को वह जागरूक करती है। नशा मुक्ति केन्द्र में भी जागरूक करती। वह पिछले दस सालों से समाजसेवा कर रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिला दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। सतत फाउंडेशन के द्वारा नागरिक (बीके) अस्पताल फरीदाबाद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन महिला दिवस के उपलक्ष में मजदूर व कुपोषित महिलाओं के लिए किया गया। इस कैम्प में युवा रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समाजसेवी व स्लेजहैमर ग्रुप के एमडी प्रदीप मोहंती व उनकी धर्मपत्नी डॉ. प्रतिमा मोहंती द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया। प्रतिमा मोहंती ने सभी को महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि महिलाओं में अक्सर रक्त की कमी पाई जाती है, उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। एक स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और समाज की आधारशिला रख सकती है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार को बधाई देते हुए पूरे प्रदेश में महिला अनुपात की सुधरी हुई स्थिति की सराहना की। फाउंडेशन की संरक्षक कमला देवी ने मुख्य अतिथियों का पौधे भेंट कर स्वागत किया। शिविर में 20 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर में राजकीय महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष कंचन डागर, गायत्री राठौर, सतत फाउण्डेशन से अध्यक्ष सीमा भारद्वाज, योगेश चौहान और प्रवीण कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे।

घरेलू हिंसा के विरुद्ध महिलाओं को किया जागरूक

फरीदाबाद। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेते हुए थाना एनआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर गीता ने महिलाओं के विरुद्ध घटित हो रहे अपराधों के बारे में महिलाओं को जागरूक किया। यह कार्यक्रम वन स्टॉप सेंटर द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें महिला पुलिस के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास के मुख्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से आई महिलाओं ने हिस्सा लिया। इंस्पेक्टर गीता ने घरेलू हिंसा के बारे में महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया कि इस पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं के अधिकारों को दबाकर विभिन्न प्रकार से उनका शोषण किया जाता है और सामाजिक बंधनों के चलते महिलाएं उनके खिलाफ आवाज नहीं उठा पाती। पुरुष चाहे सौ तरह के बुरे काम करके घर आए परंतु इसका दोष भी महिलाओं के ऊपर मढ़ दिया जाता है जिसका खामियाजा उन्हें गाली गलौज या मारपीट के रूप में झेलना पड़ता है। प्रकृति ने महिला और पुरुष के बीच कोई भेदभाव नहीं किया परंतु कुछ नासमझ पुरुष महिलाओं को प्रताड़ित करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। महिलाओं को इस प्रकार के अपराधों के विरुद्ध जागरूक करते हुए इंस्पेक्टर गीता ने कहा की महिलाओं को उनके विरुद्ध घटित हो रहे घरेलू व सामाजिक अपराधियों के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए।

दा क्रिकेट गुरूकुल ने जीता 7 विकेट से मैच

फरीदाबाद। छठा ऑल इंडिया रविंद्र फागना अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट (सेमी फ़ाइनल) मैच में दा क्रिकेट गुरुकुल ने एलबी शास्त्री क्रिकेट क्लब टीम को 7 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया की यह मैच 50-50 ओवर का था। दा क्रिकेट गुरुकुल ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाज़ी करने का निर्यण लिया। एलबी शास्त्री क्रिकेट क्लब टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 307 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए सुमित चिंकारा ने 112 रन, शिवांश गौतम ने 50 रन ओर अमन गुरनानी ने 43 रन बनाए। दा क्रिकेट गुरुकुल की और से गेंदबाजी करते हुए उदय कुंडु ओर सलमान खान ने 2-2 विकेट ओर पाहुल ने एक विकेट लिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए दा क्रिकेट गुरुकुल टीम ने 46 ओवर में 3 विकेट में 311 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल किया। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए अनिकेत सिंह ने 158 रन, मदस्सर अली ने 64 रन और सचिन ने 41 रन बनाए। एलबी शास्त्री क्रिकेट क्लब टीम की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए शौर्य मलिक,हिमांशु भाटी ओर अंश चौधरी ने 1-1 विकेट लिए। लाखन (एंपायर) के द्वारा मैन ऑफ़ दा मैच का पुरस्कार अनिकेत सिंह को दिया गया। अनिकेत सिंह ने 112 बॉल मे 22 चौके ओर 4 छक्के लगाकर 158 रन बनाए।

सेवा ट्रस्ट ने मनाया तृतीय स्थापना दिवस

फरीदाबाद। बाबा सूरदास गौशाला सेवा ट्रस्ट द्वारा अपना तृतीय स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक राम कुमार गुप्ता ने फरीदाबाद एस्टेट एजेंटस वेलफेयर एसोसिएशन को विशेष रूप से आमंत्रित किया। इस अवसर पर वहां रक्तदान शिविर के साथ-साथ एक हवन व भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें फीएवा सहित कई अन्य साथियों ने भी रक्तदान में भाग लिया। ट्रस्ट की गतिविधियों को भविष्य में सुचारु रूप से जारी रखने के लिए फीएवा ने 11 हजार रुपए की नगद सहयोग राशि भेंट की। ट्रस्ट द्वारा मंच पर सभी साथियों भूतपूर्व प्रधान जीत राम वशिष्ठ, महासचिव गुरमीत सिंह देओल, कोषाध्यक्ष दशरथ सिंह शेखावत, सचिव सरदार रंजीत सिंह, विनोद सिंघल को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

हस्त मुद्रा योग, ज्योतिष एवं आध्यात्म

नरेंद्र गुप्ता - गुस्सा, तनाव, सिरदर्द, अनिद्रा, पीठदर्द आदि हर समस्या का समाधान है ज्ञान मुद्रा!

-ज्ञान मुद्रा विज्ञान: ज्ञान मुद्रा में प्रयुक्त - तर्ज़नी उंगलियां - ज्ञान, विद्वता, शिक्षा, अध्यात्मयोग के कारक ग्रह कहे जाने वाले देवगुरु बृहस्पति - को संतुलित करती हैं!

मस्तिष्क में आवश्यकता से अधिक ऊर्जा को शरीर के निचले हिस्सों में स्थानांतरित कर - डिस्टर्बड अपान वायु को संतुलित कर - सभी प्रकार की मनोशारीरिक व्याधियों से छुटकारा दिलाती है!

-विधि: सुविधासामर्थ्य अनुसार

सुबह शाम, दोनों हाथों की र्ज़नी एवं अंगूष्ठो की टिप्स को आपस में मिला कर रखें!

प्रस्तुति : शिक्षाविद् डीसी चौधरी

नोटः विषय संबंधित अन्य जानकारी हासिल करने हेतु ई-मेल आईडी : pioneerhry@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता हैं!

पायनियर
हरियाणा, सोमवार, 08 मार्च, 2021

जागरुकता के बिना महिलाओं का सुरक्षित रहना मुश्किल

कविता। फरीदाबाद

महिला दिवस से पहले जिले में एक ऐसी घटना सामने आई, जिसे सूनकर रूह कांप जाएगी। किशोरी को डरा धमका कर युवक अपने साथ ले गया। जहां दो बार किशोरी ने खुदखुशी का प्रयास तक कर दिया। अखिरकार किशोरी को पुलिस ने झारखंड से बरामद कर लिया।

जिला बाल संरक्षण विभाग की काउंसलर अपर्णा ने बच्चियों, किशोरियों को जागरूक करते हुए कहा है कि वह स्वयं जागरूक रहे। ताकि आने वाले समय में उन्हें परेशानियां न झेलनी पड़े।

यह था मामला

थाना सारन इलाके में रहने वाली एक किशोरी से एक युवक ने नाम बदलकर दोस्ती कर ली। युवक दिसंबर 2020 में किशोरी घर पहुंच गया और अकेला देखकर दुष्कर्म कर दिया। किशोरी ने डर से किसी को कुछ नहीं बताया। लेकिन युवक ने उसका जीना दुश्वार कर दिया और गत आठ दिसंबर को युवक एक ऑटो लेकर आया और दुष्कर्म की विड़ियों वायरल की धमकी देकर

साथ चलने को कहने लगा। जिस पर किशोरी ऑटो में उसके साथ बैठ गई। ऑटों से आरोपी उसे दिल्ली मौजपुर अपने पिता के घर ले गया। वह उसे कमरे में ताला बंद करके रखने लगा। जहां युवती को पता चला कि आरोपी विशेष समुदाय से संबंधित है और फर्जी नाम रखा हुआ। पता चलने पर जहर खाकर मरने का प्रयास किया। जिस पर युवक के पिता ने उसे अपने भाई (चाचा) के घर झारखंड जाने को कहा। जहां युवक ने किशोरी से निकाह करने की योजना बनाई। जिस पर युवती द्वारा दोबारा जहर खाने से उसकी हालत नाजुक हो गई।

पुलिस को लगी भनक

वहीं किशोरी के परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी थी, जिस पर पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी। पुलिस को पता चला कि युवक का पिता दिल्ली में है। उससे पूछताछ की तो पता चला की किशोरी झारखंड में है। जहां पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी को एक मार्च को बरामद करते हुए फरीदाबाद लाकर परिजनों के हवाले कर दिया।

रहें सतर्क

काउंसलर अपर्णा ने कहा कि ऐसे मामले बहुत हो रहे है। इनसे बचाने के लिए युवती, किशोरियों और महिलाओं को सर्तक व जागरूक होना पड़ेगा। जब तक वह स्वयं जागरूक नहीं रहेंगी, तब तक वह सेफ नहीं है। उन्हें अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए जागरूक होना पड़ेगा और स्वयं का बचाव करना सिखना होगा।

पुलिस ने बच्चे को परिजनों तक पहुंचाया

फरीदाबाद। पुलिस चौकी संजय कॉलोनी प्रभारी उप निरीक्षक रामवीर सिंह की टीम ने 7 वर्षीय बच्चे को उनके परिजनों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।
पुलिस टीम अपने थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी कि सोहना रोड पर एक 7 वर्षीय बच्चा लावारिस अवस्था में घूमता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम ने बच्चे की सुरक्षा को देखते हुए उससे उसका नाम और परिजनों के बारे में पूछताछ की। बच्चे ने अपना नाम और परिजनों के बारे में तो बता दिया परंतु वह अपने घर का पता बताने में असमर्थ था।

महिला दिवस सम्मान समारोह में आग से अफरातफरी, हादसा टला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर कन्वेनशन हॉल सेक्टर 12 फ़रीदाबाद में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा फ़रीदाबाद द्वारा महिला सम्मान समारोह आयोजित किया। लेकिन उसी दौरान हॉल के एक बिजली के पैनल अचानक आग लग गई। हालांकि आग पर तुरंत पा लिया गया। लेकिन हॉल में धुंआ बुरी तरह भर गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। थोड़ी देर बाद ही स्थिति काबू में आने के बाद कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाया जाने लगा।

महिला सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि महिला शक्ति अपरंपार है। महिला एवं पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं। एक सफल पुरुष के पीछे एक महिला का हाथ होता है और एक सफल महिला के पीछे एक पुरुष का हाथ होता है।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के राज्यमंत्री चौधरी कृष्णपाल गुर्जर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर स्थानीय कन्वेंशन हॉल में आज महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में वर्ष 2014 में पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ बेटी को आगे बढ़ाओ, बेटी को आगे बढाओ अभियान की शुरुआत करके महिलाओं के प्रति साकारात्मक सोच को क्रियान्वित करने काम किया था। सरकार द्वारा महिलाओं के लिए महिला समूह बनाकर उन्हें स्वरोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। हम महिलाओं को मां, बहन, पत्नी और बेटी के रुप में देखते हैं। महिलाएं करुणा का सागर होती हैं।

महिला दिवस को विधायक सीमा त्रिखा, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा,मेयर सुमन बाला, राजबाला सरदाना,प्रवीण जोशी, रेनू भाटिया,प्रतिभा तिवारी, ममता राठौर, किरण चौधरी सहित कई गणमान्य महिलाओं ने सम्बोधित किया।

इस अवसर पर राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाली पार्षद नीतू भाटी, ललिता यादव, सोमलता भड़ाना, गीता रक्षवाल को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। फरीदाबाद की पंच, सरपंच व ज़िला परिषद की और एनजीओ के माध्यम से महिलाओं के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली बहनों को सम्मानित किया गया।

किन्नर समाज की संजना बाई जो बहुत से सामाजिक और धार्मिक कार्यों से जुड़ी हैं उनको भी सम्मानित किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने महिला दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण और कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गई है।

कोरोना : 12 पॉजिटिव से आंकड़ा 46592

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार सामने आ रही है। जिले में रविवार को 12 पॉजिटिव सामने आए हैं। जिसमें सेक्टर-29, सेक्टर-39, एनएच-एक, सेक्टर-23, सेक्टर-88, सेक्टर-37, ग्रीन फिल्ड कालोनी, डबुआ कालोनी से 1-1 मरीज है।

वहीं सेक्टर-15 और 15 से 2-2 मरीज शामिल है। जिले का कुल आंकड़ा 46592 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ राहत की बात यह रही कि जिले में 9 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 98.9 प्रतिशत पर पहुंच गया।

यह है आंकड़ा

अब तक कुल जांच	: 547898
अब तक पॉजिटिव	: 46592
अब तक नेगेटिव	: 500057
रिपोर्ट आनी शेष	: 1249
रविवार को सैम्पल	: 912
ऑक्सीन पर है	: 2
अब तक मौत	: 418
अब तक ठीक	: 46077

भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस चलाएगी अभियान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देश में निरंतर बढ़ रही महंगाई को लेकर अब कांग्रेसियों ने केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलना शुरू कर दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ता अब घर-घर जाकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीति के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम करेंगे।

इसी कड़ी में बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल के मोहना रोड स्थित कार्यालय पर एक कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से हरियाणा कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पूनम चौहान और कांग्रेस सेवादल महिला विंग की प्रदेशाध्यक्ष सुनीता शर्मा मौजूद रही। बैठक में पहुंचने पर कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं को बुक्के देकर उनका स्वागत किया। बैठक में कार्यकर्ताओं ने आगामी दिनों में रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों के अलावा भाजपा सरकार में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को लेकर विचार विमर्श किया गया और आगे की रूपरेखा बनाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए पूनम चौहान और सुनीता शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि देश व प्रदेश में जहां एक ओर बेरोजगारी व महंगाई की समस्या अपनी चरमसीमा पर पहुंच चुकी है वहीं रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं, पिछले कुछ महीनों में ही रसोई गैस सिलेंडर के दाम 225 रुपये तक बढ़ाए जा चुके हैं, जिससे आम गृहणी के रसोई का बजट पूरी तरह से बिगड़ चुका है।

बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन

फरीदाबाद। भाजपा शासन मे बढती मंहगाई, भ्रष्टाचार, बढती वेरोजगारी, चौपट कानून व साफ सफाई व्यवस्था तथा तीनों काले कृषि कानूनों के विरोध में आज युवा कांग्रेसी नेता गिरीश भारद्वाज के नेतृत्व में एक विशाल प्रदर्शन बल्लभगढ शहर के मुख्य बाजार में किया गया।

इस प्रदर्शन में हरियाणा प्रदेश के पूर्व मंत्री तथा प्रदेश के तेजतर्रार कांग्रेसी नेता करण सिंह दलाल, पूर्व विधायक उदयभान, ललित नागर, पूर्व पार्षद जगन डागर सहित सैकडों की संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। इससे पूर्व बल्लभगढ की अनाज मंडी स्थिति जिला ब्राह्मण धर्मशाला में कांग्रेस के सभी कांगेसी नेता व हजारों की संख्या में कार्यकर्ता गिरीश भारद्वाज के नेतृत्व में एकत्रित हुए तथा फिर जलूस के रुप में ब्राह्मण धर्मशाला से मुकेश कालोनी होते हुए मोहना रोड के गुप्ता होटल चौक से मुख्य बाजार में प्रवेश किया तथा महाराजा अग्रसैन चौक पर समाजवाद के प्रर्वतक महाराजा अग्रसैन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मुख्य बाजार होते हुए बाबा भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

'महिला वॉकथॉन' से महिला सशक्तीकरण का सन्देश दिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेक्टर-30-33 में आईपी कॉलोनी रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन और क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी अस्पताल ने मिलकर एक 'महिला वॉकथॉन एवं हेल्थ अवेयरनेस टॉक' कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस खास कार्यक्रम की शुरुआत 'महिला वॉकथॉन' से की गई जिसे मुख्य अतिथि के रूप में क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी अस्पताल की स्त्री रोग विभाग की निदेशक डॉ. निशा कपूर ने हरी झंडी दिखाई। इस वॉकथॉन में 200 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया जिन्होंने लगभग 2.5 किलोमीटर की दूरी तय की। महिलाओं के लिए योग सेशन भी रखा गया। इस मौके पर म्यूजिकल रेस, लेमन रेस, रैंप वाक और अंताक्षरी जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किये गए। इस अवसर पर क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी अस्पताल से स्त्री रोग विभाग की निदेशक डॉ. निशा कपूर, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा गोयल, आईपी कॉलोनी के रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट जे.पी. भारद्वाज, जनरल सेक्रेटरी दीपक गोयल, खजांची अनुज गर्ग सहित सोसाइटी के अन्य लोग उपस्थित रहे।

क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल से स्त्री रोग विभाग की निदेशक डॉ. निशा कपूर ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं में स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता लाना बहुत आवश्यक है। अगर महिला स्वयं स्वस्थ रहेगी तो वह अपने परिवार की भी अच्छे से देखभाल कर पायेगी। आज ज्यादातर समस्याएँ लाइफस्टाइल से जुडी होती हैं। अक्सर महिलाएं सोचती हैं कि पूरे परिवार के भोजन करने के बाद ही खाना खायेंगी।

श्रीराम जी को वन जाते हुए देख भावुक हुए श्रोता

फरीदाबाद। राजीव कालोनी हार्डवेयर चौक में चल रही श्री राम कथा सुनाते हुए महराज आचार्य सर्वेश पाण्डेय ने बताया नवागत बधू का स्वागत हुआ अयोध्या में आरती उतारी गई सभी माताएं सरयूकी पवित्र धारा में स्नान करने के लिए गई। शिव अभिषेक करते हुए प्रभु से वरदान मांग रहीं हैं-सबके ऊर अभिलाष अस कह हीं मनाई महेश। आप अक्षत युवराज पद रामहि देही नरेश। भगवान राम के राज्याभिषेक की तैयारी हो रही है।

मंथरा ने कैकई को भड़काया, कैकेई ने महाराज दशरथ से दो वरदान मांगे पहला भरत को राजगद्दी, दूसरा राम जी को 14 वर्ष का वनवास। जहां अयोध्या में खुशियों की लहर चल रही थी। वही राम जी को बन जाता हुआ देखकर श्रद्धालु भावुक हो गए। सब की आंखें नम हो गई। आचार्य सर्वेश पांडे ने बताया- छा गई है अवध में उदासी राम जी आज बन जा रहे हैं। रो रहे हैं अयोध्या के वासी राम सीता लखन जा रहे हैं।। कार्यक्रम में सीपी पांडे, सीएम त्रिपाठी, पप्पू त्रिपाठी, बिजेंद्र सिंह, दीपक पाठक, रामसूरत तिवारी, डीके सिंह, घनश्याम सिंह, जितेन्द्र गौतम, हरिगोबिंद आदि उपस्थित हुए ।

मंत्री ने महिलाओं को दिया हर डिपो में स्पेशल बस का तोहफा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

महिला दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने महिलाओं को तोहफा दिया। उन्होंने कहा कि 8 मार्च से प्रदेश के हर डिपो से महिलाओं के लिए स्पेशल बसें चलेंगी। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने यह घोषणा स्थानीय गोल्ब क्लब मे सिटी प्रेस क्लब द्वारा आयोजित प्रेस मिलन समारोह में की। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा है कि 8 मार्च को महिला दिवस के मौके पर महिलाओं के लिए स्पेशल बस सेवा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन में घुसपैठिए घुसे हुए हैं। सरकार किसी के ऊपर कानूनों को थोपना नहीं चाहती। प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा का पत्रकारों द्वारा भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा कि महिला दिवस के मौके पर स्पेशल बस सेवा महिलाओं के लिए शुरू की गई है और हम सबको जगत जननी महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने किसान आंदोलन पर बोलते

हुए कहा कि किसान आंदोलन में घुसपैठिए घुसे हुए हैं । जो किसानों के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी और मनोहर किसानों के लिए बहुत ही अच्छा काम कर रहे हैं और इन कानूनों से किसानों का भला होगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसी के ऊपर भी यह कानून थोप नहीं रही है। जिसको कानून अपनाना है वह अपनाए वरना पिछली व्यवस्था से भी अपना काम कर सकता है। किसी के ऊपर कोई जोर जबरदस्ती नहीं है। कैबिनेट मंत्री पण्डित मूलचंद शर्मा गोल्फ क्लब में फरीदाबाद सिटी प्रेस क्लब द्वारा आयोजित प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुँचे थे। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचन्द शर्मा का शहर के सीनियर पत्रकारों द्वारा जोरदार स्वागत किया। फरीदाबाद सिटी प्रेस क्लब द्वारा कार्यक्रम में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व सन्ध्या पर महिला पत्रकारों का भी कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा से स्वागत कर महिला पत्रकारों को सम्मानित करवाया गया। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने प्रेस क्लब को नीजी कोष से 21 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा भी की।

सडक़ निर्माण की मांग को लेकर कल निकालेगें थ्रीव्हीलर रैली

फरीदाबाद। शहीद बाबा दीप सिंह चौक (प्याली) से हार्डवेयर चौक तक सडक़ निर्माण हेतु अनशन कारी बाबा राम केवल तथा क्षेत्रवासियों द्वारा चलाए जा रहे धरना रविवार को तीसरे दिन में प्रवेश कर गया। धरने को समर्थन देने तमाम समाजिक संगठन पहुंचे।

जिसमें एक बैठक कर निर्णय लिया गया कि सोमवार 8 मार्च को थ्री व्हीलर रैली निकाली जाएगी। यह रैली सुबह 11 बजे शुरू होकर शहीद बाबा दीप सिंह चौक(प्याली) से हार्डवेयर चौक निकाली जाएगी। इसके बाद आगामी रविवार 14 मार्च 2021 को क्षेत्रवासियों द्वारा शहीद बाबा दीप सिंह चौक पर भारी संख्या में एकत्र होने का और प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। इसी रोड पर दुर्घटना में मृतक सचिन शर्मा के परिजन भी समर्थन देने पहुंचेंगे। बाबा राम केवल ने कहा हमने नेताओं की कार्यप्रणाली को बड़े नजदीक से देखा है जिन प्रोजेक्टों पर अति शीघ्र कार्य करना होता है उनको बिना टेंडर बिना अनुमति के भी देशकाल परिस्थितियों को देखकर शुरू कर दिया जाता है।

एशियन कॉरपोरेट क्रिकेट लीग का फाइनल मैच एडिटर 11 ने जीता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एशियन कॉरपोरेट क्रिकेट लीग का फाइनल मैच लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में सर्वोदय हॉस्पिटल और एडिटर 11 की टीम के बीच खेला गया। सर्वोदय हॉस्पिटल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

एडिटर 11 के सामने अपने सभी विकेट गवाकर 94 रन का लक्ष्य रखा। सर्वोदय हॉस्पिटल के बल्लेबाज रामेश्वर राजपूत ने 23 रन और आशीष तोमर ने 20 रन बनाए। देवेंदर ने 15 रन बनाए और विशाल राजपूत ने 7 रन बनाए। एडिटर 11 के एस राणा और अंकित भार्गव ने 3-3 विकेट लिए। राजिंद्र बिष्ट ने 1 विकेट लिया। जवाब में एडिटर 11 की टीम ने अपना कोई भी विकेट गवाए आसानी से 94 रन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। एडिटर 11 के राजिंद्र बिष्ट ने 29 रन, अलोक ने 61 रन, बनाए। वहीं सर्वोदय अस्पताल के आशीष तोमर ने 2 ओवर में 15 रन दिए। महेश ने 2 ओवर में 28 रन दिए। देवेंद्र ने 1 ओवर में 18 रन दिए। प्रदीप और रामेश्वर ने भी 1-1 ओवर में 11 रन दिए। मैच के समापन पर मुख्यातिथि के रूप में भारतीय क्रिकेट टीम पूर्व क्रिकेटर विजय यादव और अन्य गणमान्य लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे। मैन ऑफ़ दा मैच के एस राणा और बेस्ट बैट्समैन का खिताब रामेश्वर राजपूत और बेस्ट बॉलर का खिताब महेश को दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

एमएसएमई सेक्टर का विकास और रोजगार बढ़ाने का लक्ष्य

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार का लक्ष्य एमएसएमई सेक्टर का विकास और रोजगार में बढ़ौतरी है और इस संबंध में विभिन्न योजनाओं द्वारा उद्योगहित में कार्य किया जा रहा है। एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक अनुराग अग्रवाल ने यहां पीएचडी चैम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन फरीदाबाद के साथ आयोजित एमएसएमई कन्क्लेव में उक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने अपने उद्देश्य के अनुरूप औद्योगिक नीति-2020 तैयार की है ताकि विकास को और तीव्र गति प्रदान की जा सके। अग्रवाल ने बताया कि फरीदाबाद में सडक़ों की दशा में सुधार के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर व कनैक्टिविटी के संबंध में नीति तैयार की गई है। इससे पूर्व अनुराग अग्रवाल व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान जेपी मल्होत्रा ने इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिये प्रभावी पग उठाने का आग्रह किया। मल्होत्रा ने अग्रवाल से आग्रह किया कि वे कोर्ट केसिज तथा विभिन्न कारणों से लंबित प्रोजैक्टों को पूरा करने के लिये कदम उठाएं। आपने डीएलएफ तथा एनआईटी क्षेत्र में कॉमन इफलुएन्ट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने, नॉन कन्फर्मिंग एरिया में उद्योगों को नियमित करने, 70 प्रतिशत से अधिक उद्योग होने की स्थिति में औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने का आग्रह करते हुए जानकारी दी कि एक सर्वे के अनुसार 212029 उद्योगों में से 15246 यनिट नॉन कन्फर्मिंग क्षेत्र में कार्यरत हैं।

पहली बार डॉग लवर्ज की मीटिंग

फरीदाबाद। टाउन पार्क में रविवार शाम को फ़रीदाबाद में पहली बार डॉग लवर्ज ने मीटिंग का आयोजन किया। कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया। कई सॉसायटीज़ में स्ट्रीट व घरेलू डॉग्स के कारण रेज़िडेन्स में आपस मे बढ़ते हुए विवादों को देखते हुए यह फैसला किया गया कि समाज में इस तरह की घटनाएं ना हों व सामाजिक सौहार्द्र बना रहे। इसके लिए कारगर कदम उठाए जाएं। इस मुद्दे के साथ-साथ डॉग्स के टीकाकरण व समितियों के गठन के साथ साथ कई मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ। जिनको आने वाले दिनों में कार्यरूप दिया जाएगा व फ़रीदाबाद के और लोगों को भी इस मुहिम से जोड़ा जाएगा। अगली मीटिंग इसी माह की अंत में आईपी कॉलोनी क्षेत्र में होना तय किया गया। इस मीटिंग में उमा, कणिका, डाली भारद्वाज, शीना जुतशि, अनीता सभरवाल उनकी साथी, अभय, विंग कमांडर सतिंदर दुग्गल (रिटायर्ड) अधिवक्ता व अन्य शामिल हुए ।

विधायक ने सुनी समस्याएं

फरीदाबाद। आरडब्ल्यूए सेक्टर-7 डी (पश्चिम) के सभी निवासियों ने बड़े उत्साह के साथ विधायक, फरीदाबाद, नरेंद्र गुप्ता के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया। विधायक ने अपने स्वागत समारोह में बडी संख्या में एकत्रित आरडब्ल्यूए सदस्यों को सम्बोधित करते हुए- उनके द्वारा-योगशाला बनाने एवं पार्कों की कायाकल्प करने, रैनी वैल से ड्रिंकिंग वॉटर सप्लाई को दुरुस्त करने, सीवर लाइन को बदलने, विद्युत ट्रांसफार्मर के स्थान को बदलने आदि मांगों को सहर्ष स्वीकार करने की घोषणा की। स्वगात समारोह को आरडब्ल्यूए प्रधान डीसी चौधरी, पूर्व प्रधान बलबीर चौधरी, रणबीर चौधरी, केसी अग्रवाल, एन के गर्ग ने सम्बोधित किया। एचएन शर्मा, केडी मलिक, राजेश शर्मा, उत्पल चौधरी, शुभम गुप्ता, रमेश धमीजा, चंद्र किशोर मंगला, गोल्डी, अजीत नम्बरदार आदि अनेकों गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस अवसर पर शिरकत की।

ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में महिला दिवस पर हुआ शानदार कार्यक्रम

फरीदाबाद। महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करने के लिए सेक्टर 79 स्थित ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में महिला दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में महिलाओं पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम किए गए। जिसमें शहर की महिलाओं ने हिस्सा लेकर सफल बनाया। इस दौरान ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में काफी संख्या में लोग उमड़े। कार्यक्रम में तमाम गतिविधियों का आयोजन हुआ। तंबोला सहित महिलाओं के बीच कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके बाद बैंड, डांस ट्राप और नुक्कड़ टीम ने समाज में महिलाओं के उत्थान व जागरूक करने का संदेश भी दिया। इस संदेश से उपस्थित लोगों ने खूब सराहना की। वहीं एंकर श्वेता कपूर ने सभी गतिविधियों को संचालित किया. कार्यक्रम के अंत में गतिविधियों में शामिल महिलाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा ड्रैगन फ्लाई इफेक्ट बैंड, अस्मिता थिएटर के साथ फिर्स सोल, ब्रेव हार्ट, और स्ट्रांग माइंड' के संदेश के साथ एक सेल्फी बूथ स्थापित किया गया। कई महिलाएं फोटो और वीडियो क्लिक करते हुए दिख रही थीं। हरेक साल की तरह इस साल भी ओमेक्स ग्रुप ने महिला दिवस पर सशक्त महिला, सशक्त समाज की धारणा लेकर ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में कार्यक्रम आयोजित किया। समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, और जिस तरह से महिलाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लेकर अपनी शानदार प्रस्तुति दी। इससे समाज में महिलाओं के उत्थान और जागरूकता का संदेश जाएगा।

पार्षद ने पूर्व मंत्री विपुल गोयल से की मुलाकात

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष और नगर निगम के वार्ड नंबर 28 के पार्षद नरेश नंबरदार ने अपने मोर्चा के सभी सदस्य और पदाधिकारियों के साथ पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल से उनके निवास स्थान पर शिष्टाचार भेंट की और मार्गदर्शन लिया। इस अवसर पर गोयल ने सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए पार्षद नरेश नंबरदार को अनुसूचित मोर्चा का ज़िला अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है और ना ही कोई परिवारवाद कि राजनीती है, पार्टी सभी को मौका देती है। इसलिए खुदको छोटा बड़ा ना समझते हुए पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी का सबसे पहला कर्तव्य यही है कि जो भी योजना सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं उनका आम जनता तक लाभ पहुंचना, यही पार्टी के सच्चे सिपाही होने का कर्तव्य है। गोयल ने कहा कि आप सभी पार्टी के मजबूत स्तंभ है, इसलिए फरीदाबाद जिले के चुने हुए प्रतिनिधियों से लगातार संपर्क करते रह कर सभी आमजन की समस्याओं से प्रतिनिधियो को रूबरू करवा कर उनका समाधान करवाना भी सभी कार्यकर्ताओं की प्राथमिकता होनी चाहिए।

पत्थरों की दीवारों को औरत ही बनाती है घर...

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष प्रस्तुति

समाज में महिलाओं को कामयाब बनाने वाली महिलाओं को सेल्यूट

निजी और सरकारी क्षेत्र में मजबूती के साथ काम कर रही हैं महिलाएं

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

चांदनी बेदी।

कविता सरकार।

ज्योति वर्मा।

दीप्ति ढींढसा।

हर दुख-दर्द को सहकर वो मुस्कुराती है-पत्थरों की दीवारों को औरत ही घर बनाती है। नारियों को समर्पित कविता की इन लाइनों के मायने बहुत गहरे हैं। बात हम चाहे पुराने समय की करें या फिर आज 21वीं सदी की। महिलाओं ने हर दौर में दीवारों को घर बनाया है। उसे स्वर्ग जैसा बनाया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2021 के मौके पर आज सोमवार को हम कुछ ऐसी औरतों से आपको रूबरू करा रहे हैं, जिन्होंने जीवन में खुद के लिए नहीं, बल्कि चूल्हा-चौके में अपने जीवन को गुजार रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की ठानी और कामयाबी हासिल की।

चांदनी बेदी ने किया ग्रामीण महिलाओं का जीवन रोशन

देश की पहली महिला आईपीएस किरण बेदी की संस्था नवज्योति फाउंडेशन से जुड़कर महिला उत्थान में लगी हैं चांदनी बेदी। चांदनी बेदी इस संस्था के उन्नति प्रोजेक्ट में प्लानिंग से लेकर उसे जमीनी स्तर पर मजबूती के साथ उतारने में मुख्य सूत्रधार होती हैं। संस्था में बतौर निदेशक 18 साल से काम कर रही चांदनी बेदी के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं ने अब तक जो हासिल किया है, वह अपने आप में एक माइल स्टोन है। गुरुग्राम के खंड सोहना के 65 गांवों में चांदनी बेदी के प्रयासों से संस्था ने पैर फैलाए और महिला उत्थान में काम शुरू किया। क्षेत्र के 32 गांवों की 1500 महिलाओं को तो सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के काबिल बना दिया गया है। इसके अलावा सैंकड़ों महिलाओं को उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। यह बड़े सम्मान की बात है कि आज गांव की इन महिलाओं के उत्पादों को स्पेन जैसे देश में निर्यात किया जाता है।

चांदनी बेदी बताती हैं कि कोरोना महामारी के बीच जब लोगों के काम-धंधे बंद हो गए, नौकरियां चली गई, जब ये महिलाएं ही घर की तारनहार बनी। यानी इनकी मेहनत से घरों में कमाई आई। दमदमा गांव में तो विजय रानी महिला की सास ने कोरोना काल में बड़े सम्मान के साथ अपनी बहु को घर चलाने का श्रेय दिया। चांदनी कहती हैं कि संस्था का यही प्रयास है कि महिलाएं चूल्हे-चौके से बाहर निकलें और खुद की पहचान बनाएं। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अब महिलाएं अच्छी खासी कमाई करके घर चला रही हैं। डिजिटल के दौर में अब ऑनलाइन प्लेटफार्म भी तैयार कर दिया गया है, जिसके माध्यम से इन महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद ऑनलाइन ऑर्डर मिलने पर भेजे जा रहे हैं। चांदनी बेदी कहती हैं कि रोजगार के लायक बनाने के साथ महिलाओं को घरेलू हिंसा से निपटने को कानूनी जानकारियां भी दी गई।

एनसीआर में 20 साल से सेवा को समर्पित कविता सरकार

कविता सरकार, कविता सिर्फ नाम से सरकार नहीं है, बल्कि उनके काम भी प्रभावशाली हैं। निजी क्षेत्र हो या सरकारी, वे जहां भी जाती हैं अपनी अलग पहचान बना लेती हैं। वर्षों तक उन्होंने शहर में महावीर इंटरनेशनल संस्था के साथ जुड़कर समाजसेवा में मन से काम किया। अब वह जिला रेडक्रॉस सोसायटी के साथ जुड़कर समाजसेवा के साथ महिलाओं के जीवन में भी बदलाव लाने में जुटी हैं। उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें यहां सरकारी कामकाजी महिला आवास की वार्डन का दायित्व सौंपा गया है।

कविता सरकार ने इससे पहले 1999 से 2003 तक 4 साल दिल्ली के लाजपत नगर स्थित एक अनाथालय में बतौर वार्डन सेवाएं दी। इसके बाद 2003 से 2011 तक रिषभ कम्युनिकेशन में सेवाएं दी। इसके बाद लगातार 2019 तक जानी-मानी संस्था महावीर इंटरनेशनल के साथ वे वर्षों तक जुड़ी रही। शहर में लगाए जाने वाले स्वास्थ्य शिविरों में उन्होंने एक-एक व्यक्ति को परिवार का सदस्य मानते हुए उनकी जांच हो दवाएं, सब में आगे आकर काम किया। वंचित बच्चों की शिक्षा के लिए संस्था द्वारा संचालित स्कूल में भी कविता सरकार की भूमिका रही। महावीर इंटरनेशनल की ओर से उन्हें विशेष रूप से सम्मान दिया गया। वर्ष 2019 से उन्होंने अपनी सेवाएं जिला रेडक्रॉस सोसायटी गुरुग्राम में सामाजिक कार्यकर्ता, परामर्शदाता के रूप में शुरू की।

मार्च 2020 के अंत में जब कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन लगा तो उनकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई। अलसुबह रेडक्रॉस में पहुंचना, लेकिन वापस घर कब तक जाना है, यह उन्हें नहीं पता होता था। रात के 10-11 बजे तक उन्होंने लॉकडाउन में काम करते हुए अपना फर्ज समझकर कार्य किया। इसके बाद जैसे ही अनलॉक हुआ तो कविता को और भी जिम्मेदारियां दी गई। पूर्व में टारगेट इंटरवेंशनल प्रोजेक्ट के तहत एचआईवी/एड्स के लिए जागरुक करना उनके कार्यों की सूची में था। कविता सरकार की कार्यकुशलता को देखते हुए ही रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा उन्हें कामकाजी महिला आवास का दायित्व बतौर वार्डन दिया गया।

10 हजार महिलाओं के जीवन में उजियारा करना है ज्योति वर्मा का संकल्प

नाम है ज्योति वर्मा, अपने नाम के मुताबिक ज्योति दूसरी महिलाओं के जीवन में उजियारा लाने का काम कर रही है। उम्र भले ही कम हो, लेकिन सोच किसी उम्रदराज से कहीं अधिक सकारात्मक रखते हुए समाज में महिलाओं के जीवन को बदलने का बीड़ा ज्योति ने उठाया है।

ज्योति वर्मा ने जीवन में 10 हजार महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रण लिया है। ज्योति ने इस काम के लिए फ्लोरा फ्लाई नामक संस्था बनाई है। इस संस्था के बैनर तले वे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में जुटी हैं। उन्हें विशेष प्रशिक्षण दे रही हैं। सभी महिलाओं के लिए ज्योति वर्मा प्रेरणा स्रोत्र हैं। ज्योति वर्मा के मुताबिक महिलाएं आत्मनिर्भर हों। यह उनका प्रयास है। वे अपनी संस्था के माध्यम से महिलाओं को शिक्षित करने के साथ उन्हें रोजगार के काम की दिशा कम्पयूटर, सिलाई, कढ़ाई, अंग्रेजी बोलना सेमत कई प्रशिक्षण देती हैं। उन्होंने शहर के भीमगढ़ खेड़ी व सूरत नगर में इस प्रोजेक्ट की शुरुआत कर रखी है।

ज्योति वर्मा कहती हैं कि आज भी समाज में महिलाओं की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। उन्होंने बहुत ही नजदीक से महिलाओं की दयनीय हालत देखी है। महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए उन्होंने फ्लोरा फ्लाई के माध्यम से इस काम की शुरुआत की है। वे चाहती हैं कि महिलाएं परिवार में सिर्फ चूल्हे तक सीमित ना रहे, बल्कि परिवार को आर्थिक मजबूती देने को खुद भी कमाई करें। वे महिलाओं को यही सीख देती है कि परिवार को जोड़े रखना उनका कर्तव्य है। परिवार में कोई भी खराब स्थिति होने पर घबराएं नहीं, बल्कि उस स्थिति से निपटने को धैर्य दिखाएं।

गांव-गांव जाकर महिला सशक्तिकरण के दीप जला रही दीप्ति ढींढसा

आम तौर पर यह धारणा बनी होती है कि सरकार दफ्तरों में अधिकारी, कर्मचारी काम को गंभीरता से नहीं लेते। लेकिन दीप्ति ढींढसा ने इस धारणा को पूरी तरह से बदल रखा है। वे सरकारी काम को, महिलाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने को गांव-गांव जाकर महिलाओं से सांझा करती हैं। वे महिला सशक्तिकरण का दीप जलाती हैं। यहां अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) कार्यालय में वर्ष 2014 से बतौर प्रोजेक्ट मैनेजर काम करने वाली दीप्ति ढींढसा का मानना है कि किसी दूसरे की सहायता करने के लिए जरूरी नहीं है कि हम सब साधन संपन्न हों। हम अपने प्रयासों से भी बहुत कुछ कर सकते हैं। सरकार की योजनाओं को वे अपने प्रयासों से ही महिलाओं की दहलीज तक लेकर जाती हैं और उनके सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर उन्हें उनकी रुचि के हिसाब से काम का प्रशिक्षण दिलाती हैं।

दीप्ति ग्रामीण आजिविका मिशन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में जुटी हैं। उनका कहना है कि गुरुग्राम जिले में 13773 परिवारों की महिलाओं के 1236 सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर उनके उत्थान में काम जारी है। इनके द्वारा बनाए गए उत्पादों में बेकरी उत्पाद, मसाले, रोस्टिड बाजरा, नमकीन, जूट के बैग समेत अनेकों उत्पाद बड़े-बड़े होटलों संस्थानों में सप्लाई होते हैं। कोरोना काल में तो यहां से 5 लाख मास्क और भारी मात्रा में सेनिटाइजर भी इन महिलाओं ने बनाया।

क्योंकि उस समय सब कुछ बंद था और मांग काफी थी। यह दौर हमारे लिए मुसीबतों के साथ मौके भी लेकर आया। दीप्ति कहती हैं कि वे अपनी टीम के साथ गांवों के दौरे पर निकलती हैं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ती।

इस बुआ ने किडनी दानकर दी भतीजे को जिंदगी

एन रोहिल्ला। सोहना

राजवती।

सोहना के गांव खेड़ला निवासी 52 वर्षीय महिला ने अपने 28 वर्षीय इंजीनियर भतीजे को किडनी देते हुए जीवनदान था। पीड़ित इंजीनियर चार बहनों का इकलौता भाई है। 21 जुलाई को फरीदाबाद के मेट्रो अस्पताल में किडनी प्लांटेशन हुआ था। ऑपरेशन के 6 माह बीत गए है। बुआ घरेलू महिला होते हुए अपने परिवार में तथा भतीजे ने अपना इंजीनियरिंग से जुड़ा रोजगार को फिर से पटरी दिनचर्या शुरू कर दी है। खेड़ला निवासी 52 वर्षीय राजवती पत्नी रोहताश सिंह को जैसे ही 8 जनवरी को मालूम हुआ कि उसके भाई का लड़का 28 वर्षीय हंसपाल की किडनियों से काम करना बंद कर दिया है। यह समाचार सुनते ही सभी के पैरों के नीचे की जमीन हिल गई थी। 28 वर्षीय हंसपाल जिला फरीदाबाद का गांव अटेरना का रहने वाला है। जो चार बहनों के बीच में इकलौता भाई है। वह चारों बहनों में सबसे बड़ा है। जिसने मैकेनिकल से इंजीनियर करने के बाद परिवार के पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी अपने ऊपर लेते हुए पिता जीतसिंह का हौसला बढ़ाया। लेकिन जैसे ही हंसपाल जीवन खतरे में पड़ा। वैसे ही उसके जीवन को सुरक्षित करने के लिए उपचार कराना शुरू कर दिया था। हंसपाल को हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हिमाचल तक ले जाकर दवाइयां दिलाने का काम किया लेकिन हंसपाल को इसका स्वास्थ्य लाभ नहीं मिला। हंसपाल के पिता पहले से ही बीमार रहते है। परिवार में अन्य कोई ऐसा सदस्य नहीं जो उसके जीवन का बचा सके। ऐसे में हंसपाल की 52 वर्षीय भुआ राजवती ने अपनी एक किडनी हंसपाल को देना तय किया। किडनी प्लांटेशन के लिए टेस्ट कराने अपना हौसला बढाते हुए डाक्टरी कार्रवाई में आगे आ गई थी। करीब दो माह में हुए 60 से 70 टेस्टों में भुआ राजवती व भतीजा हंसपाल के सभी टेस्ट मिलते हुए चले गए। टेस्टों की सफलता ने यह साबित भी कर दिया कि खून का रिश्ता अटूट होता है। जो जीते जी कभी भी समाप्त नहीं होता। 21 जुलाई 2020 को फरीदाबाद स्थित निजी अस्पताल में राजवती ने अपनी एक किड़नी दान करते हुए भतीजे हंसपाल को नया जीवन दान दिया था।

10 गांवों को गुरुग्राम खंड में मिला देने से ग्रामीण खफा, दिया ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के खंड फर्रूखनगर के गांवों को गुरुग्राम में मिलाए जाने की सूचना के विरोध में पटौदी के एसडीएम को ज्ञापन देते ग्रामीण।

फर्रूखनगर खंड के 10 गांवों को गुरुग्राम ब्लॉक में मिलाये जाने की भनक लगते ही ग्रामीणों में सरकार के खिलाफ भारी रोष है। रोष स्वरूप गुरुवार को ग्रामीणों ने अनाज मंडी में सुल्तानपुर के नम्बरदार सुशील चौहान की अध्यक्षता में पंचायत करके एसडीएम पटौदी प्रदीप कुमार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, विधायक राकेश दौलताबाद के नाम ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी सुनवाई नहीं हुई तो वह लोकसभा, विधानसभा, जिला परिषद, पंचायत समिति, सरपंच, पंच के चुनाव का भी बहिष्कार करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक महा पंचायत बुलाकर आगामी कार्रवाई पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

बीजेपी मंडल अध्यक्ष दौलतराम गुर्जर, नम्बरदार सुशील चौहान, सुंदर प्रधान धानावास, सोनू सैनी सुल्तानपुर, राकेश सरपंच सुल्तानपुर, सरपंच प्रीतम यादव कालियावास, विकास सरपंच, बिट्टू सरपंच, राकेश प्रधान मोहम्मदपुर, रणबीर सरपंच इकबालपुर, सुनील प्रधान मोहम्मदपुर, वेदप्रकाश नम्बरदार, पूर्व सरपंच बिरेंद्र यादव खैंटावास, बबीता, राव महेंद्र सिंह डाबोदा प्रधान, प्रदीप पूर्व सरपंच, पूर्व सरपंच ईश्वर सिंह, रमेश पंच, सुरेंद्र पंच, जयवीर पंच, पवन कुमार आदि ने बताया कि फर्रूखनगर ब्लॉक के गांव सुल्तानपुर, खेडा झांझरोला, इकबालपुर, कालियावास, बुढेड़ा, खेंटावास, पातली, हाजीपुर, धानावास, सैदपुर मोहम्मदपुर आदि गांवों का ब्लॉक बदल कर गुरुग्राम ब्लॉक मिलाया जा रहा है। अगर ऐसा कोई निर्णय लिया जाता है तो ग्रामीणों को गुरुग्राम, पटौदी, फर्रूखनगर के दफ्तरों ही चक्कर काटने पढेंगे। पंचायत सम्बंधित कार्यों, चरित्र प्रमाण पत्र आदि के लिए गुरुग्राम ब्लॉक, रजिस्ट्रियों, इंतकाल, डोमोसाइल, जाति प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस आदि के लिए फर्रूखनगर तहसील, थाना सम्बंधित शिकायतों के लिए फर्रूखनगर तथा उप मंडल स्तरीय कार्यों के लिए उन्हें पटौदी के चक्कर लगाने पड़ेंगे। अगर ग्रामीणों की करण पुकार पर कोई सुनवाई नहीं की गई तो वह धरना-प्रदर्शन व महापंचायत करने के लिए मजबूर हो सकते है। साथ ही सभी चुनावी प्रक्रिया का बहिष्कार भी करेंगे।

महिला से दुष्कर्म के आरोप में एक नामजद समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

पलवल। खेतों में गन्ना लेने गई 30 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म करने व विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर एक नामजद व दो अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी मुन्नी के अनुसार पीड़िता महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि बीती दो मार्च की शाम चार बजे वह घर से खेतों में गन्ना लेने के लिए गई थी।

पीड़ित गन्ना तोड़ने के लिए जैसे ही खेत के अंदर गई तो पीछे से आए तीन युवकों ने उसे पकड़ लिया। पीड़िता ने शोर मचाया तो दो युवकों ने मुंह बंद कर दिया और एक युवक ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने वाले युवक को पीड़िता ने पहचान लिया है। जिसका नाम उमेश उर्फ कोटा निवासी गांव चंड़ीगढ़ का नगला (हसनपुर) है। पीड़िता द्वारा विरोध करने पर आरोपी तीनों युवक जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घर आकर पीड़िता ने आपबीती अपने पति व बहन को बताई।

फर्जी ज्वाइनिंग लैटर भेजकर छात्र से ठगे हजारों रुपये

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

बीए की पढ़ाई कर रहे छात्र को ड्यूटी ज्वाइनिंग का फर्जी लैटर भेज कर हजारों रुपये ठग लिए। कैंप थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इकोनोमिक सैल इंचार्ज सत्यनारायण के अनुसार गांव चिरावटा निवासी योगेश शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह बीए की पढ़ाई कर रहा है। पीड़ित ने नौकरी की तलाश में वर्ष 2019 में पलवल जिला एवं सत्र न्यायलय चपरासी के पद पर आवेदन किया था। ऑनलाइन रोल नंबर चेक करने के बाद सत्र न्यायलय में इन्टरव्यू भी दिया था लेकिन सिलेक्शन नहीं हुआ था।

इन्टरव्यू के कई महीने बाद 16 फरवरी वर्ष 2020 को डाक द्वारा ज्वाइनिंग लैटर प्राप्त हुआ। जिस पर सरकारी चिन्ह अंकित थे और मोहर के साथ-साथ एक संपर्क सूत्र मोबाइल नंबर भी लिखा हुआ था। पीड़ित ने जब उस मोबइल नंबर संपर्क किया तो बताया गया कि आपको ज्वाइनिंग लैटर भेजा गया है। आप एक खाते में 25 हजार रुपये जमा करा दो आपका काम हो जाएगा। पीड़ित ने जब लैटर का कापी जिला एवं सत्र न्यायलय में जमा कराई तो पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट और कार क्षतिग्रस्त करने के आरोप में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

पलवल। कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत कार सवार युवकों के साथ मारपीट कर कार को क्षतिग्रस्त करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी संदीप कुमार के अनुसार गांव धतीर निवासी गौरव शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह बल्लभगढ़ स्थित उपमंडल अधिकारी कार्यालय में नौकरी करता है। पीड़ित गत 4 मार्च को अपने साथी राजू निवासी गांव जलालपुर के साथ सिफ्ट कार में सवार होकर अपने घर आ रहा था।

संक्षिप्त समाचार

नर्सिंग होम के हेल्पर की बिजली का करंट लगने से हुई मौत

पलवल। जिंदल नर्सिंग होम मे हैल्परी का काम करने वाले 25 वर्षीय युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। शहर थाना पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर नर्सिंग होम के नामजद डाक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सुबे सिंह के अनुसार गांव बिछपुरी निवासी रविंद्र ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसका भाई मनीष जिंदल नर्सिंग होम में डाक्टर की हैल्परी का काम करता था। पांच मार्च की शाम छह बजे मनीष घर से नर्सिंग होम में अपनी ड्यूटी पर आया था। उसी रात 9 बजकर 25 मिनट पर पीड़ित को नर्सिंग होम से सूचना प्राप्त हुई कि आपके भाई मनीष को बिजली का करंट लग गया है। पीड़ित सूचना मिलते ही जिंदल नर्सिंग होम पहुंचा तो पता चला कि मनीष को गुरुनानक अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया है। पीड़ित गुरुनानक अस्पताल पहुंचा तो वहां जिंदल नर्सिंग होम का डाक्टर प्रदीप मिला। पीड़ित ने जब पता किया तो पता चला कि डाक्टर प्रदीप ने मनीष से बिजली की तार ठीक करने को कहा था। डाक्टर प्रदीप की लापरवाही के कारण मनीष की बिजली का करंट लगने से मौत हुई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

फर्रूखनगर तहसील परिसर में सर्वर बना शो पीस

फर्रूखनगर। स्थानीय तहसील में आए दिन सर्वर डाऊन होने की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। लोग अपने काम के लिए पूरे दिन बैठकर यहां चले जाते हैं। उनका समय और धन अधिक बर्बाद हो रहा है। ऊपर से फसल कटाई का समय चल रहा है। ऐसे में लोग सरकार के ऑनलाईन सिस्टम को कोसने के अलावा कुछ नहीं कर पा रहे है। कई बार लोगों को कम्प्यूटर खराब होने और सर्वर डाऊन की झूठी बात कहकर लोगों को गुमराह भी किया जाता है। सुविधा शुल्क मिल जाने पर तुरन्त ठीक हो जाते हैं। मनोज यादव एडवोकेट डाबोदा, रोहताश नम्बरदार, राजू जुडौला, प्रदीप,संदीप, सोनू आदि का कहना है कि ट्रांसफर डीड के अलावा अन्य तरह के पंजीकरण के कार्य भी बार बार चक्कर लगाने के बाद हो पा रहे हैं। जनता द्वारा चुने हुए नुमाइन्दों से इस समस्या बारे लोगों ने कई बार कहा और उन्होनें आश्वासन भी दिया कि सर्वर डाऊन की समस्या का जल्दी समाधान करा दिया जाएगा, किन्तु यह समस्या और भी गम्भीर होती जा रही है। तहसीलदार सुशील कौशिक का कहना है कि यह समस्या पूरे जिले में है। उच्चाधिकारियों के भी संज्ञान में कई बार लाया गया है, किन्तु हल नहीं निकला।

विवाहिता ने पति के खिलाफ कराया मामला दर्ज

सोहना। भोंडसी निवासी विवाहिता ने पति के खिलाफस्थानीय पुलिस थाना में मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने पति पर गर्दन दबाकर जान से मारने का प्रयास व मारपीट करने का आरोप लगाया है। विवाहिता अनुराग पत्नी सुशील कुमार ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की रात दस बजे उसका पति शराब पीकर आया था। जो पहले तो उसे गोलियां देने लगा। उसके बाद उसके साथ मारपीट करने लगा। पीटते-पीटते हुए जमीन पर गिरा दिया। जमीन पर गिराने के बाद उसकी गर्दन को दबाने लगा। जो उसे जान से मारने का प्रयास करने लगा। लेकिन वह जैसे ही अपनी जान बचाकर भागने लगी। उसके बचाव में उसकी बेटी प्रीया व देवर अशोक आ गए। जिन्होने उसके पति सुशील से बचा लिया। आखिर सुशील जोर-जोर से चिल्लाते हुए उसे किसी दिन जान से मार देने की धमकियां दे रहा था। पीडिता ने बताय गर्दन दबाने से उसकी हालत गंभीर हो गई थी। जो परिजनों ने गुरुग्राम के सेक्टर-10 में स्थित नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल कराया। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद उसने रविवार को अपनी ब्यान पुलिस को दर्ज करा दिए। जांच अधिकारी एसआई जयप्रकाश ने आरोपी पति के खिलाफविभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। लेकिन आरोपी पति अभी घर से फरार होने के कारण गिरफ्तार नहीं हो सका है।

छेड़छाड़ कर कपड़े फाड़ने के आरोप में नामजद पर मुकदमा दर्ज

पलवल। घर के बाहर गेट के पास खड़ी बालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ कर कपड़े फाड़ने का मामला प्रकाश में आया है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सविता के अनुसार 18 वर्षीय पीड़िता लड़की ने शिकायत दर्ज कराई है कि 24 फरवरी को वह घर के बाहर गेट के पास खड़ी हुई थी। उसी दौरान गांव थंथरी निवासी किशनपाल आया और जबरन खींचकर अपने घर की तरफ ले जाने लगा। पीड़िता ने विरोध किया तो किशनपाल ने उसके (पीड़िता) कपड़े फाड़ दिए। परिजनों की मदद से पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी।

नंबरदार पर रंजिश में जानलेवा किया हमला

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गांव दमदमा में पुरानी रंजीश के चलते यहां के निवासी नंबरदार को बीच रास्ते में रोककर लोहे की रॉढ और देशी कट्टा के बट से हमला करके गंभीर रुप से घायल कर दिया। हमलावर नंबरदार को मृत समझ रास्ते में छोड़ अपने घरों को चले गए। पीड़ित को परिजनों ने पहले सोहना तथा बाद में दिल्ली के सफ्दरजंग अस्तपाल में दाखिल कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

दमदमा निवासी ओमबती ने सोहना सदर थाना में एक नामजद समेत तीन आरोपियों के खिलाफ पति पर जान लेवा हमला करने का मामला दर्ज कराया है। ओमबती ने पुलिस को बताया कि गांव का निवासी सुरजन के परिवार से उनके परिजनों से करीब 20 साल पुरानी रंजिश चल रही है। इसी रंजिश को रखते हुए शनिवार को उसके पति किरोड़मल को सुरजन व दो अन्य ने मिलकर योजना बनाकर गांव के बीच चौक में पहले रोक लिया। उसके बाद किरोड़ीमल पर देशी कट्टा की बट तथा लोहे की रॉढ़ से हमला करते हुए लहूलुहान कर दिया। आरोपियों ने सिर और माथे पर बट तथा रॉढ से कई वार किए। जिससे सिर में काफी चोटें आई। किरोड़मल को पहले सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। उसके बाद गुरुग्राम था गुरुग्राम से दिल्ली के सफ्दरजंग अस्पताल में रेफर करने पर दाखिल कराया गया। जहां पर किरोड़ीमल की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़िता की पत्नी ने बताया कि हमले के दौरान किरोड़ीमल के पास से आरोपी 4250 रुपये लूटकर ले गए। जो उसे मारपीट के दौरान जाति सूचक शब्दों गालियां दे रहे थे।

पुलिस ने किया मामला दर्ज

सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश कुमार ने बताया कि पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर एक नामजद समेत तीन के खिलाफमामला दर्ज किया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

हाजीपुर गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं देने को खुलेगा पीएचसी

गुरुग्राम। फर्रूखनगर खंड के गांव-गांव हाजीपुर में ही अब ग्रामीणों को सरकारी तौर पर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवायें मिलेंगी। हरियाणा सरकार ने राज्यपाल की स्वीकृति के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को मंजूरी दी है।

सरपंच धर्मपाल समेत ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल, विधायक राकेश दौलताबाद का आभा जताया है। प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधिकारी, महिला चिकित्सा अधिकारी, दंत सर्जन, फार्मेसिस्ट, दो स्टाफ नर्स, एमपीएसडब्ल्यू पुरुष, एमपीएसडब्ल्यू महिला, आउट सोर्सिंग के 3 पदों सहित 12 पदों को स्वीकृत किया गया है। ग्रामीण पंडित पातली, चौधरी बलराज सिंह, ईश्वर पहलवान, खेमराम लम्बरदार, आजाद सिंह, मूलचंद, धर्मचंद, मास्टर दयाराम शर्मा, बुधराम यादव, तेजराम यादव, नरेश पंच, कैलाश पंच, अरुण पंच, रवि पंच, सुनील पंच, हेमंत पांच, राकेश पंच, तेजराम पंच आदि ने आभार प्रकट करते कहयह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हाजीपुर, फर्रूखनगर जैसे पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

महिला दिवस पर प्लेटिनम इवारा 'शीलीड्स विद हार्ट' भावना वाली महिला लीडर्स को कर रहा है सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत यह कहना कम होगा कि 2020 ने आत्मविश्लेषण के लिए मजबूर कर दिया और हमारे जीवन में काफी व्यवधान डाला। इसने हमारे जीवन के हर पक्ष का स्वरूप बदल दिया। हर अनुमानित परिवर्तन बहुत तेजी से हुआ। इसमें नेतृत्वकर्ता भी शामिल थे। एक अच्छा नेतृत्वकर्ता कैसे बनता है, इसका पुर्नमूल्यांकन करने की तीव्र पुकार उठी। इसका मतलब था कि अतीत की निरंकुश नेतृत्व की शैली से हटकर ज्यादा सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाए। अब काम ऊपर से नहीं, बल्कि अंदर से संचालित किया जाता है।

इस अवसर पर मिस सुजला मार्टिस, डायरेक्टर- कंज़्यूमर मार्केटिंग, प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल, इंडिया ने कहा, "शुरू में दिल से नेतृत्वकर्ता नेतृत्व का नारीत्वपूर्ण संस्करण लगता था, लेकिन दुनिया ने आज इसे अपना व इसका विकास कर लिया है। ये गुण अधिकांश महिलाओं में स्वाभाविक होते हैं और हमारा मानना है कि इन्हें इंगित करने के लिए और इनकी खुशी मनाने के लिए महिला दिवस से अच्छा अवसर कोई नहीं। यह हमारा प्रतिनिधित्व एक मैटल की भांति करता है, क्योंकि इस तरह का मूल्य काल से परे व दुर्लभ है।" इस खूबसूरत डिजाइन के मुकाबले दिल से नेतृत्व का उदाहरण और कुछ नहीं।

दुर्लभ प्लेटिनम में इंटरकनेक्टेड मेश के साथ बना यह डिज़ाईन इस बात का प्रतीक है कि आप अपने सफर में किस प्रकार सदैव लोगों को साथ लेकर चलती हैं। यह उन मूल्यों को प्रदर्शित करता है, जो आप आपके हृदय के नज़दीक रखते हैं। केंद्र में हीरों से जड़े और कोणीय रूप से बढ़ता हुआ यह डिज़ाईन दृढ़ता प्रदर्शित करता है। चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़नी की आपकी क्षमता दर्शाता है। प्लेटिनम की आंतरिक शक्ति भी इसी मूल्य के अनुरूप है। हीरों से जड़े केंद्र में स्थित यह खूबसूरत पीस उन मूल्यों को प्रदर्शित करता है, जो आप अपने साथ रखती हैं। करुणा, सहानुभूति, दृढ़ता के ये मूल्य आपके हर सफर में आपका मार्ग तय करते हैं। बीतते समय के बाद भी चमक बरकरार रखने वाले मैटल में बना हीरों से जड़ा यह बैंड, जिसमें सबसे ऊपर प्लेटिनम है, और दूसरी तरफ रोज़ गोल्ड, यह आपके द्वारा अपनी व्यक्तिगत अद्वितीय का सम्मान करने वाले लोगों को साथ लेकर चलने के मार्ग को प्रतिबिंबित करता है।

मेवात पायनियर पलवल

5

हरियाणा, सोमवार, 08 मार्च, 2021

• नूंह • नगीना • फिरोजपुर झिरका • तावडू • पिनगवां • पुन्हाना • पुथला • होडल • हसनपुर • हथीन

ई-पेपर www.pioneerhindi.com

शहरवासी गंदा पानी पीने को हो रहे मजबूर

रिजवान कासिम। मेवात

पुन्हाना-होडल रोड पर वाटर सप्लाई की पाइप लाइन हुई लीकेज

जनस्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता मुफिद बोले, कर्मचारी लीकेज ठीक करने भेजे

जनस्वास्थ्य विभाग की पाइप लाइन लीक होने से पुन्हाना-होडल मार्ग पर गंदा पानी भर गया। जनस्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते राहगीर गंदे पानी में से निकलने को मजबूर है। सड़क पर पानी बार-बार इकठ्ठा होने से आसपास के दुकानदारों ने कई बार विभाग को पाइप लाइन ठीक करने के लिए भी लिखा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि पुन्हाना-होडल रोड पर पीने की पाइप लाइन बार-बार लीकेज होने की वजह से सड़क पर आएं दिन पानी भरा रहता है। पाइप लाइन लीकेज की वजह से पीने का गंदा पानी वापस उसी पाइप लाइन में चला जाता हैं। जिस गंदे पानी को शहरवासी ही नहीं बल्कि जिन गांव में यह वाटर सप्लाई लाइन जा रही है। वहां के लोग भी इस गंदे पानी को पीने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि इस मामले को लेकर जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ नगरपालिका को भी कई बार लिखित शिकायत दी जा चुकी है। ये पाइप लाइन आएं लीकेज हो जाती है, जिसको जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा कई बार जोड़ा भी जा चुका है। लेकिन बार-बार टूटने की वजह से यह समस्यां जस की तस बनी हुई है। वहीं लोगों का कहना है कि सड़क के समीप जो दुकानदार हैं, उनके साथ उनके ग्राहकों को भी गंदे पानी से निकलकर जाना पड़ता है। जनस्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता मुफिद का कहना है कि शिकायत मिली है, तुरंत मौके पर जाकर पाइप लाइन को ठीक कराने के लिए कर्मचारियों को भेज दिया गया है।

सड़क पर जमा पानी।

शहीद हसन खां मेवाती का 15 को मनेगा शहादत दिवस

सुनहेड़ा बॉर्डर पर 10 हजार से ज्यादा लोग होंगे शामिल

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

धरने पर बैठे किसान।

मेवाती किसान मोर्चा द्वारा कृषि कानून के विरोध में हरियाणा-राजस्थान के सुन्हेड़ा बॉर्डर पर 55वें दिन भी धरना लगातार जारी रहा। रविवार को सुनहेड़ा बॉर्डर पर किसानों के बीच अखिल भारतीय किसान सभा के केंद्रीय कमेटी मेंबर शेरसिंह, किसान नेता करण सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

उन्होंने बॉर्डर पर कृषि कानून के खिलाफ बैठे किसानों के ऐलान किया गया कि 15 मार्च को सुनहेड़ा बॉर्डर पर शहीद हसन खां मेवाती का शहादत दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम किसानों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर खडे है। मेवाती किसान मोर्चा के प्रवक्ता रशीद एडवोकेट ने बताया की आने वाली 15 तारीख को बड़े धूमधाम से धरना स्थल पर शहीद हसन खां मेवाती का शहादत दिवस मनाया जाएगा। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में पश्चिम बंगाल के पूर्व सांसद हन्नान मोला व उनके साथ प्रोफेसर योगेन्द्र यादव, डॉ दर्शनपाल सिंह शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सुन्हेड़ा बॉर्डर पर 10 हजार से ज्यादा लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। भाजपा सरकार किसानों के पक्ष की सरकार नहीं अदानी अंबानी जैसे ग्रुप के लोगों की सरकार है।

भाजपा सरकार ने चुनाव लड़ने से पहले गली-गली गांव-गांव में घूम कर उन्होंने स्वामीनाथन आयोग लागू करने की घोषणा की थी, लेकिन भाजपा सरकार अपने वादों से खरी नहीं उतर रही।

बाइक चुराते दो चोर चोरी की बाइक समेत गिरफ्तार

पुन्हाना। शहर के जुरेहड़ा रोड से एक बाइक को चुराते हुए दो बाइक चोरों को चोरी की बाइक सहित सिटी चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

शौकीन निवासी हथनगांव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मैं पुन्हाना-होडल रोड पर एक जंगला-चौखट की दुकान पर काम करता है। 6 फरवरी शनिवार सुबह करीब 10 बजे जुरहेड़ा रोड पर बजाज बाइक एजेंसी के सामने अपनी बाइक को खड़ी कर गाड़ी में लकड़ी भरवा रहा था। इस दौरान एक बाइक पर दो युवक आए। एक युवक बाइक से उतरकर उसकी बाइक को चुराकर भागने लगा। बाइक स्वामी द्वारा शोर मचाने के साथ ही पीछा करने पर आरोपित चोर को बिजली बोर्ड के सामने पकड़ लिया। जिसके बाद मौके पर सिटी चौकी पुलिस भी पहुंच गई। एक चोर को बिजली बोर्ड के सामने व दूसरे चोर को घटना स्थल जुरहेड़ा रोड से गिरफ्तार कर लिया गया।

कोविड-19 मामले को लेकर दिए दिशा-निर्देश

दीपक कुमार। नूंह

क्षेत्र में कोविड-19 के दिशा निर्देशों को क्रियान्वित करने के लिए जांच करने के दिए निर्देश

जिले में कोविड-19 मामलों को देखते हुए उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने गृह मंत्रालय, भारत सरकार और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा समय समय पर जारी किए गए मानक संचालन प्रक्रिया एसओपी और दिशा निर्देशों के सख्त अनुपालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। यहां जारी किए गए आदेश में उपायुक्त ने सभी इंसिडेंट कमांडरों को अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र में कोविड-19 के दिशा निर्देशों को क्रियान्वित करने के लिए जांच करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सभी सार्वजनिक स्थानों, कार्य स्थलों, धार्मिक स्थानों, योग संस्थानों जिम, मनोरंजक पार्क, सार्वजनिक पार्क, उद्योग और संस्थान इत्यादि और घनी आबादी वाले क्षेत्रों और यहां तक की बाजार के क्षेत्रों में नमूनाकरण के कार्य मे तेजी लाने के भी निर्देश भी दिए है। सिविल सर्जन को नमूनाकरण, ट्रेसिंग और सख्त रोकथाम उपायों के उद्देश्य के लिए चिकित्सा टीमों को नियुक्त करने के निर्देश दिए गए है। उपायुक्त ने कहा कि न केवल मामलों की संख्या पर बल्कि परिस्थितियों में स्थानीय विचलन और बढ़ोतरी की पहचान करने के लिए जिले में सकारात्मक रूप से नजर रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इसलिए जिले की कुछ गतिविधियों की लगातार समीक्षा की जानी चाहिए। इनमें प्रभावी और उच्च स्तरीय टेस्टिंग शामिल है जबकि 70 प्रतिशत आरटीपीसीआर और 30 आरएटी स्पलिट को बनाए रखना, लगातार कांटेक्ट टेसिंग को बनाए रखने के लिए 30 संक्रमित लोगों से संपर्क साधना, पोजिटिव लोगों के लिए प्रभावी क्वारंटिंन उपाय, मामलों के कलस्टर को चिन्हित करना।

संक्षिप्त समाचार

भ्रष्टाचार के चलते दस साल पूर्व बने कमरे हुए जर्जर

पुन्हाना। उपमंडल के गांव नहेदा में एक अध्यापक द्वारा लगभग 12 साल पूर्व बनाए गए तीन कमरे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुके हैं। लगभग 10-12 वर्षों में ही कमरों की हालत जर्जर हो चुकी है। कमरों के लेंटर में जगह-जगह से दरार पड़ चुकी हैं, दीवारें जर्जर हो चुकी हैं। फर्श टूट चुके हैं। आलम यह है कि कमरे कभी भी गिर सकते हैं और बच्चों के साथ कभी भी कोई भी हादसा हो सकता है। गांव नहेदा स्कूल के मुख्याध्यापक वहीद खान ने बताया कि लगभग 12 वर्ष पूर्व स्कूल में एक अध्यापक द्वारा लगभग 10 लाख रुपये की लागत से तीन कमरे बनाए गए थे। जो कि अब पूरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल के कमरों के लेंटर में दरारे पड़ चुकी हैं। दीवारें जर्जर हो चुकी है, छतों पर टाइलें नहीं लगाई गई हैं, फर्श टूट चुके हैं। आलम यह है कि कमरे कभी भी गिर सकते हैं। स्कूली अध्यापक के अनुसार लगभग दो वर्षों से स्कूली बच्चे भी कमरों के गिरने के डर से कमरों में नहीं बैठते है क्योंकि जर्जर कमरों के गिरने के कारण कभी भी दुर्घटना हो सकती है। मुख्य अध्यापक वहीद खान ने बताया कि वे उच्चाधिकारियों को कमरों के जर्जर होने की शिकायत कर चुके हैं, परंतु विभाग द्वारा भी कार्यवाही नहीं की गई है। गौरतलब है कि पुन्हाना उपमण्डल के विभिन्न स्कूलों में सर्व शिक्षा अभियान के तहत सैकड़ों कमरे बनाए गए। जो स्कूली अध्यापक के द्वारा विभागीय अधिकारियों से मिलीभगत कर घटिया सामग्री के इस्तेमाल कर बनाए गए थे। शिक्षा के मंदिरों में खुलेआम सरकारी पैसे को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया गया। स्कूलों में बने इन जर्जर कमरों के बारे में कई अध्यापकों व ग्रामीणों द्वारा शिकायतें भी की गई। परंतु शिक्षा विभाग के अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सोए रहे। आलम यह है कि बीते कुछ माह पहले सुनहेड़ा गांव में दो बार स्कूल के कमरे गिरे। जिनके लगभग 3 से 4 बार जांच भी हो चुकी है। परंतु आज तक दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

किसान संवाद चौपाल में मेवातियों ने कृषि कानून का किया समर्थन

नूंह। मेवात की आदम नामक सामाजिक संगठन एसोसिएशन फॉर डेवलपमेंट एंड अवेकनिंग ऑफ मेवात ने नये कृषि कानून को लेकर नगीना ब्लॉक के बारा बाजिदपुर रिठट गांव में किसान संवाद चौपाल लगाकर नये कृषि कानून पर किसानों से संवाद किया। आदम संस्था के अध्यक्ष एवं मेवात विकास एजेंसी के पूर्व चेयरमैन खुर्शीद राजाका ने किसानों से पूछा कि बताओ क्या हैं नये कृषि कानून। जवाब देते हुए रिठट गांव के 72 वर्षीय बुजुर्ग किसान दीन मोहम्मद ने कहा कि इस कानून से कांट्रेक्ट खेती के बहाने प्राइवेट कंपनी जबरदस्ती हमारी जमीनों पर कब्जा कर लेगी। वहीं दूसरे नौजवान किसान मुफीद ने कहा कि इस नये कानून से हम केवल एक कंपनी को ही फसल बेच सकेंगे। रिठटगांव के पूर्व सरपंच ने बताया कि सरपंच मिन्टू और पूर्व सरपंच जमशेद खान ने बताया कि हमने कांग्रेस व आंदोलनकारियों को मोबाइल पर युटयूब से सुना है कि सरकारी मंडी बंद हो जाएंगी और प्राइवेट कंपनी किसानों की जमीन पर बैंक से कर्जा लेकर भाग जाएंगे। किसान की जमीनों पर दूसरे लोग कब्जा कर लेंगे। किसानों के सवालों का जवाब देते हुए खुर्शीद राजाका ने उनके भ्रम को दूर किया। किसानों को नये कृषि कानून की तफ्सील से जानकारी दी। आदम संस्था के अध्यक्ष खुर्शीद राजाका ने बताया कि यह कृषि कानून केवल किसानों के हित में है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के किसानों को पूरी दुनिया से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर किसान बनाना चाहते हैं। किसान संवाद चौपाल में जब किसानों की समझ में आया कि विपक्ष और आंदोलनकारी तो किसानों को भ्रमित कर देश की छवि बिगाड़ रहे हैं। कार्यक्रम में बुजुर्ग किसान दीन मोहम्मद और दिलबाग ठेकेदार के साथ सभी मौजूद किसानों ने एक स्वर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करते हुए धन्यवाद किया। कहा कि आज के बाद हम भी कृषि कानून के समर्थन में प्रचार कर लोगों को समझायेंगे ताकि किसान आंदोलन खत्म हो और देश का किसान इन नये कृषि कानूनों के सहारे आगे तरक्की करें।

मेधावी विद्यार्थियों को विश्व प्रकाश मिशन छात्रवृत्ति वितरित

फरीदाबाद। मेधावी विद्यार्थियों को पढ़ाई जारी रखने में आर्थिक मदद देने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज आर्थिक रूप से कमजोर 11 विद्यार्थियों को विश्व प्रकाश मिशन छात्रवृत्ति वितरित की। विश्व प्रकाश मिशन, फरीदाबाद एक धर्मार्थ ट्रस्ट है जोकि साधन से वंचित मेधावी युवाओं को शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाता है। इस ट्रस्ट को यूनियन बैंक से सेवानिवृत्त कार्यकारी निदेशक समाजसेवी राकेश सेठी चला रहे है। विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार तथा कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग की उपस्थिति में छात्रवृत्ति पत्र भेंट किये गये। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. लखविंदर सिंह, डिप्टी डीन डॉ. अनुराधा पिल्लई, डॉ. हरिश कुमार, ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश सेठी, ट्रस्ट के अन्य अधिकारी श्रीमती पूनम सेठी, अजय गुप्ता, आर. के. मुंशी और गुलशन भाटिया सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मिशन द्वारा छात्रवृत्ति के लिए मौजूदा शैक्षणिक सत्र में दाखिला लेने वाले विश्वविद्यालय के 11 विद्यार्थियों का चयन किया गया है, जिनकी पढ़ाई का खर्च मिशन द्वारा वहन किया जायेगा। छात्रवृत्ति के तहत प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिवर्ष अकादमिक फीस के रूप में 50 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता मिलेगी जोकि डिग्री पूरी होने तक जारी रहेगी। इस प्रकार, 11 विद्यार्थियों की शिक्षा का कुल 18.50 लाख रुपये का खर्च मिशन उठायेगा। अब तक विश्वविद्यालय के 50 विद्यार्थी मिशन की छात्रवृत्ति से 48 लाख रुपये की वित्तीय सहायता का लाभ उठा चुके है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के माध्यम से पढ़ाई में सहयोग के लिए मिशन के प्रयासों की सराहना की तथा मिशन के अध्यक्ष राकेश सेठी का आभार जताया। कुलपति ने कहा कि मिशन द्वारा प्रतिभावान एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद प्रदान करना एक अनुकणीय कार्य है, जिससे समाज में सभी को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने लाभान्वित विद्यार्थियों को ट्रस्ट के मिशन के लिए सहयोग देने का आह्वान भी किया। राकेश सेठी ने कहा कि सभी चयनित विद्यार्थियों की पढ़ाई का खर्च मिशन द्वारा छात्रवृत्ति योजना के तहत वहन किया जाएगा।

जरुरतमंदों की इमदाद ही असली समाजसेवा : साबिर मजाहिरी

सामान दिलाते समाजसेवी।

रिजवान कासिम। मेवात

वैसे तो मेवात इलाके में हर कोई अपने आप को समाजसेवी साबित करने की कोशिश करता है, लेकिन समाज सेवा के असली हकदार वो लोग हैं जो हर समय बेसहारा व जरुरतमंद लोगों की इमदाद के लिए तैयार रहते हैं। इस दिशा में मेवात के चंद लोग ही अपना असली हक अदा कर पा रहे हैं। जो गरीब लोगों की उन बहन बेटियों की शादी के दौरान जरूरत का सामान दिलाकर उनकी मदद करते हैं। जिनकी गरीबी के कारण लोग समय पर शादी नहीं कर पाते हैं। खास बात यह है कि ये लोग अपनी जेब से ही लोगों की इमदाद करते हैं।

इसी कड़ी में शनिवार को मौलाना मुफ्ती सलीम कासमी सदर जमीयत उलमा गुड़गांव के मशविरा पर मौलाना हारून खिल्लूका व मौलाना साबिर मजाहिरी की सदारत में दर्जन भर से अधिक युवाओं ने इस मुहिम में शामिल होकर दो गरीब बेटियों के लिए शादी में जरुरत का सामान दिलाया। मौलाना साबिर मजाहिरी ने कहा कि जरुरत मंद लोगों की इमदाद ही असली समाजसेवा है। जरुरतमंद और बेसहारा लोगों की इमदाद के लिए लोगों को आगे आने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि अब तक उनकी टीम दर्जनभर से अधिक जरुरतमंद व गरीब लोगों की बेटियों की शादी में जरुरत का सामान दिला चुकी है और आगे भी उनका प्रयास लगातार जारी है। साबिर मजाहिरी ने कहा कि एक दो महीने बाद उनकी टीम गरीब बेटियों का एक विवाह सम्मेलन कराने जा रही है। जिसमें एक साथ दस लड़कियों की शादियां कराई जाएगी। इस टीम में तौसीफ खान बीसरू, मुबारिक अटेरना, सपात झारोकडी, जानू नवलगढ़, राम अवतार रायपुर, ताहिर हुसैन नई, संजय बडगुर्जर पुन्हाना, वासिद अली बीसरू सहित कई अन्य लोग शामिल हैं।

चारे के अभाव में पन्नियां खा रहीं गायें

गोसेवक बोले गोशालाओं की सहायता करें और गो मालिकों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई

सेनायत खां। फिरोजपुर झिरका

फिरोजपुर झिरका में नई सब्जी मंडी के समीप भूखीं गायें।

प्रदेश सरकार का गायों को संरक्षण देने व जीवन बचाने का कथन सिर्फ कागजों तक सिमटता दिखाई पड़ रहा है। जहां सरकार के आदेश पर निरंतर नूंह पुलिस गो तश्करों से लोहा लेकर गायों को बचा कर गोशालाओं में भेज रही है। ऐसे में शहरों में गायों को चारे के अभाव में पन्नियां खा कर जीवन बिताना पड़े, ये सरकार व स्थानीय गोभक्तों के दोहरे मापदंड को दर्शाता है।

प्रदेश में सरकार बनाने से पूर्व भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में प्रदेश की जनता से वायदा किया था कि प्रदेश में गायों के संरक्षण व गोतशकरों से गायों से बचाने के लिए हरियाणा की गोशालाओं को भरपूर सहायता प्रदान की जाएगी। गो तश्करों के खिलाफ कठोर कानून बनाया जाएगा। भाजपा सरकार ने गो तश्करों के लिए तो कठोर कानून बना दिया, लेकिन गोशालाओं में मौजूद गायों की हालत चारे के अभाव में आज भी दयनीय है। खास कर नूंह जिले की मरोड़ा व फिरोजपुर झिरका गोशालाओं में सरकार की सहायता ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। बीमार गायों के लिए स्वास्थ्य सहायता ओर ऊपर से चारे के अभाव यह सरकार ही नहीं बल्कि गोभक्तों के अलावा सभ्य समाज के लिए चिंता की बात है।

इस से भी दयनीय व चिंता जनक बात यह है कि जिले के नूंह, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना, तावडू नगीना, पिंगगवा में गाय चारे के अभाव में पूरे दिन दुकानदारों से लट्ठ खाकर भूखे पेट को भरने के लिए पन्नियां खाकर अपना जीवन गुजार रही हैं। पन्नियां खा कर गाय बीमार पड़ कर मौत की नींद सो जाती हैं। सरकार व गोभक्तों की कथनी व करनी में अंतर होने के कारण धरातल पर गायों को बचाया जाता तो आज गाय पन्नियां खा कर अपना पेट नहीं भरती, यह विडंबना है कि गायों को बचाने व संरक्षण प्रदान करने में भाजपा सरकार व गोरक्षक नाकाम साबित हो रहे हैं।

समाजसेवी चरण दास, विश्राम सिंह, रजत, दीपक, नेतराम, लखन सिंह, सत्य प्रकाश आदि ने कहा कि सरकार व गोभक्तों के दोहरे मापदंड को देखकर अपना पेट भरने के लिए शहरों में पन्नियां खा रही गायों को देख कर बहुत मन कुंठित होता है। क्या हम सब को मिलकर इन गायों के जीवन को बचाने के लिए चारे का प्रबंध नहीं करना चाहिए। प्रदेश सरकार को भी गायों के जीवन को बचाने के लिए गोशालाओं की भरपूर सहायता करने का अलावा पन्नियां खा रही गाय मालिकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाई करनी चाहिए।

सामुदायिक भवन का हवन के द्वारा किया उद्घाटन

फरीदाबाद। हरियाणा के परिवहन एवं खनन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने सेक्टर 64 में बनाए गए सामुदायिक भवन का हवन के साथ उद्घाटन किया और भव्य इमारत को जनता को समर्पित किया। इस मौके पर हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने घोषणा की है कि 8 मार्च महिला दिवस के मौके पर प्रदेश के सभी डिपो से एक-एक बस स्पेशल महिलाओं के लिए चलाई जाएगी।

परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि फ़िलहाल एक एक बस हर बस अड्डे से चलेगी यह संख्या जरूरत के मुताबिक बढ़ाई भी जा सकेगी। हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने अपने विधानसभा क्षेत्र में मोहना रोड सेक्टर 64 सामुदायिक भवन का विधिवत हवन और पूजा के साथ उद्घाटन करते हुए कहा कि बल्लभगढ़ विधानसभा में लगभग एक दर्जन सामुदायिक भवनों का निर्माण कराया जा रहा है ,जिससे गरीब व्यक्ति अपने सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों को सामुदायिक भवन के अंदर कर सकें । उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन में सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम करने में एक आम व्यक्ति का समय और धन दोनों की बचत होगी। इस मौके पर भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, बांके बिहारी, पार्षद हरप्रसाद गोड़,पार्षद दीपक यादव आदि मौजूद रहे ।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

सहन-शक्ति की सीमा एक दिन तो तोड़नी होगी
समय के साथ तुमको बात आख़िर सोचनी होगी
तनी बंदूक के पीछे खड़े हो आज हँसकर तुम
यही बंदूक कल को देखना तुम पर तनी होगी

मच्छर के अण्डे या लारवा मिलने पर होगा जुर्माना

मच्छर जनित रोगों से बचाव के लिए लोगों को करें जागरुकः उपायुक्त

दीपक कुमार। नूंह

ये हैं मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय

मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए कुछ सरल उपाय हैं, जिनपर अमल करके हम मच्छरों को पनपने से रोक सकते हैं। अपने घर के आस-पास पानी खड़ा न होने दें, क्योंकि खड़े हुए साफ पानी में ही मच्छर पनपता है। सप्ताह में एक दिन ड्राई-डे मनाएं अर्थात अपने कूलर, फूलदान, पशु व पक्षियों के पानी के बर्तन, हौदी को सुखाकर ही पानी भरें, यदि कूलर उपयोग में नहीं लाए जा रहे है तो उन्हें रगड़कर साफ करके सुखाकर ही रखें। हर सप्ताह रुके पानी में काला तेल डालें। सिविल सर्जन डा. सुरेन्द्र ने कहा कि डेंगू मलेरिया एवं चिकनगुनिया संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। इन सभी बीमारियों की निशुल्क जांच व इलाज जिला के सभी सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध है। सरकार द्वारा डेंगू व चिकनगुनिया की जांच के लिए 600 रुपये निर्धारित किए गए हैं।

उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लोगों को मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए प्रचार के विभिन्न माध्यमों से जागरूक करें। ग्रामीण क्षेत्र में तालाबों आदि में मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने कहा कि लोगों को मच्छर से फैलने वाले रोगों से बचाव के लिए जागरूक करने के लिए अन्य विभागों के साथ मिलकर कार्य करें तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग को भी इस अभियान के साथ जोड़े। यदि घरों व कार्यालयों में मच्छर के अण्डे व लारवा पाया जाता है तो चालान या जुर्माना किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कृषि विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे कृषि मेलों का भी लोगों को इस बारे में जागरूक करने के लिए लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जिले में बीते वर्ष मलेरिया एवं डेंगू के मामले कम हुए हैं, जबकि चिकनगुनिया का कोई मामला नहीं था। उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने जिला वासियों का आह्वान किया कि वे घरों में पड़ी बेकार वस्तुओं का उचित ढंग से निस्तारण करें ताकि इनमें पानी जमा होने से मच्छर न पनपे। यह सुनिश्चित करें कि कहीं पर भी लम्बे समय तक पानी खड़ा न हो। मिट्टी के गड्ढे को भरवाया जाए। गड्ढों में खड़े पानी में मिट्टी का तेल तथा तालाबों में गम्बूजिया मछली डाली जाएं। बचाव के लिए किए जा रहे सभी प्रबंधों की डाक्यूमैंट्री तैयार की जाए। उन्होंने जिला में उपलब्ध फोगिंग मशीनों के बारे में भी जानकारी हासिल की।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान

ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)

9050976800
9416103259

ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

राम मंदिर निर्माण

छुद्र राजनीति का हिस्सा नहीं

कुछ राजनेता राम मंदिर के नाम पर मतदाताओं को ललचा रहे हैं, पर मतदाताओं को ऐसी राजनीतिक से सतर्क रहना चाहिए। भगवान राम सबके हैं। करोड़ों लोगों के लिए वे उनके अस्तित्व का अंग और 'भारतवर्ष की आत्मा' हैं। हिंदी पट्टी में 'राम राम' अभिवादन का अंग है और भगवान राम की तरह कोई भी करोड़ों लोगों का हृदय नहीं स्पर्श करता है। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मुख से भी अंतिम शब्द 'हे राम' निकले थे, जब नाथूराम गोडसे ने उनको तीन गोलिया मारी थीं। चाहे 'जय श्रीराम' हो या 'हे राम' या 'राम राम', इस नाम में कुछ भी विवादासपद नहीं है। लेकिन इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि कुछ लोग इस नाम का प्रयोग मतदाताओं के ध्रुवीकरण के लिए कर रहे हैं और यह कुछ समय पहले सांप्रदायिक विवादों के केन्द्र में था। इस बार अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के लिए दान प्राप्त करने के अभियान का प्रयोग चार राज्यों व एक केन्द्रशासित क्षेत्र में विधानसभा चुनावों से पहले विवादास्पद मुद्दे के रूप में हो रहा है। इस विवाद में नवीनतम तीर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने छोड़ा है। राज्य विधानसभा में बोलते हुए उन्होंने दान प्राप्त करने के अभियान को चुंगी वसूली बता दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर निर्माण के लिए दान न देने के कारण उनको धमकी दी गई। उन्होंने व्यंग्य से आरोप लगाया कि क्या भाजपा भगवान राम का प्रयोग उनके नाम में 'चुंगी' वसूली के लिए कर रही है? किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि नाना पटोले जैसे

शक्तिशाली नेता ऐसी बात करेंगे जिनकी पार्टी शिवसेना और रांकापा के साथ सत्ता में है। यह भी कल्पना से परे है कि व्यापक प्रभाव रखने वाले नेता को कोई दान प्राप्त करने के लिए 'धमकी' दे सकता है। इस प्रकार का आरोप छुद्र राजनीति है तथा इस बात का संकेत देता है कि कुछ लोग समाज में अशांति पैदा करना चाहते हैं। लगभग इसी तरह कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री व जेडीएस नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने पिछले महीने राम मंदिर दान प्राप्त अभियान की छवि खराब करने का प्रयास किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि दान प्राप्त करने वाले पैसा न देने वाले लोगों के घरों पर निशान लगा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि यह कृत्य एडोल्फहिटलर के शासनकाल में नाजियों के कृत्य जैसा है। राजनीतिक के दृष्टिकोण से देखें तो नाना पटोले का बयान कांग्रेस को कुछ लाभ दिलाने का प्रयास है जो विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यक वोटों पर निर्भर है। पश्चिम बंगाल में वोटों के लिए इस्लामी संगठन इंडियन सेक्युलर फ्रंट के साथ गठबंधन हो या केरल यात्रा के समय राहुल गांधी के विवादास्पद बयान, सभी 'देश की सबसे पुरानी पार्टी' की विभाजनकारी राजनीति की ओर संकेत करते हैं। इस बीच दुनिया भर से भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। निश्चित रूप से भाजपा मंदिर निर्माण के नाम पर हिंदू मत प्राप्त करना चाहती है। लेकिन मतदाताओं के लिए यह उचित होगा कि वे अपने मतों का प्रयोग सावधानी से तथा न्यायोचित रूप से करें और केवल राजनेताओं की घोषणाओं पर निर्भर न हों। उनको भगवान के नाम पर वोट नहीं देने चाहिए क्योंकि धर्म को राजनीति से दूर रखना चाहिए। इसके बजाय जन कल्याण नीतियों, कार्य क्रमों और विकास को मतदाताओं के लिए प्राथमिकता बनाना चाहिए। याद रखें कि भगवान राम 'मर्यादा पुरुषोत्तम' हैं, पर अनेक राजनेताओं की कोई मर्यादा नहीं है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए बिडेन प्रशासन का एक महत्वाकांक्षी एजेंडा है लेकिन रास्ते में बाधाएं हैं।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के परामर्शकारी संपादक हैं)

ट्रम्प प्रशासन, पर्यावरण को बचाने की लड़ाई के लिए एक अनियंत्रित आपदा बनकर सामने आया था, जिसे जनता ने अपदस्थ कर दिया। हालांकि, इसके लिए स्वर्ग को धन्यवाद देना पर्याप्त नहीं होगा। बुद्धिमान नेतृत्व, निधियों का व्यापक आवंटन और पिछले चार वर्षों के दौरान हुई क्षति को पूर्ववत करने के लिए वैश्विक स्तर पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है जो उस भूमंडलीय तापन से निपटने के लिए आगे कदम बढ़ाने में सक्षम हो, जिससे मानव जाति का सफाया होने का खतरा है।

यहां दो सवाल उठते हैं। ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने के लिए राष्ट्रपति जो बिडेन की प्रतिबद्धता कितनी गहरी है? उनके प्रशासन को किस तरह की बाधाओं को पार करना होगा? पहला यह , उन्होंने घोषणा की है कि जलवायु परिवर्तन ग्रह के लिए एक संभावित खतरा है। उन्हें जलवायु परिवर्तन अग्रणी कहा गया है, जो मानते हैं कि लोगों के पास इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक नैतिक और आर्थिक अनिवार्यता है। उनके पास 2 ट्रिलियन डॉलर की स्वच्छ ऊर्जा योजना है, और अपने वर्तमान कार्यालय को संभालने से पहले बताते हुए रिकॉर्ड पर है कि, राष्ट्रपति के रूप में, वो यह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका ने 2050 तक 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था और शुद्ध-शून्य उत्सर्जन हासिल किया है। इस लक्ष्य का एक हिस्सा, वह 2035 तक अमेरिकी पावर ग्रिड कार्बन को तटस्थ बनाना चाहता है।

उनकी प्रतिबद्धता उनके ट्रैक रिकॉर्ड में दिखाई देती है। 1986 में, उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस में पहले जलवायु विधेयकों में से एक को पेश किया। 1998 में, उन्होंने उष्णकटिबंधीय वन संरक्षण अधिनियम के अधिनियमन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने अमेरिका को ऋण राहत के बदले में उष्णकटिबंधीय जंगलों के संरक्षण के लिए विदेशी सरकारों के साथ समझौतों तक पहुंचने की अनुमति दी। अमेरिकी सीनेट विदेश संबंध समिति (2001-2003 और 2007-2009) के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर कई सुनवाई आयोजित की और इस मुद्दे पर कई गैर-बाध्यकारी प्रस्तावों के लिए समर्थन प्राप्त किया।

राष्ट्रपति के रूप में, वह जलवायु परिवर्तन को अपने प्रशासन का केंद्रीय मुद्दा बना रहे हैं और इसका मुकाबला करने के लिए दो-आयामी दृष्टिकोण का विषय है। पहला एक दुर्जेय प्रशासनिक बुनियादी ढाँचे की स्थापना है; दूसरा इसके सभी आयामों और इसके साथ सामना करने के लिए सक्षम और समर्पित लोगों की नियुक्ति में समस्या की अवधारणा है। वह पहले ही दूसरे के साथ प्रगति कर चुका है। नवंबर 2020 में, राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लंबे समय बाद, उन्होंने जॉन केरी का नाम लिया, जो ओबामा प्रशासन में राज्य सचिव और जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के एक प्रमुख वास्तुकार (दिसंबर 2015) थे, जलवायु के लिए उनके विशेष राष्ट्रपति दूत के रूप में। परिवर्तन। उन्होंने अपने जलवायु एजेंडे के कार्यान्वयन के समन्वय के लिए घरेलू जलवायु परिवर्तन नीति का एक व्हाइट हाउस कार्यालय स्थापित किया है। दरअसल, राष्ट्रपति के रूप में, उन्होंने व्हाइट हाउस में इकट्ठे किए गए जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञों की सबसे बड़ी टीम को इकट्ठा किया है। अधिक, एनविल पर एक राष्ट्रीय जलवायु कार्य बल है जिसमें 21 सरकारी एजेंसी के नेता शामिल हैं, और एक पर्यावरणीय न्याय अंतर-एजेंसी परिषद है जो जलवायु परिवर्तन और वायु और जल प्रदूषण से उत्पन्न नस्लीय और आर्थिक असमानताओं को संबोधित करती है।

राष्ट्रपति बिडेन ने पहले ही कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कार्यालय में अपने पहले दिन, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते में अमेरिका की वापसी के लिए कागजी कार्रवाई पूरी हो गई थी। उसने मैक्सिको की खाड़ी में रिफाइनरियों में कनाडा के अल्बर्टा से तेल लाने के लिए कीस्टोन एक्सएल ऑयल पाइपलाइन के निर्माण के लिए टीसी एनर्जी कॉर्पोरेशन को दी गई अनुमति को रद्द कर दिया। ओबामा प्रशासन ने पर्यावरण को होने वाले गंभीर नुकसान के लिए 2015 में इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया था, लेकिन ट्रम्प ने इसे आगे बढ़ने की अनुमति दी थी। इसके अलावा, व्हाइट हाउस के एक बयान के अनुसार, बिडेन आंतरिक विभाग को निर्देश दे रहे थे कि वे संघीय भूमि और पानी पर सभी तेल और गैस ड्रिलिंग पट्टों को रोकें और जहां तक संभव हो, मौजूदा ऊर्जा पट्टों की समीक्षा करें। कार्यों में उनके घरेलू जलवायु एजेंडे से संबंधित इन और अन्य उपायों के अलावा, उनका प्रशासन ट्रम्प के कार्यकाल के दौरान अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी द्वारा पर्यावरण के लिए हानिकारक उपायों पर एक सख्त नज़र दे रहा है। उनमें से कई स्क्रैपिंग के लिए ऊपर होंगे।

राष्ट्रपति बिडेन ने पहले ही कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कार्यालय में अपने पहले दिन, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते में अमेरिका की वापसी के लिए कागजी कार्रवाई पूरी हो गई थी। उसने मैक्सिको की खाड़ी में रिफाइनरियों में कनाडा के अल्बर्टा से तेल लाने के लिए कीस्टोन एक्सएल ऑयल पाइपलाइन के निर्माण के लिए टीसी एनर्जी कॉर्पोरेशन को दी गई अनुमति को रद्द कर दिया। ओबामा प्रशासन ने पर्यावरण को होने वाले गंभीर नुकसान के लिए 2015 में इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया था, लेकिन ट्रम्प ने इसे आगे बढ़ने की अनुमति दी थी। इसके अलावा, व्हाइट हाउस के एक बयान के अनुसार, बिडेन आंतरिक विभाग को निर्देश दे रहे थे कि वे संघीय भूमि और पानी पर सभी तेल और गैस ड्रिलिंग पट्टों को रोकें और जहां तक संभव हो, मौजूदा ऊर्जा पट्टों की समीक्षा करें। कार्यों में उनके घरेलू जलवायु एजेंडे से संबंधित इन और अन्य उपायों के अलावा, उनका प्रशासन ट्रम्प के कार्यकाल के दौरान अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी द्वारा पर्यावरण के लिए हानिकारक उपायों पर एक सख्त प्रतिक्रिया दे रहा है। उनमें से कई खत्म किए जाने के लिए सूची में सबसे ऊपर होंगे।

जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर दुनिया से विमुख होने की ट्रम्प प्रशासन की नीति के उलट, व्हाइट हाउस के एक बयान में कहा गया है कि पेरिस समझौतों के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में अमेरिका को वैश्विक नेतृत्व का अभ्यास प्रदान करना चाहिए। जाहिर है, जलवायु परिवर्तन का मुकाबला राष्ट्रपति बिडेन के साथ एक मिशन है, जो कि अमेरिकी कमांडों को भारी शक्ति और संसाधनों को देखते हुए प्रोत्साहित कर रहा है। फिर भी, लंबी बाधाएं रास्ते में रहती हैं। जीवाश्म ईंधन उद्योग की लॉबी ग्लोबल वार्मिंग के लिए ड्रिलिंग और तेल के उपयोग को प्रतिबंधित करने वाली उनकी नीतियों का जमकर विरोध करेगी, और अपनी योजनाओं को पटरी से उतारने के लिए सीनेटरों और प्रतिनिधियों को जुटाने की कोशिश करेगी।

दूसरा, उनके कदम कार्यकारी आदेशों के माध्यम से उठाए गए हैं। इन्हें भविष्य के राष्ट्रपति द्वारा संशोधित किया जा सकता है, जैसा कि वह ट्रम्प के उपायों के संबंध में कर रहे हैं। स्थायित्व के लिए उसे कानून की आवश्यकता होती है, जिसके लिए सीनेट और प्रतिनिधि सभा के माध्यम से सावधानीपूर्वक नेविगेशन की आवश्यकता होगी जहां डेमोक्रेट के पास एक पतली बहुमत है। अंत में, उसे उस आलोचना का सफलतापूर्वक सामना करना होगा जो पर्यावरण की रक्षा के उपायों का मतलब होगा नौकरी का नुकसान। उन्होंने उत्तरार्ध का समर्थन करने वाले स्वच्छ ऊर्जा और अनुसंधान संगठनों का निर्माण करने वाले नए उद्योगों में नौकरियों की संभावनाओं पर संदेह किया है। लेकिन फिर रोजगार का वास्तव में पालन करना चाहिए।

गरीबों की अघोषित सामाजिक सुरक्षा

> वैश्विक महामारी के समय सामाजिक क्षेत्र पर सबका ध्यान गया, पर इसने अतीत में भी राहत के अनेक कार्य किए हैं।

अनुराधा प्रसाद
(लेखिका इंडिया लीडर्स फार सोशल सेक्टर की निदेश हैं)

भारत सरकार द्वारा कोरोनावायरस वैश्विक महामारी पर लगाम लगाने के लिए 25 मार्च, 2020 को राष्ट्रव्यापी लाकडाउन घोषित करने के 12 घंटे के भीतर राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले हजारों प्रवासी मजदूरों के हृदय-विदारक दृश्य सामने आए। रोजगार छिन जाने एवं भूख और गरीबी का सकट सामने आने के कारण विभिन्न शहरों व गांवों से दूर जाकर नौकरी व मजदूरी करने वाले बड़ी संख्या में श्रमजीवी विवश होकर अपने घरों को वापस लौटने लगे।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार, लाकडाउन के दौरान 1.06 करोड़ से अधिक प्रवासी कामगार अपने घरों को लौटे। सरकार के समक्ष उनके लिए व्यवस्था करने की जबदग्स्त चुनौती सामने आ गई। उनकी यात्रा बहुत थकाने वाली तथा घातक थी क्योंकि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कम से कम 29,415 श्रमिक अपना जीवन खो बैठे। जहां समृद्ध नगरवासी घर पर काम करने की नई व्यवस्था से संघर्ष कर रहे थे, वहीं समाज का एक हिस्सा कोविड-19 के खतरे तथा भूख, बेरोजगारी और विस्थापन का शिकार था। इस मानवीय संकट में पहली सहायता भारत के सामाजिक क्षेत्र तथा सिविल सोसाइटी संगठनों-सीएसओ की ओर से आई। उन्होंने सुनिश्चित किया कि हाशियाकृत जनसंख्या, खासकर प्रवासी व दिहाड़ी मजदूर भूखे न रहें। इस प्रकार सीएसओ ने लाकडाउन के पहले चरण में 30.11 लाख भोजन बांटे। अनेक राज्यों में सिविल सोसाइटी ने सरकार से भी पहले प्रतिक्रिया की। यह ऐसे समय महत्वपूर्ण था जब लाकडाउन की घोषणा के कुछ दिन बाद तक लोगों की पहुंच सार्वजनिक वितरण प्रणाली तक नहीं थी।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार रिपोर्ट 'कोविड-19 पैनडेमिक: सिविल सोसाइटी रिस्पांस एंड चैलेजेंस अहेड' के अनुसार, सीएसओ ने स्थानीय सरकारों की सहायता से सुदूर क्षेत्रों में अनाज बंटवाने व राहत सेवाओं में साझीदारी निभाई। तत्काल राहत के साथ ही सीएसओ ने कोविड-19 स्वास्थ्य व्यवहारों के बारे में जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मास्क और सेनीटाइजर्स बांटने के साथ सीएसओ ने सोशल डिस्टेंसिंग व स्वच्छता के बारे में जागरूकता भी पैदा की। बुंदेलखंड इनीशियेटिव फार वाटर एग्रीकल्चर एंड लाइवलीहुड्स जैसी पहलों ने स्वयंसहायता समूहों के माध्यम से संयुक्त कार्रवाई की, बुंदेलखंड में परंपरागत जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया ताकि पानी की कमी से निपटने के साथ ही हैंडपंपों व कुंओं पर भीड़ से बचा जा सके।

महिलाओं पर महामारी का ज्यादा प्रभाव पड़ा। उनके श्रमबल में 13 प्रतिशत कमी आई, जबकि पुरुषों में यह कमी 2 प्रतिशत थी। इससे उनकी गरीबी बढ़ी, स्वास्थ्य खराब हुआ तथा उनके प्रति घरेलू हिंसा का खतरा बढ़ा। राष्ट्रीय महिला आयोग ने पिछले साल मार्च-सितंबर में 13,410 जेंडर-आधारित हिंसा के मामले दर्ज किए जिनमें 4,350 घरेलू हिंसा के मामले थे। सामाजिक क्षेत्र ने हिंसा की महामारी के खिलाफ भी प्रतिक्रिया की। दिल्ली के एनजीओ शक्ति शालिनी जैसे संस्थानों ने चौबीसों घंटे की हेल्पलाइन शुरू की। असोसियेशन फार एडवोकेसी एंड लीगल इनीशियेटिव ने महिलाओं को शिकायतें दर्ज कराने तथा सेल्फ इम्प्लायेड वीमेन्स असोसियेशन ने लाकडाउन के कारण दीर्घकालीन रणनीति बनाने मे सहायता की। यह तीन चरणों वाली रणनीति थी जिसमें स्वास्थ्य सुरक्षा, आजीविका बहाली तथा सामाजिक सुरक्षा व खाद्य सुरक्षा शामिल थे।

सामाजिक क्षेत्र ने इस महामारी के दौरान लोगों का ध्यान काफी मात्रा में आकर्षित किया, लेकिन अतीत में भी उसने खामोशी से अनेक पहलें की थीं, चाहे वह अम्फन तूफान से सहायता हो या अभी हाल में उत्तराखंड बाढ़ के दौरान सहायता। इसे देखते हुए यदि भारत को विकास के ज्यादा समतापूर्ण रूप का टिकाऊ विकास लक्ष्य प्राप्त करना हो तो उसे सीएसओ की भूमिका अनदेखी नहीं करनी चाहिए। इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के निवेश की आवश्यकता है जिसमें पैसा, जनता तथा उद्देश्य शामिल हैं। हमें कुशल व संवेदनशील नागरिकों की आवश्यकता है जो इस क्षेत्र में सार्थक योगदान कर सकें तथा फेसबुक पर 'डोनेट नाऊ' का बटन भी दबा सकें।

आप की बात

नीरव का प्रत्यर्पण

सरकार के इरादे अगर अटल हों तो समस्या कोई भी हो उसका निदान पाताल से भी संभव है। इसके अलावा बिरादरी में अपनी अहमियत हो तो सोने पर सुहागा। नीरव मोदी कांड में भी यही जाहिर हुआ है। आखिरकार भगोड़े हीरा कारोबारी का भारत प्रत्यारोपण तय हो गया है जहां ब्रिटेन से उसे लाकर बैंकिंग घोटाले की पाई पाई वसूली जा सकेगी। पंजाब नेशनल बैंक में करीब 11:30 हजार करोड़ का घोटाला करके लंदन जा बसे नीरव मोदी की भागदौड़ अब खत्म हो गई है। लंदन के वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट सैमुअल गुजी ने सबूतों को पर्याप्त मानते हुए दोनों देशों के बीच करार के तहत नीरव के प्रत्यारोपण को मंजूरी दे दी है। इतना ही नहीं भारतीय न्यायपालिका को निष्पक्ष भी करार दिया है जो बड़ी बात है। भारत सरकार अब मोदी से बैंकिंग घोटाले की पाई पाई मय हर्जाने के वसूलने की हकदार होगी। भारत की इस बड़ी जीत से माल्या जैसे घोटाले बाजों सहित अन्य दागदारों के दिमाग की बत्ती जल गई होगी। प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा भोगती व्यवस्था से सरकार को सबक लेने की जरूरत है ताकि भविष्य में न तो ऐसे घोटाले हो और ना ही दुनियां में कोर्ट कचहरी की दौड़ लगाना पड़े।

- अमृतलाल मारू

महिला दिवस की सार्थकता

भारत देश संस्कृति सभ्यताओं का ऋषियों, मुनियों का वो देश है जो विश्व पटल पर सफलता का परचम लहरा रहा है। हमारे यंहा विगत वर्षों से दिनों की महत्ता के लिए कहि आयोजन होते है।उसी तारतम्य में 8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। अनेको स्थानों पर प्रतियोगिता वेबिनार , नारी शक्ति की सुरक्षा , महत्व पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। खेर रचनात्मक गतिविधियों की आवश्यकता जरूर होना चाहिए ताकि जागरूकता कायम रह सके। परन्तु समझ से परे जब यह लगता है कि कोई भी दिन हो एक दिन बनकर सिमट कर रह जाता है। क्या अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एक दिन ही सार्थकता हासिल करें। अन्य दिन फिर ढाक के तीन पात क्यो नजर आते है... ? इस भारत भूमि पर और विश्व की धरा पर नारी हर समय पूज्यनीय है। परन्तु विगत वर्षों से इनके साथ होने वाले अत्याचारों पर , इनके साथ होने वाली दरिन्दगी की घटनाओं पर अगर गौर करे तो नारी का सम्मान कहि न कही हमारी सभ्यता पर कुठाराघात करते नजर आता है। नाबालिगों के साथ शोषण और महिलाओं के साथ होने वाली अशोभनीय घटनाओं से हमे जागरूक होने की जरूरत है।

- योगेश जोशी

एक देश, एक चुनाव

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में पंचायत से संसद तक चुनाव कराने में अरबो रुपये लगते हैं। जो धन विकास के कार्यो में लगना चाहिये। वह धन चुनावों में खर्च होता है। देश मे लम्बे समय तक चुनावी प्रक्रिया होती है। जिससे तमाम समस्याएं और अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है। प्रधानमंत्री ने एक राष्ट्र एक चुनाव की बात किया था। चुनाव आयोग एक साथ संसद और विधानसभाओं में चुनाव करने को तैयार है। केंद्र सरकार को साहसिक कदम उठाते हुए एक साथ चुनाव करने के लिये कदम उठाना चाहिये।दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका में चुनाव कराने में दस हजार करोड़ रु व्यय वर्ष 2020 में व्यय हुये । जबकि भारत में वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 60 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा लगे। हर पांचवें वर्ष चुनाव कराने का व्यय दुगना हो जाता है। देश के करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने, बेरोजगारी की समस्या और असमानताओं से जूझता समाज। देश हित मे कम खर्चे में चुनाव कराना जरूरी है। सरकार को ई-वोटिंग पर ध्यान देना चाहिए।

- कुलदीप त्रिवेदी

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
pioneerhry@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

किसानों के भले के लिए किए गए सतत प्रयास राज्य में फलीभूत हो रहे हैं और उन्हें अब अपने उत्पादों का बेहतर बाजार मूल्य मिलने लगा है।

- योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

क्या भगवान राम ने भाजपा को धन एकत्र करने का ठेका दिया है? भगवान राम के नाम का इस्तेमाल कर चंदा एकत्र करने वाले वे कौन होते हैं।

- नाना पटोले
महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष

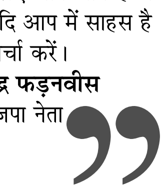

जो पैसे की उगाही करने के लिए जाने जाते हैं वे भक्ति को नहीं समझ सकते। यदि आप में साहस है तो चलिए हम राम मंदिर पर चर्चा करें।

- देवेंद्र फड़नवीस
भाजपा नेता

श्रीमदभगवद गीता जीवन को जीने का दिखाती सुगम रास्ताः मुख्यमंत्री

गीता संग्रहालय एवं म्यूजियम के लघु स्वरुप का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

गीता संग्रहालय एवं म्यूजियम का अवलोकन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि श्रीमदभगवद गीता एक ऐसा ग्रंथ है, जिसको केवल सुनने, पढ़ने या स्मरण करने से काम नहीं चलता है, बल्कि इस ग्रंथ के सार को जीवन में उतारकर इसका लाभ लिया जा सकता है। पवित्र ग्रंथ गीता का अपना एक आभा मंडल है, इसके आभा मंडल में रहेंगे तो जीवन में कोई भी गलत काम नहीं करेंगे, हमेशा अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और जीवन शुद्ध होगा। वे भी अपने साथ एक छोटी गीता अपनी जेब में रखते हैं। इससे अच्छा काम करने की प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को गीता ज्ञान संस्थानम केन्द्र में गीता संग्रहालय एवं म्यूजियम के प्रारम्भिक चरण का उदघाटन करने के उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता के ज्ञान रुपी विकास से ही पूरे विश्व की शंकाए और समस्याएं दूर होंगी। इस ज्ञान के प्रकाश को अपने जीवन में धारण करने के लिए पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को अपनाना होगा। इस पवित्र ग्रंथ गीता के ज्ञान रुपी प्रकाश से ही मानव का डर समाप्त होगा। इन उपदेशों की जन्मस्थली कुरुक्षेत्र को यह गौरव प्राप्त हुआ और इस भूमि से मिले उपदेशों को पूरे विश्व को ज्ञान का प्रकाश मिल रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल, आरएसएस के सह सरकार्यवाह डा. कृष्ण गोपाल, आरएसएस के प्रांत संघचालक पवन जिंदल, गुरु शरणानंद महाराज, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री रतन लाल कटारिया, हरियाणा के खेलमंत्री संदीप सिंह, सांसद नायब सिंह सैनी, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भारत भूषण भारती ने विधिवत रुप से गीता ज्ञान संस्थानम केन्द्र में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से बने गीता संग्रहालय एवं म्यूजियम के प्रारम्भिक चरण का उद्घाटन किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री मनोहर लाल व सभी मेहमानों ने गीता संग्रहालय एवं म्यूजियम का अवलोकन किया।

इस म्यूजियम में भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरुप को देखकर गदगद हो गए। इस संग्रहालय के अध्यात्मिक पहलूओं के बारे में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद और म्यूजियम के बारे में डीवाईसीए के निदेशक डा. महासिंह पूनिया ने मेहमानों को विस्तार से जानकारी दी है। सभी मेहमानों ने इस लघु संग्रहालय की जमकर प्रशंसा भी की है और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद का आभार भी व्यक्त किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल व सभी मेहमानों ने युवाओं के लिए लिखी गई पवित्र ग्रंथ गीता के छोटे स्वरुप का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जीओ गीता संस्थान, जिस प्रकार इसका नाम है, उसी के अनुरुप यह संस्थान गीता का संदेश पूरे विश्व को दे रहा है और पवित्र ग्रंथ गीता को पूरे विश्व में प्रचारित करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि महाभारत से यह पता चलता है कि ठीक व गलत क्या है, सच व झूठ क्या है, उचित-अनुचित क्या है, लेकिन हमें करना क्या चाहिए, कैसे करना चाहिए ये महाभारत में नहीं है, ये सब कुछ पवित्र ग्रंथ गीता में मौजूद है। यह ग्रंथ जीवन जीने का रास्ता दिखाता है, हमें करना क्या है यह तो हम सोच सकते है, लेकिन क्या नहीं करना है ये सिर्फ गीता ज्ञान से पता चलता है। इसलिए जीवन में गीता के ज्ञान को उतारना बहुत जरुरी है। उन्होंने कहा कि सरकार भगवान श्रीकृष्ण के दो बड़े मंदिर, जिनमें वृंदावन में 65 एकड़ में 800 करोड़ की लागत से और बैंगलोर में 700 करोड़ रुपए की लागत से बनाएगी। इसके साथ ही हरियाणा सरकार भी ज्योतिसर को एक विश्व दर्शनीय स्थल बनाने के लिए 150 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर रही है। गुरु शरणानंद जी महाराज ने गीता संग्रहालय एवं म्यूजियम के बनने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शास्त्रों में ज्ञान को सबसे अधिक महत्व दिया गया है और वेदों से भी ज्ञान की प्राप्ति होती है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि कोविड-19 के कारण पूरा विश्व प्रभावित हुआ लेकिन भारत ही एक ऐसा देश था जो महामारी के दौरान भी सुरक्षित स्थिति में रहा। यह तभी सम्भव हो पाया क्योंकि भारत आस्था पर टिका हुआ है। आरएसएस के सह सरकार्यवाह डा. कृष्ण गोपाल ने कहा कि कुछ वर्ष पहले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान गीता ज्ञान संस्थानम केन्द्र में पहुंचने का अवसर मिला और छोटे से अंतराल में ही इस संस्थानम में गीता को लेकर जो संग्रहालय व म्यूजियम बनाया है, वह निश्चित ही दर्शनीय स्थल के रुप में विकसित होगा। आरएसएस के प्रांत संघचालक पवन जिंदल ने कहा कि संग्रहालय का लोकार्पण एक आनंद का अवसर है। इस लघु संग्रहालय से पूरे विश्व को ज्ञान मिलेगा। जीओ गीता के उपाध्यक्ष एवं कुलपति डा. मारकंडे आहुजा ने मेहमानों का स्वागत किया। इस मौके पर विधायक रामकरण काला, विधायक लीला राम गुर्जर, विधायक असीम गोयल, विधायक रणधीर गोलन, विधायक हरविन्द्र कल्याण, विधायक प्रमोद विज, विधायक संजय सिंह, विधायक दीपक मंगला, विधायक कमल गुप्ता, अंजू भाटिया, जीओ गीता दिल्ली के उपाध्यक्ष किशोर अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 300 मरीजों की जांच कर बांटीं निःशुल्क दवाइयां

शिविर में मरीज के स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक।

चन्द्र अग्रवाल। थानेसर

सतयुग दर्शन चैरीटेबल डिस्पेंसरी एवं लैब, शीला नगर द्वारा 10वां निःशुल्क चिकित्सा शिविर न्यू कॉलोनी स्थित सनातन धर्म मंदिर में लगाया गया। शिविर का उद्घाटन नगर परिषद की अध्यक्षा उमा सुधा ने किया। नगर परिषद अध्यक्षा उमा सुधा का शिविर में आने पर डिस्पेंसरी के स्थानीय अध्यक्ष एचसी मुंजाल, सदस्य जितेंद्र अरोड़ा, मनोज गाबा, सतीश कुमार, अमित व लक्की मुंजाल ने बुके भेंट कर स्वागत किया।

शिविर में करीब 300 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई। शिविर में डा. विष्णु दत्त शर्मा व डा. मनीष कुकरेजा ने लोगों को बीमारियों से बचाव व उपाय के तौर-तरीके बताए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ तन में ही निर्मल मन वास करता है। इसलिए स्वच्छता को अपनाएं। उन्होंने नियमित दिनचर्या अपनाने, बीमारियों की समय-समय पर जांच करवाने पर बल दिया।

भोजन को खूब चबाकर खाने की सलाह दी ताकि जल्द पच सके और उसमें शामिल पौष्टिक तत्व शरीर को ऊर्जा दे सकें। शिविर में डा. विष्णु दत्त शर्मा, डा. मनीष कुकरेजा, डा. दिलबाग सिंह, डा. शालिनी, डा. लविशा, फार्मासिस्ट शिखा, लैब टैक्नीशियन कर्मचंद, हैप्पी, विजय, सुमन, अंकिता, राजू व हेमन्त ने मरीजों को चैक किया, उनके टैस्ट किए व मुफ्त दवाईयां दी। इस अवसर पर श्याम जुनेजा, कृष्ण लाल अरोड़ा व संजीव मक्कड़ भी मौजूद रहे।

न्यायिक सेवा प्रशिक्षण परीक्षा में नीरज भारद्वाज रहे प्रथम

भिवानी। बार एसोसिएशन द्वारा 25 जनवरी से संचालित न्यायिक सेवा प्रशिक्षण के तहत 28 फरवरी को बार एसोसिएशन द्वारा प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिवक्ताओं को बार के प्रधान सत्यजीत पिलानिया ने प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। प्रधान ने बताया कि बार एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ता अशोक वशिष्ठ द्वारा संचालित न्यायिक सेवा प्रशिक्षण के द्वारा ली गई परीक्षा में 14 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। जिसमें अधिवक्ता नीरज शर्मा भारद्वाज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, निखिल सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा राजेंद्र सिंह व उमेश मुंजाल तृतीय स्थान पर रहे। बार प्रधान द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिवक्ताओं को मोमेंटो भेंट कर, न्यायिक सेवा प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी अधिवक्ताओं प्रशिक्षु को सम्मान पत्र वितरित किए।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी में आरक्षण देकर दुष्यंत ने जीता स्थानीय युवाओं का दिल

भिवानी। निजी क्षेत्र में नौकरियों में 75 फिसदी हरियाणा प्रदेश के युवाओं के लिए आरक्षण का बिल पास होने पर जेजेपी कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का धन्यवाद किया। देवीलाल सदन में जेजेपी कार्यकर्त्ताओं ने एक कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष विजय गोठड़ा की अध्यक्षता में किया गया। जिला अध्यक्ष गोठड़ा ने कहा कि हरियाणा के युवाओं के लिए सुनेहरा अवसर है। 75 फिसदी आरक्षण बिल पास होने से प्रदेश में अधिक से अधिक युवाओं को प्राईवेट क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान होंगे। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए प्रदेश का युवा दिल्ली जैसे शहरों में जा रहा था, उन्हें अब प्रदेश में ही रोजगार उपलब्ध होगा। युवा जिला अध्यक्ष राजेश भारद्वाज ने कहा कि निजी क्षेत्र में प्रदेश के 75 फीसदी युवाओं को रोजगार सुनिश्चित करके उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने चुनाव से पहले युवाओं के साथ किए गए वायदे को पूरा करके दिल जीतने का काम किया है। इस अवसर पर पूर्व विधायक डा. शिव शंकर भारद्वाज, स्थानीय निकाय प्रदेशाध्यक्ष ईश्वर मान, श्रमिक प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष राफलतालु भी उपस्थित रहे।

जेसीआई महिला विंग ने लगाया मेडिकल कैम्प

भिवानी। जेसीआई भिवानी स्टार की महिला विंग ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के अंतर्गत हुडा पार्क के सामने डॉक्टर राज मेहता और उनके स्टाफ के साथ मेडिकल कैम्प का आयोजन किया। कैम्प जिसमें ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर की निःशुल्क जांच की और एलर्जी किन-किन कारणों से हो सकती है, उसके बारे में बताया। डॉ. राज मेहता ने बताया कि अचानक अस्थमा अटैक आ जाए तो क्या करें। उन्होंने महिलाओं को, किशोरी व किशोरों में उमर के हिसाब से जो हार्मोनल बदलाव होते है उनके बारे में समझाया और महिला और बच्चा विंग ने गिल्ली डंडा, कांच की गोलियाँ, टायर चला कर पारंपरिक खेलों की याद को ताजा कर दिया। वहीं लड़कियों को आत्मरक्षा के प्रति ट्रेनिंग भी दिलायी। संस्था के प्रधान नरेश नागपाल ने कहा कि भिवानी स्टार समय-समय पर इसी प्रकार पारम्परिक खेलों को बढ़ावा देने और मेडिकल कैम्प से लोगों को जागरुक करने के लिए जागरूकता अभियान करता रहेगा। वहीं महिला विंग कि प्रधान गरिमा शर्मा ने महिला दिवस पर महिलाओं को बताया कि आज महिला हर फील्ड में कार्य कर सकती है, चाहे घर का काम हो, चाहे बिजनेस हो, महिलाएं अपनी आत्मरक्षा के लिए कैसे लड़ाई लड़ सकती हैं इसके बारे में भी जानकारी दी।

लॉयन्स क्लब इन्टरनेशनल का क्षेत्रीय सम्मेलन व अवार्ड समारोह

भिवानी। मुस्कान-2021 लिटल हार्टस पब्लिक स्कूल में रिजन चेयरमैन लॉयन संजय गोयल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रांतपाल लॉयन हरदीप सरकारिया मुख्य अतिथि के रूप में तथा उप-प्रांतपाल-1 लॉयन आरके शाह, उप-प्रांतपाल-2 लॉयन एसपी गोयल तथा पूर्व प्रांतपाल लॉयन राजीव अग्रवाल, लॉयन अजय बुद्धराज, लॉयन राजेन्द्र बंसल व लॉयन विजय वीर विशिष्ट अतिथि थे। संयोजक लॉयन संजय अग्रवाल ने बताया कि रिजन चेयरमैन लॉयन संजय गोयल ने पूरे साल में रिजन की विभिन्न क्लबों द्वारा आयोजित किए गए प्रकल्पों के बारे में बताया। मुख्य अतिथि लॉयन हरदीप सरकारिया ने रिजन के क्लबों द्वारा किये गए प्रकल्पों की प्रशंसा करते हुए रिजन चेयरमैन लॉयन संजय गोयल, जोन चेयरमैन लॉयन महेन्द्र गुगनानी व जोन चेयरमैन लॉयन सुनील गर्ग को अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रशंसा-पत्र के द्वारा सम्मानित किया गया। अवार्ड समारोह में लॉयन्स क्लब रोहतक-आन के प्रधान लॉयन महेन्द्र गुगनानी, लॉयन्स क्लब भिवानी-सुरभि के प्रधान लॉयन डाक्टर करण पूनिया, लॉयन्स क्लब भिवानी सिटी के प्रधान लॉयन प्रमोद मिंडुका व लॉयन्स क्लब जीन्द के प्रधान लॉयन राजन जैन को रिजन के बेस्ट प्रधान का अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। लॉयन्स क्लब भिवानी-सुरभि के सचिव लॉयन नरेन्द्र अग्रवाल, लॉयन्स क्लब भिवानी सिटी के सचिव लॉयन अशोक तायल व लॉयन्स क्लब जीन्द के सचिव लॉयन संजीव रोहिला को रिजन के बेस्ट सचिव का अवार्ड से सम्मानित किया गया।

महाशिवरात्रि व्रत आरोग्यता और प्रदान करता मोक्षः डॉ. सुरेश

कुरुक्षेत्र। श्रीदुर्गा देवी मन्दिर पिपली के अध्यक्ष डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि महाशिवरात्रि व्रत हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भगवान शिव का प्रमुख व्रत और पर्व है। महाशिवरात्रि व्रत 11 मार्च गुरुवार को फाल्गुन मास, त्रयोदशी तिथि, धनिष्ठा नक्षत्र, शिव योग, वणिज करण, चंद्रमा मकर राशि में और सूर्य कुम्भ राशि में मनाया जाएगा। महाशिवरात्रि को भगवान भोलेनाथ और मां पार्वती सहित समस्त परिवार की पूजा अर्चना श्रद्धा पूर्वक करने से विशेष फल प्राप्त होता है। महाशिवरात्रि जिसका शिव तत्व से घनिष्ठ संबंध है। यह पर्व शिव के दिव्य अवतरण का मंगल सूचक पर्व है। उनके निराकार से साकार रूप में अवतरण की रात्रि ही महाशिवरात्रि कहलाती है। वह हमें काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सर आदि विकारों से मुक्त करके परम सुख शान्ति एवं ऐश्वर्य प्रदान करते हैं। माना जाता है कि सृष्टि के प्रारंभ में इसी दिन मध्य रात्रि को भगवान् शिव का रुद्र के रूप में अवतरण हुआ था। प्रलय की वेला में इसी दिन प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्मांड को तीसरे नेत्र की ज्वाला से समाप्त कर देते है।

तीन दुकानों से हजारों का सामान चोरी

सिरसा। डबवाली शहर में सिरसा रोड पर वाटर वर्क्स के समीप तीन दुकानों के ताले तोडक़र चोर हजारों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। सुबह दुकानदारों को चोरी की घटना बारे पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस को दिए बयानों में मंडी डबवाली के वार्ड नंबर 18 निवासी मणि सिंह ने बताया कि उसकी वाटर वर्क्स रोड पर रामगढिय़ा मोटर्स के नाम से दुकान है। उसने बताया कि बीती 5 मार्च की रात को वह रोजाना की भांति दुकान मंगल कर घर चला गया। देर रात को चोरों ने दुकान के पिछले गेट को तोडक़र एक वैल्डिंग सेट, चार वैल्डिंग वायर, एक ग्राइंडर, एक ड्रिल चोरी कर ले गए। जब उसने अपने स्तर पर आस पड़ोस में तलाश की तो पता चला कि वार्ड नंबर 12, आदर्श नगर निवासी रोशनलाल की साथ लगती दुकान से भी चोर तीन वैल्डिंग लीड, व कुछ अन्य सामान चुरा ले गए। तीसरी दुकान ओमप्रकाश ग्रोवर निवासी एकता नगरी वार्ड नं 8 मंडी डबवाली की छत तोड़कर दुकान से करीब 2 क्विंटल तांबे की तार चुरा कर ले गए।

किसानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी: भारूखेड़ा

सिरसा। हरियाणा किसान मंच के प्रदेशाध्यक्ष प्रहलाद सिंह भारूखेड़ा ने कहा कि किसानों की शहादत को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा।

सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिए हर प्रकार के हथकंडे अपनाए, लेकिन उसे चहुंओर से मुंह की खानी पड़ी है। सरकार बुरी तरीके से अपने ही चंगुल में फंस चुकी है। उसे कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। भारूखेड़ा ने कहा कि पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार ने आम जनता को महंगाई की चक्की में पिसने को मजबूर कर दिया है। महंगाई से जनता त्राहि-त्राहि कर रही है, लेकिन सरकार को इसकी चिंता नहीं है। उसे तो बस पूंजीपति घरानों के घर भरने की चिंता है। जब तक सरकार तीनों कृषि कानूनों को वापस नहीं लेती।

खेल समय की बर्बादी नहीं अपितु एक अच्छा व्यायाम: प्रो. सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

मनोज कुमार बॉक्सिंग एकेडमी में मुक्केबाजों को संबोधित करते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जिसने पदकों से विश्व में तिंरगा फहराकर देश को गौरवान्वित किया हो उनके नाम पर स्थापित की गई बॉक्सिंग एकेडमी अदभुत और काबिले तारीफ है क्योंकि यह एकेडमी अंतरराष्ट्रीय स्तर के सभी मापदंडों को पूरा करती है।

कुलपति ने कहा कि खेलों का भी हमारे जीवन में बहुत महत्व है, खेल भी उतने ही आवश्यक है जितनी की पढ़ाई, पढ़ाई के लिए स्वस्थ मस्तिष्क चाहिए और स्वस्थ मस्तिष्क स्वस्थ शरीर में ही निवास करता है शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल अनिवार्य हैं। खेल समय की बर्बादी नहीं है खेल एक अच्छा व्यायाम है और जीवन में नई ऊंचाइयों पर पहुंचने का रास्ता है। खेल खेलने से आलस्य दूर भागता है, चित्त प्रसन्न होता है।

आम जनमानस के जीवन की धुरी है भारतीय रेल : महावीर डालमिया

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी।

भारतीय रेल आम जनमानस के जीवन की धुरी हैं, जिसमें सफर करके देश के लाखों लोग अपने गंतव्य तक पहुंचकर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। कोरोना काल में हर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। भारतीय रेल भी इससे अछूता नहीं रहा। जिससे गाड़ियों का आवागमन अब तक सामान्य नहीं हो पाया है। जिससे आम जनता को इसका खामियाजा अब तक भुगतना पड़ रहा हैं।

ये बातें भिवानी जंक्शन पर नई-दिल्ली एवं चंडीगढ़ के लिए एक्सप्रेस गाड़ी को पहले की तरह निर्धारित रूट पर सुचारु रूप से चलाने की मांग को लेकर रेलवे मंत्री एवं मंडल प्रबंधक उतर पश्चिम रेलवे, बीकानेर के नाम स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौपते हुए दैनिक रेल यात्री जनकल्याण संघ के प्रधान महावीर डालमिया ने कहीं। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस की वजह से पैदा हुई परिस्थितियों की वजह से जहां एक तरफ दैनिक रेल यात्रियों, व्यापारियों एवं आम जनता को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सही समय पर नई-दिल्ली एवं चंडीगढ़ के लिए एक्सप्रेस गाड़ी का संचालन न होने के चलते आम जनता में आक्रोश है। इन गाड़ियों में दैनिक यात्री, कर्मचारी, चंडीगढ़ हाईकोर्ट जाने वाले एडवोकेटस, निम्न एवं मध्यम वर्ग के लगभग 7000 दैनिक यात्री दिल्ली व चंडीगढ़ आते जाते हैं।

कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए भिवानी को मिला द्वितीय पुरस्कार

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी।

जिला भिवानी के लिए बड़ी ही खुशी की बात है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान में वर्ष 2020 में प्रभावी ढंग से कार्य करने में भिवानी प्रदेशभर में दूसरे स्थान पर रहा है, ऐसे में प्रदेश सरकार द्वारा जिला को तीन लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार अंतरर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आठ मार्च को चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय समारोह में उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के हाथों से प्रदान किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में उपायुक्त आर्य को करेंगे सम्मानित

कन्या भ्रूण हत्या को रोकने लिए देश व प्रदेशभर में चलाए गए अभियान के साथ ही जिला में भी निरंतर प्रयास किए गए और अब भी जारी हैं। संदिग्ध अंट्रासाऊंड केंद्रों पर छापेमारी की जा रही है और कन्या भ्रूण हत्या करने वालों व लिंग जांच करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जिला में किए जा रहे निरंतर प्रयासों की बदौलत ही जिला का लिंगानुपात में गुणात्मक सुधार हुआ। जिला में फिलहाल लिंगानुपात 921 है। इसी के चलते जिला को प्रदेश में दूसरा स्थान मिला है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के हाथों उपायुक्त आर्य को दिए जाने वाले पुरस्कार का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा।

पार्क में खड़े हरे भरे पेड़ों पर चलाया कुल्हाड़ा

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

पार्क में कटे पड़े पड़े।

सेक्टर-4 के पार्क में खड़े हरे-भरे पेड़ों की म्यूनसीपल कौंसिल थानेसर के कर्मचारियों ने कुल्हाड़ा चलाकर काट दिया।

ग्रीन अर्थ संगठन के सदस्य डा. नरेश भारद्वाज ने बताया कि पेड़ों को काटना एनजीटी के आदेशों व पर्यावरणीय कानूनों की जानबूझकर अवेहलना हैं। 6 व 7 मार्च को पार्क में खड़े हरे-भरे पेड़ों को म्यूनसीपल कौंसिल के कर्मचारियों ने काट डाला। जैसे ही ग्रीन अर्थ संगठन को सूचना मिली, म्यून्सीपल कौंसिल के अधिकारियों को शिकायत करके तुरंत कटाई रुकवाई गई हैं। डॉ नरेश भारद्वाज ने बताया कि एक तरफ सरकार पेड़ लगाने पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, हर घर हरियाली योजना चला रही है, दूसरी और खुद म्यून्सीपल कौंसिल पार्कों में खड़े हरे-भरे पेड़ों की बलि चढ़ा रही है। ये विरोधाभास है। पार्क सार्वजनिक स्थान है जिसमें खड़े पेड़ आस-पास के इकोसिस्टम को बनाये रखने में मदद करते हैं, यदि पार्कों से भी हरे-भरे पेड़ इसी तरह से काटे जायेंगे तो प्रशासन द्वारा पौधरोपण का क्या फायदा। ग्रीन अर्थ ने उपायुक्त व डिस्ट्रिक्ट म्युनिसिपल कमिश्नर को शिकायत भेजी है।

सिरसा के दस बच्चे अब बड़े शहर में करेंगे हुनर का प्रदर्शन

सिरसा। मिसेज इंडिया दिवा क्वीन अर्चना शर्मा सिरसा पहुंची और सेठ तुलाराम धर्मशाला में मलिका-ए-ताज सीजन 3 शो के लिए ऑडिशन लिया।जयदेव सहदेव चेरिटेबल ट्रस्ट व अस्तित्व एंटरटेनमेंट की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में जिलाभर से लगभग 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें से 10 प्रतिभागियों का चयन किया गया। अर्चना शर्मा ने बताया कि चयनित प्रतिभागियों को ग्रांड फिनाले में मौका दिया जाएगा। दरअसल अभी अन्य स्थानों पर भी ऑडिशन लिए जा रहे है, इसके बाद अप्रैल माह में ग्रांड फिनाले होगा।

शिक्षा समाज पोषित एवं संवेदना पैदा करने वाली हो: जितेन्द्र

भिवानी। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। शिक्षा समाज पोषित एवं संवेदना पैदा करने वाली होनी चाहिए। ये सभी बातें नई शिक्षा नीति में शामिल हैं।

ये विचार चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं भारतीय शिक्षण मंडल के प्रांत अध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने नीति आयोग एवं भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आदर्श महिला महाविद्यालय में आयोजित सेमिनार में शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि गांधीजी ने कहा था कि शिक्षा से थ्री एच यानि हैंड, हार्ट और हैड का विकास होना चाहिए। नई शिक्षा नीति में यह तीनों ही बातें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मैकाले की शिक्षा नीति केवल अंग्रेजी साम्राज्य को बनाए रखने और देश में बाबू बनाने तक सीमित थीं। 1947 में सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयोग ने भी मातृ भाषा में शिक्षा प्रदान करने की बात की थी।

फैशन इंडस्ट्री में महिलाओं का योगदान अहम् : पायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली।

आज के समय में हमारे समाज में महिलाएं हर क्षेत्र में समान रूप से अपनी भागीदारी दे रही है। इसी का एक हिस्सा है फैशन इंडस्ट्री, जिसमें महिलाओं की भागीदारी बहुत अहम है या आप कह सकते हैं की ये इंडस्ट्री महिलाओं के योगदान के बिना अधूरी है।

इस समय फैशन इंडस्ट्री में महिलाओं का बोलबाला है जिसमे टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया का भी महत्वपूर्ण योगदान है। ये आज की टेक्नोलॉजी की बदौलत ही है कि हम इतने सारे स्टार्टअप्स को उभरते हुए देख रहे है। इसके इलावा सबसे एहम सरकार द्वारा स्टार्टअप को दी जाने वाली सुविधाएं हैं, यही कारण है की आज युवा रिस्क लेने में कतराते नहीं है। पायल जो की फैशन और लाइफ स्टाइल इंडस्ट्री से पिछले 15 सालों से जुडी है। अमेरिका में भी एक डिजाइनर, निर्माता और क्यूरेटर के रूप में काम कर चुकी है, ने 2014 में एट्सी पर एक ब्रांड नाम 'किंच बाय पायल' से अपना स्टोर खोला। पायल ने बताया की इस स्टोर को खोलने के पीछे मेरा उदेश्य विंटेज परिधान को लोगों तक पहुंचाना है। हमारे यहां सभी कपड़े हाथों से बनाये जाते हैं। जिसमें बहुत दिन की मेहनत और रिसर्च लगती है। मुझे लगता है एट्सी मुझ जैसे डिजाइनर के लिये एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है जिसकी मदद से हम अपने प्रोडक्ट्स को भारत के अलावा दूसरे दशों में बेच सकते है।

रिलायंस ज्वेल्र्स ने अपने नए कलेक्शन 'आदिरा' के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

महिलाओं की लोच और शक्ति द्वारा प्रेरित पेंडेंट्स के खूबसूरत कलेक्शन को लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

भारत के प्रमुख और विश्वसनीय ज्वेलरी ब्रांड, रिलायंस ज्वेल्र्स ने महिलाओं की अदम्य भावना के सम्मान में एक विशिष्ट पेंडेंट 'आदिरा' लॉन्च किया है। इस पेंडेंट की डिजाइन में पौराणिक अमरपक्षी फीनिक्स के भाव की छवि है, जो आशा, साहस, और धैर्य का प्रतीक है। यह महिलाओं के प्रति सम्मान का प्रदर्शन है, जो हमेशा सभी कठिनाइयों के विरुद्ध उठ खड़ी होती है। इस डिजाइन में महिलाओं की आभामंडल का चित्रण है, जो सतत दृढ एवं स्नेहिल भावना को प्रेरित, विकसित और आत्मसात करती हैं।

अमरपक्षी फीनिक्स की जटिल रूपरेखा का चित्रण करता हुआ यह पेंडेंट अत्यंत सुन्दर डायमंड्स के साथ 14 कैरट गोल्ड में बनाया गया है। आपके अंदाज को परिपूर्ण करने के लिए आपके ज्वेलरी कलेक्शन में एक उपयुक्त नग है। इसे औपचारिक और अनौपचारिक, दोनों परिधानों के साथ पहना जा सकता है। रिलायंस ज्वेल्र्स की दृढ मान्यता है कि महिलाएं सदैव ही शक्ति और सोच का प्रतीक रही हैं। वे अपनी राह में आने वाली समस्त चुनौतियों के बावजूद हमारे-आपके जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर सहारा देती हैं। इस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हम विशेष रूप से तैयार किये गए इस पेंडेंट के माध्यम से नारीत्व की भावना का सम्मान करना चाहते हैं। राख से उठकर आसमान नापने के लिए प्रसिद्ध अमरपक्षी फीनिक्स के गुणों को देखते हुए हमारा कलेक्शन 'आदिरा' सभी सुदृढ और शक्तिशाली महिलाओं का स्तुतिगान करता है जो समस्त कठिनाइयों के विरुद्ध उठ खडी होती हैं। यह कलेक्शन सम्पूर्ण भारत में रिलायंस ज्वेल्र्स की सभी दुकानों पर उपलब्ध है। आप इस महिला दिवस पर सोने के आभूषणों की बनाई पर 20 फीसद तक और डायमंड के आभूषणों की कीमत पर 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट का लाभ उठा सकती है।

> यह महिलाओं के प्रति सम्मान का प्रदर्शन है, जो हमेशा उठ खड़ी होती है सभी कठिनाइयों के विरुद्ध

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

अगर यकीन है अपने आप पर तो चल कर दिखाओ,
सहमे सहमे से क्यों हो कुछ मचल कर दिखाओ,
तुम्हें कोई रोक न पाएगा ये यकीन मेरा भी है,
यकीन को यकीन मत रहने दो हकीकत में बदल कर दिखाओ।

प्रदेश सरकार ने पांच आईएएस और 14 एचसीएस के किये तबादले

हरियाणा में कई जिलों के एडीसी और एसडीएम बदले

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़।

प्रदेश सरकार ने पांच आईएएस व 14 एचसीएस अधिकारियों की नई नियुक्ति व स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। रविवार को पांच जिलों के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) और 9 शहरों के एसडीएम का तबादला किया गया है।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण फरीदाबाद के प्रशासक प्रदीप दहिया को सिटीजन रिसोर्स इंफोरमेशन डिपार्टमेंट का निदेशक नियुक्त किया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के एडिशनल सेक्रेटरी का जिम्मा भी दहिया को सौंपा है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त सचिव कृष्ण कुमार को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण फरीदाबाद का प्रशासक और अतिरिक्त निदेशक शहरी संपदा, फरीदाबाद लगाया गया है।

नगर निगम गुरुग्राम की अतिरिक्त आयुक्त जसप्रीत कौर को पानीपत का अतिरिक्त उपायुक्त लगाया गया है। इसके साथ ही पानीपत के अतिरिक्त

उपायुक्त और नगर निगम पानीपत के आयुक्त मनोज कुमार-2 को जींद का अतिरिक्त उपायुक्त लगाया गया है।

महेंद्रगढ़ के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) और कनीना के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) विश्राम कुमार मीणा को गन्नौर का उपमंडल अधिकारी (नागरिक) लगाया गया है। इसके साथ ही एचसीएस अधिकारियों में मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी गुरुग्राम और झज्जर के अतिरिक्त उपायुक्त वत्सल वशिष्ठ को मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी गुरुग्राम और नगर निगम, पानीपत का आयुक्त लगाया गया है। नूंह के अतिरिक्त उपायुक्त और नूंह के जिला नगर आयुक्त जगनिवास को झज्जर का अतिरिक्त उपायुक्त लगाया गया है। जिला परिवहन अधिकारी-सह-सचिव, आरटीए, झज्जर डॉ. सुभिता ढाका को नूंह का अतिरिक्त उपायुक्त और नूंह का जिला नगर आयुक्त लगाया गया है। सहकारी चीनी मिल, कैथल की प्रबंध निदेशक पूजा चावरिया को विकास एवं पंचायत विभाग का संयुक्त निदेशक (प्रशासन) लगाया गया है।

आरटीए नूंह के सचिव गौरव अंतिल को टोहाना का उपमंडल अधिकारी (नागरिक) लगाया गया है। विकास एवं पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त निदेशक (प्रशासन) और क्षेत्रीय प्रशासक, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड हिसार सुमित कुमार को नगर निगम गुरुग्राम का संयुक्त आयुक्त लगाया गया है। गन्नौर के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) सुरेंद्र पाल को रादौर का उपमंडल अधिकारी (नागरिक) लगाया गया है। आरटीए यमुनानगर के सचिव भारत भूषण को रतिया का उपमंडल अधिकारी (नागरिक) लगाया गया है। झज्जर की उपमंडल अधिकारी (नागरिक) शिखा को सहकारी चीनी मिल कैथल का प्रबंध निदेशक लगाया गया है। रादौर के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) विनेश कुमार को हरियाणा रोडवेज पंचकूला का महाप्रबंधक लगाया गया है।

बनाता है सबके बिगड़े काम सिरसा का श्रीतारकेश्वर धाम

-विश्व में सिरसा की पहचान बन चुकी है बाबा ताराजी की कुटिया

सिरसावासियों को कांडा बंधुओं ने बाबा तारा कुटिया के रूप में दी सौगात

शिल्पी जैन। सिरसा

किसी भी स्थल की श्रेष्ठता और पवित्रता वहां होने वाले धार्मिक और सामाजिक कार्यों से तय होती है। धार्मिक और सामाजिक कार्यों से ही सिरसा की पहचान होती है। सिरसा को डेरों की भूमि कहा जा सकता है, संतों और महापुरुषों की चरणरज से भूमि पवित्र होती रही है और संतों का आशीर्वाद सदैव लोगों पर बना हुआ है। श्री बाबा तारा जी की कृपा सदैव लोगों पर बनी रहती है।

सिरसा के विधायक, पूर्व गृहराज्यमंत्री, हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा और उनके अनुज गोबिंद कांडा ने श्रीबाबा तारा जी की तप और कर्मस्थली को भव्य रूप देते हुए वहां पर श्रीबाबा तारा कुटिया का निर्माण करवाया। जिसे तारकेश्वर धाम के नाम से जाना जाता है। यह धाम विश्व में विख्यात हो चुका है।

कुटिया में है विशाल नेत्रालय

कुटिया परिसर में श्रीबाबा ताराजी चेरिटेबल अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की ओर से विशाल नेत्रालय दस दिसंबर 2006 को स्थापित किया गया। जहां पर अब तक 50 हजार से अधिक मोतियाबिंद के आपरेशन हो चुके हैं। आयुर्वेदिक अस्पताल भी संचालित है। पहले यहां पर 274 जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक विवाह किया जा चुका है। अब नौ मार्च को 51 जरूरतमंद कन्याओं का सामुहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा।

विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा है कुटिया में

कुटिया में जो श्रद्धालु पहली बार आता है वह बाद में बार-बार आता है, यहां पर मुख्य आकर्षण का केंद्र शिव प्रतिमा, शिवालय, नंदीश्वर और गुफा हैं। शिवालय 71 फुट ऊंचा है, यहां पर स्थापित शिवलिंग महाराजा विक्रमादित्य की राजधानी उज्जैन से लाया गया है। जिसका उदगम स्थल नंदेश्वर ओंकारेश्वर से नर्मदा नदी है। यह त्रिशूल युक्त शिवलिंग है। भगवान शिव की सवारी नंदी के लिए बड़ा प्लेटफार्म बना हुआ है। जिस पर नंदी महाराज विराजमान है। इसके साथ ही भगवान शिव की 108 फुट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। जिसे भगवान शिव की विश्व कर सबसे बड़ी खड़ी प्रतिमा माना जाता है। जिसका निर्माण पिलानी के प्रख्यात मूर्तिकार मातूराम द्वारा बनाया गया है। इस पर तांबा की पालिश है। मूर्ति के तिलक, नाभी, कुंडल, कड़े सोने के है।

भाजपा सरकार हर मोर्चे पर हुई विफल: भूपेन्द्र हुडडा

पदक लाओ पद पाओ नीति को निरस्त करना खिलाड़ियों का अपमान

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

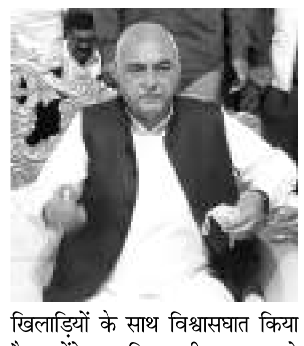

पूर्व मुख्यमंत्री व प्रतिपक्ष नेता भूपेन्द्र सिंह हुडडा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। मंहगाई, कानून व्यवस्था को लेकर लोगों में भारी रोष है। बेरोजगारी में हरियाणा देश में नम्बर वन हो गया है। ऐसा लगता है कि प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आज तक जो भी फैसले लिए है सभी जनविरोधी सबित हुए है।

उन्होंने कहा कि पदक लाओ पद पाओ की नीति को निरस्त करके मौजूदा सरकार ने प्रदेश के खिलाड़ियों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए इस नीति को लागू किया था ओर इसके अच्छे परिणाम सामने आए जबकि मौजूदा सरकार ने इस नीति को खत्म करके खिलाड़ियों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आने पर खिलाड़ियों के लिए बढ़िया खेल नीति बनाई जाएगी। हुडडा आज यहां विवान रिसार्ट में द्रोणाचार्य अवार्डी कृष्ण कुमार हुडडा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर प्रदेश के अनेक पदक विजेता खिलाडी मौजूद थे। हुडडा ने कहा कि प्रदेश सरकार के खिलाफ दस मार्च को अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा इस दौरान कई ऐसे चेहरे बेनकाब होंगे जो लोगों के बीच तो कुछ बोलते है ओर वहा क्या करते है। निजी नौकरियों में प्रदेश के लोगों के लिए 75 फीसदी आरक्षण पर हुडडा ने कहा कि ऐसा करके सरकार ने प्रदेश के लोगों के साथ विश्वासघात किया है।

14 महीने में बनेगा करनाल का भव्य शक्ति धाम मंदिर

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

सेक्टर-36 में बनने वाला शक्ति धाम मंदिर ना केवल करनाल बल्कि पूरे हरियाणा के लिए एक अमूल्य सौगात होगा। इसे तैयार होने में करीब 14 महीने लगेंगे। जिसके बाद इसका भव्य रुप देखने लायक होगा।

रविवार को पारस चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से पारस परिवार के मुखिया पारस भाई ने धार्मिक अनुष्ठान एवं मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से मंदिर का भूमि पूजन किया। करीब 10 हजार स्कायर फीट में बनने वाले इस मंदिर में श्रद्धा व उल्लास का संगम देखने को मिलेगा जहां

नवदुर्गा शक्ति के सभी स्वरूपों के दर्शन होंगे वहीं नौ ग्रहों की आराधना करने का सौभाग्य भी श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। रविवार को अंसल टाउन में हुए मंदिर की भूमि पूजन के दौरान यह नव दुर्गा की पूजा अर्चना की गई वहीं श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के जयकारे लगाए।

भूमि पूजन के बाद प्रेस वार्ता के दौरान पारस परिवार के मुखिया भाई पारस ने बताया इस मंदिर मे मॉं भगवती के नौ रूप, भगवान शिव का परमपरागत स्थान शिवालय , कृष्ण मंदिर, हनुमान छतर, गणपति मंच, शनि देव स्थान के साथ नवग्रहों का स्थान होगा।

रजिस्ट्री के मामले में फर्जीवाडा करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

फर्जी प्रापर्टी आईडी बना कर नो ड्यूज प्रमाणपत्रों के जरिए रजिस्ट्री घोटाले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में अमित पुत्र राजेश वासी प्रेम नगर करनाल व राजीव पुत्र भूपेंदर सिंह वासी गांधी नगर करनाल शामिल है। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश करके दो दिन का रिमांड हासिल किया है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार जांच में पाया गया कि डीयूएलबी पोर्टल पर लॉग-इन करने के लिए सिटिजन के द्वारा दिये गये मोबाइल नम्बर पर एक ओटीपी आता है। उस ओटीपी के माध्यम से पोर्टल में लॉग इन किया जा सकता है। जांच के लिए लिये गये रिकार्ड के अनुसार पाया गया कि मोबाइल नम्बर 99999-99990 नगर निगम कार्यालय के कर्मचारी के द्वारा ही बदला गया था ना कि पोर्टल को हैक करके बदला गया था।

पुलिस के अनुसार अमित के पास अपने तीन अटल सेवा केंद्र हैं। जो कि अटल सेवा केंद्र होने के कारण डीड राईटर अमित को जानते थे और अमित अटल सेवा केंद्र के कामों के कारण उनके पास आता-जाता रहता था। अमित डीड राईटरों को नगर निगम में अपनी अच्छी जानकारी होने व काम को जल्दी करवाने की कहता था।

हर गांव से महिलाएं आज करेंगी धरने में भागीदारी: तालु

भिवानी। महिला दिवस के अवसर पर कल सोमवार को दिल्ली बॉर्डर पर जारी किसान धरने में महिलाएं धरने की बांगडोर संभालेंगी। प्रदेश व जिला के प्रत्येक गांव से महिलाएं धरने पर पहुंचेंगी। बता दे कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर दिल्ली बॉर्डर पर जारी किसानों के धरने पर महिला दिवस मनाया जाएगा। जिसमें धरने की कमान पूरी तरह से महिलाओं के हाथ मे होगी। किसान नेता जोगेंद्र तालु ने कहा कि महिलाएं हमारे देश की कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। दुनिया का पहला किसान महिला को ही माना जाता है। उनके बिना खेतीबाड़ी की कल्पना करना भी मुश्किल है। घर में चूल्हे चौके से लेकर पशुधन को पालने से लेकर फसल की कटाई, निराई, गुड़ाई, धुलाई और चुगाई में महिलाओं की भूमिका को नजर अंदाज नहीं किया।

10 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोपित एजेंट गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। थाना सदर पिहोवा पुलिस ने यूएसए भेजने के नाम पर 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोपित एजेंट मलकीत सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी सैनी प्लाट पिहोवा को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता रोशन लाल ने बताया कि 28 मार्च को गुरप्रीत पुत्र अशोक कुमार वासी बोधनी ने थाना सदर पेहवा पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि उसने दो साल पहले अम्बाला से अपना पासपोर्ट बनवाया था उस समय उसकी बात एजेंट मलकीत सिंह पुत्र जोगिन्द्र वासी सैनी प्लाट जिला कुरुक्षेत्र से बाहर जाने बारे हुई थी।

पंजाबी सेवा सदन ने बांटा जरूरतमंद परिवारों को राशन

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

पंजाबी सेवा सदन ने आज रविवार को सदन के प्रांगण में एक सीमित कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंद परिवारों को राशन किट प्रदान की गई। इस मौके पर सदन के काफी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

वहीं इस मौके पर पंजाबी सेवा सदन द्वारा 14 मार्च को मनाये जाने वाले स्थापना दिवस कार्यक्रम बारे भी विचार विमर्श किया गया। पंजाबी सेवा सदन के प्रधान प्रदर्शन परथी ने बताया कि संस्था द्वारा आयोजित यह आठवां स्थापना दिवस है। परथी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रमुख समाजसेवी सुधीर मेहता शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद के वाइस चेयरमैन डॉक्टर पवन थरेजा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 14 मार्च को सुबह 9:00 बजे पहले सदन प्रांगण में हवन किया जाएगा। सायं 6:00 बजे स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत होगी।

तीन एकड़ गन्ने की फसल जलकर नष्ट

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

छोटाबांस में बकाना रोड पर रविवार की दोपहर को बिजली की तारों के आपस में टकराने उपरांत आग लगने पर लगभग तीन एकड़ में खड़ी गन्ने की फसल जलकर नष्ट हो गई। आग लगने के बाद काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे और आग पर पानी डालकर आग को बुझाने की कोशिश की। लेकिन तेज हवाओं के चलते आग ने भयंकर रूप धारण कर लिया। आग बेकाबू हो गई। जिसके बाद मामले की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद

छोटाबांस में बिजली की तारों के आपस में टकराने से गन्ने की फसल में लगी आग।

आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक प्रभावित किसान को लाखों रुपये का नुकसान हो चुका था। प्रभावित किसान मलखान सिंह ग्रेवाल ने बताया कि वह छोटाबांस में बकाना रोड पर खेती करते है। रविवार की दोपहर को लगभग डेढ़ बजे बिजली की ढ़ीली तारों के आपस में टकराने पर उनकी लगभग 3 एकड़ में खड़ी गन्ने की फसल में आग लग गई।

संक्षिप्त समाचार

खेलों से ही अनुशासन और धैर्य का होता है विकासः मांगेराम

रादौर। गांव बहादुरपुर में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मांगेराम मारुपुर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से उनका परिचय प्राप्त किया और रीबन काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मांगेराम मारुपुर ने कहा कि खेलों के माध्यम से न सिर्फ मनुष्य शारीरिक रुप से स्वस्थ रह सकता है, बल्कि अपने मानसिक तनाव को भी दूर कर सकता है। इसके साथ ही खेलों से सामाजिक बनने में भी सहायता मिलती है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। खेलों से ही अनुशासन, सहनशीलता और धैर्य जैसे गुणों का विकास भी होता है। इसलिए, युवाओं को खेलो में रूचि रखनी चाहिए और समय समय पर खेल प्रतियोगिताओं में भी भाग लेना चाहिए। इस मौके पर राजिन्द्र कांबोज सरपंच, जयंत, कपिल, विनय, मोहित इत्यादि उपस्थित थे।

महर्षि कश्यप के विचार, आदर्श व नीतियां प्रेरणादायक : गौरव

कैथल। युवा भाजपा नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी गौरव मित्तल पाडला ने कहा कि महर्षि कश्यप ने समाज को एक नई दिशा दी थी और उनके विचार, आदर्श व नीतियां आज भी सबके लिए प्रेरणादायक है। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए मानवता की सेवा कर उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना चाहिए। गौरव पाडला आज युवा कश्यप जागृति मिशन समिति कैथल द्वारा महर्षि कश्यप जयंती पर गुरु महर्षि कश्यप मंदिर सूर्यकुंड कैथल पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित समूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि ने महर्षि कश्यप के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर नमन किया और पूजा अर्चना कर भंडारे का शुभारंभ किया। इस मौके पर अपने संबोधन में गौरव पाडला ने कहा कि महर्षि कश्यप ऋषि मुनियों में श्रेष्ठ मुनि थे और पुराणों के अनुसार हम सब कश्यप की संतान है। समस्त देव एवं मानव जाति ऋषि कश्यप की आज्ञा का पालन करते थे। कश्यप ऋषि ने बहुत से स्मृति ग्रंथों की रचना की है। जो आज भी हमारा मार्गदर्शन करते है। कश्यप समाज महर्षि कश्यप के दिखाए मार्ग पर चलते नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा में सदैव तत्पर रहता है। कार्यक्रम में यहां पहुंचने पर कार्यक्रम आयोजकों ने गौरव पाडला का फूलों की माला डालकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विशाल भंडारे में गौरव पाडला ने समिति सदस्यों व श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर समिति के संस्थापक नोनी कश्यप, प्रधान जयभगवान कश्यप, उपप्रधान गौरी कश्यप, कोषाध्यक्ष नानक कश्यप, सचिव रमेश कश्यप, सुरेश बलराम, सतीश, नंदा, बलविंद्र, रामकिशन, दीपक सहित कई पदाधिकारी, सदस्य व गण्यमान्य लोग मौजूद थे।

रक्तदाता ही बचा सकते हैं अमूल्य जीवन : सैनी

कुरुक्षेत्र। रक्त का कोई विकल्प नहीं है, दुर्घटना या अन्य गंभीर बीमारी की अवस्था मे केवल रक्तदाताओं द्वारा दिया गया। रक्त ही किसी का जीवन बचा सकता है। सर्व समाज कल्याण सेवा समिति एवं महात्मा ज्योतिबा फुले यूथ ट्रस्ट के तत्वावधान में गांव हरिपुर में आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान मुख्यातिथि बलविंद्र सैनी नंबरदार ने यह बात कहीं। शिविर की अध्यक्षता सुरजीत सैनी ने की। शिविर का आयोजन अंतराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर किया गया जिसमें 61 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। मुख्यातिथि बलविंद्र सैनी व सुरजीत सैनी का शिविर में पधारने पर सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी व संरक्षक नरेश सैनी ने स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। इस अवसर पर माया चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा सीमा सिंह द्वारा मेंटल अवेयरनेस कैंप का भी आयोजन किया गया। मुख्यातिथि बलविंद्र सैनी ने बताया कि प्रकृति में मनुष्य के रक्त का कोई विकल्प नहीं है तथा विज्ञान द्वारा भी अभी तक इसका कोई विकल्प नहीं ढूंढा जा सका है।

कांग्रेस पार्टी में हर वर्ग के लोगों के हित सुरक्षितः सुरेंद्र

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस नेता सुरेंद्र सैनी ने कहा कि कांग्रेस ही एक मात्र ऐसी पार्टी है। जिसमें समाज के हर वर्ग के लोगों के हित सुरक्षित हैं। कांग्रेस ने सदा गरीब, दलित एवं समाज के पिछड़े वर्ग के लिए कल्याणकारी नीतियां बना कर उनके उत्थान का कार्य किया है, लेकिन भाजपा सरकार ने चुनाव से पूर्व जनता से लंबे चौड़े वायदे किए थे। उन्होंने एक भी वायदा पूरा नहीं किया। वे गांव बहादुरपुरा में आयोजित एक कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता सुरेंद्र सैनी की अगुवाई में अनेक लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा। कांग्रेस में शामिल हुए सभी लोगों का कांग्रेसी नेता सुरेंद्र सैनी ने स्वागत करते हुए कहा कि उनको पार्टी में पूरा मान सम्मान दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रेम चंद शाक्य, मोहनलाल, इंद्रजीत, कुलजीत राम, हुकम चंद कश्यप, मदन लाल शाक्य, जगीर सिंह, रोशन लाल सैनी, सुरेश वालिया, ओमप्रकाश कश्यप, विशाल शाक्य, देवी दयाल, जगदीश शाक्य, खुशीराम, नेकराम, रामेश्वर सैनी सहित अनेक लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा। कांग्रेस में शामिल होने वाले सभी लोगों का समाजसेवी बलवंत सैनी व गांव बहादुरपुरा के पूर्व सरपंच सोहन लाल नागपाल ने स्वागत किया।

देश का सबसे बड़ा किडनी डायलिसिस अस्पताल शुरू, होगा नि:शुल्क इलाज

राष्ट्रीय राजधानी में, 101 मरीजों का एक ही समय में हो सकेगा डायलिसिस, जल्द ही बढ़ेंगे 1000 बेड : मनजिंदर सिंह सिरसा

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

बाला साहिब अस्पताल दिल्ली का आज रविवार को लगभग 20 वर्षों तक बंद रहने के बाद, बाबा बच्चन ने उद्घाटन किया। गुरुद्वारा बाला साहिब परिसर में बने देश के सबसे बड़े इस किडनी डायलिसिस अस्पताल का नाम पंथ रतन बाबा हरबंस सिंह जी कार सेवा वालों के नाम पर रखा गया है। यह अस्पताल 24 घंटे संचालित होगा। उद्घाटन से पहले गुरुद्वारा बंगला साहिब के प्रमुख ग्रंथी ज्ञानी रणजीत सिंह ने अरदास की।

तख्त श्रीपटना साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रणजीत सिंह, दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा, तख्त पटना साहिब प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अवतार सिंह हित, हरमीत सिंह कालका महासचिव, कुलदीप सिंह भोगल, रणजीत

डायलिसिस अस्पताल के उद्घाटन पर प्रधान मनजिंदर सिंह सिरसा, सर्वजीत सिंह विर्क और अन्य।

कौर, सर्वजीत सिंह विर्क, अन्य पदाधिकारी, किसान नेता राकेश टिकैत, राजिंदर सिंह चड्ढा और बड़ी संख्या में संगत उपस्थित थे। परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए, श्रीसिरसा और श्रीविर्क ने बताया कि यह पूरे सिख समुदाय के लिए एक गर्व का अवसर है। विशेष रूप से दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के लिए, जिसने देश के सबसे बड़े अस्पताल को बनाने और शुरू करने के लिए पूरी योजना के

केवल सिख समुदाय ही ऐसा काम कर सकता: राकेश टिकैत

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा, हम 20 वर्षों से इस इमारत को देख रहे हैं और चकित थे कि काम शुरू करने वाले सिख कभी हार नहीं मानते। उन्होंने कहा कि केवल सिख समुदाय ही ऐसा काम कर सकता है। उन्होंने कहा कि जब महेंद्र सिंह टिकैत आंदोलन कर रहे थे, तो वे कहते थे कि लंगर गुरुद्वारों में पाया जाता है, लेकिन आंदोलन में लंगर भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने लंबे समय तक किसान संघर्षों के लिए दिल्ली के गुरुद्वारों द्वारा लंगर के लिए किए गए योगदान की सराहना की।

दिल्ली गुरुद्वारा समिति का उद्देश्य सुलभ चिकित्सा देना

श्रीसिरसा और श्रीविर्क ने कहा कि हमने बाला साहिब अस्पताल शुरू करने का वादा किया था और पहले चरण में हमने किडनी डायलिसिस अस्पताल शुरू किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा समिति का उद्देश्य सुलभ चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। ये दोनों परियोजनाएं इसका एक प्रमुख उदाहरण थीं।

साथ काम किया। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल एक समय में 101 रोगियों को डायलिसिस और 500 रोगियों को प्रतिदिन डायलिसिस प्रदान कर सकेगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही अस्पताल का विस्तार 1000 बेड तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक और बड़ी उपलब्धि यह है कि इस तकनीकी रूप से विकसित अस्पताल में सभी सेवाएं मुफ्त प्रदान की जाएंगी। अस्पताल बिलिंग में कोई भुगतान काउंटर नहीं होगा। इसके अलावा गुरु का लंगर मरीजों और उनके साथ आने वालों को परोसा जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी, कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी जैसी कॉरपोरेट योजनाओं का पूरा फायदा बड़े कॉरपोरेट घरानों से लेगी। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी मरीज का इलाज में कोई खर्च नहीं होगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रतिष्ठित डॉक्टर जो पहले से ही डायलिसिस के क्षेत्र में हैं, वे इस किडनी डायलिसिस अस्पताल की देखभाल करेंगे। अस्पताल समाज के सभी वर्गों के लिए खुला है और कोई भी व्यक्ति आकर अपना डायलिसिस करवा सकता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी एक पिता एकस के हम बारिक के सिद्धांत के अनुसार काम करती है, जैसा कि गुरु साहिब द्वारा दिखाया गया है। उल्लेखनीय है कि श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने इस परियोजना का दौरा किया। इसकी समीक्षा करने के बाद कहा कि उन्हें गर्व है कि दिल्ली गुरुद्वारा समिति, जो सिख समुदाय की एक संस्था है, देश में सबसे बड़ा किडनी डायलिसिस अस्पताल शुरू करने जा रही है। जत्थेदार ने गुरुद्वारा बंगला साहिब परिसर में गुरु हरकिशन पॉली क्लिनिक में सबसे सस्ते एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और अन्य चिकित्सा सुविधाओं को शुरू करने की पहल की सराहना की। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने इससे प्रेरित होकर दूसरों से गुरुद्वारों के परिसर में ऐसी चिकित्सा सुविधाएं स्थापित करने का आह्वान किया। आज तख्त श्री पटना साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रणजीत सिंह ने दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के प्रयासों की सराहना की।

मुसलमानों को खलनायक दिखाने के लिए पैदा किए गए मिथक तोड़ने होंगे: कुरैशी

आसिम कमाल। नई दिल्ली

देश के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने कहा कि मुसलमानों को खलनायक के तौर पर दिखाने के लिए हिंदुत्व समूहों द्वारा पैदा किए गए मिथकों को तोड़ने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि इस्लाम परिवार नियोजन की अवधारणा का विरोध नहीं करता है और मुस्लिम भारत में सबसे कम बहुविवाह करने वाला समुदाय है। कुरैशी ने अपनी नई किताब द पॉप्युलेशन मिथ: इस्लाम, फैमिली प्लानिंग एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया में तर्क दिया है कि मुसलमानों ने जनसंख्या के मामले में हिंदुओं से आगे निकलने के लिए कोई संगठित षडयंत्र नहीं रचा है और उनकी संख्या देश में हिंदुओं की संख्या को कभी चुनौती नहीं दे सकती।

सभी समुदाय में बहुविवाह हुए हैं कम

कुरैशी ने अपनी किताब में बहुविवाह जैसे मिथक को तोड़ने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व समूहों ने यह दुष्प्रचार किया है कि मुसलमान चार महिलाओं से विवाह करते हैं ताकि वे अपनी जनसंख्या बढ़ा सकें, जो निराधार है। उन्होंने कहा, 1931 से 1960 तक की जनगणना से पुष्टि होती है कि सभी समुदायों में बहुविवाह कम हुआ है और इस मामले पर मौजूद एकमात्र सरकारी रिपोर्ट के अनुसार मुसलमानों में बहुविवाह का चलन सबसे कम है। कुरैशी ने कहा कि यह अवधारणा भी गलत है कि इस्लाम में महिलाओं के साथ बुरा सुलूक होता है। उन्होंने कहा कि इस्लाम ने 14 सदी पहले ही महिलाओं को हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर दर्जा दे दिया था। मुसलमान महिलाओं को 1,400 साल पहले ही संपत्ति के अधिकार मिल गए थे, जबकि शेष दुनिया में ऐसा 20वीं सदी में हुआ।

कुरैशी ने अपनी इस किताब के संबंध में एजेंसी को फोन पर दिए साक्षात्कार में कहा, यदि आप कोई झूठ सौ बार बोलें, तो वह सच बन जाता है। उन्होंने कहा कि यह दुष्प्रचार बहुत प्रबल हो गया है और वर्षों से इस समुदाय के खिलाफ प्रचारित की जा रही इस बात को चुनौती देने का समय आ गया है। कुरैशी ने कहा कि एक मिथक यह है कि इस्लाम परिवार नियोजन के खिलाफ है और अधिकतर मुसलमान भी इस पर भरोसा करते हैं, लेकिन यह बात कतई सही नहीं है। उन्होंने कहा, इस्लामी न्यायशास्त्र को यदि ध्यान से पढ़ें, तो यह पता चलता है कि इस्लाम परिवार नियोजन के खिलाफ कतई नहीं है। इसके विपरीत यह इस अवधारणा का अग्रणी है, लेकिन कुरान और हदीस की तोड़-मरोड़ की गई व्याख्याओं के कारण यह तथ्य धूमिल हो गया। कुरैशी ने कहा, मैंने तर्क दिया है कि कुरान ने परिवार नियोजन को कहीं भी प्रतिबंधित नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस्लाम परिवार नियोजन के विचारों का समर्थक है, क्योंकि यह युवाओं से तभी विवाह करने की अपेक्षा करता है, जब वे अपने परिवार के पालन-पोषण के योग्य हो जाएं।

जुलाई 2010 से जून 2012 तक मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे कुरैशी ने कहा, इस्लाम मां और बच्चे के स्वास्थ्य और उचित लालन-पालन पर जोर देता है। कुरैशी ने अपनी पुस्तक में तर्क दिया कि परिवार नियोजन हिंदू बनाम मुसलमान का मामला नहीं है, क्योंकि दोनों समुदाय परिवार नियोजन व्यवहार को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक संकेतकों में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह सच है कि भारत की जनसांख्यिकी में हिंदू-मुस्लिम प्रजनन संबंधी अंतर बना हुआ है, लेकिन इसका मुख्य कारण साक्षरता, आय और सेवाओं तक पहुंच जैसे मामलों में मुसलमानों का अपेक्षाकृत पिछड़ा होना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले, स्वास्थ्य योजनाओं के कारण

साल में 50 हजार करोड़ बचाने में कामयाब रहे गरीब और जरूरतमंद

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ने किफायती दवाएं उपलब्ध कराने और चिकित्सा उपकरणों की कीमत कम करने जैसे कदम उठाए जिसके कारण गरीब और जरूरतमंद लोग सालाना 50,000 करोड़ रुपये तक बचत करने में कामयाब रहे हैं। मोदी ने शिलांग में पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान में 7,500वां जन औषधि केंद्र राष्ट्र को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समर्पित करते हुए कहा कि जन औषधि योजना के तहत देश भर में किफायती दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

जन औषधि योजना के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए देश में एक मार्च से सात मार्च तक जनऔषधि सप्ताह मनाया जा रहा है। उन्होंने इस दौरान डिजिटल माध्यम से कहा कि इससे पूर्वोत्तर के जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सहायता मिल रही है। मोदी ने कहा, रविवार को 7500वें केंद्र का उद्घाटन किया जा रहा है और यह शिलांग में हो रहा है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि पूर्वोत्तर में जन स्वास्थ्य केंद्रों का कितनी तेजी से विस्तार हो रहा है। प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से बातचीत की और कहा, जन औषधि केंद्र चलाने वाले लोगों और इसके कुछ लाभार्थियों के साथ मैंने बातचीत की जिससे स्पष्ट हुआ कि यह योजना गरीबों और मध्य वर्ग के परिवारों के लिए बड़ी मददगार साबित हो रही है। यह योजना सेवा और रोजगार दोनों का माध्यम बन रही है। स्वास्थ्य को गरीबों और जरूरतमंदों के लिए किफायती बनाने के वास्ते केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को रेखांकित करते हुए मोदी ने कहा कि आवश्यक दवाओं और स्टेंट तथा घुटने के इम्प्लांट जैसे चिकित्सा उपकरणों की कीमतों को काफी कम कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, इससे जरूरतमंद लोग 12,500 करोड़ रुपये वार्षिक बचत करने में कामयाब हुए। आयुष्मान भारत योजना से 50 करोड़ लोगों को इलाज के लिए पांच लाख रुपये की सहायता मिल रही है। डेढ़ करोड़ लोग पहले ही इसका लाभ ले चुके हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि इससे लोग 30,000 करोड़ रुपये की बचत करने में कामयाब हुए हैं। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि यदि हम जन औषधि, आयुष्मान भारत और दवाओं तथा उपकरणों की कीमतों में गिरावट को जोड़ें और स्वास्थ्य क्षेत्र में केवल सरकार की योजनाओं को देखें तो पाएंगे कि गरीब और मध्य वर्ग के लोग सालाना लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की बचत करने में कामयाब रहे हैं।

मोदी ने कहा कि लंबे समय तक स्वास्थ्य को केवल बीमारी और उपचार से जोड़कर देखा जाता रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार यह मानती है कि स्वास्थ्य का विषय केवल बीमारी और उसके उपचार तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह देश के संपूर्ण आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि किसी को भी चिकित्सा विज्ञान के लाभ से वंचित न रखा जाए और जनता के लिए इलाज सस्ता और सुलभ हो सके। मोदी ने कहा कि इस विचार के साथ आज सरकार नीतियां और कार्यक्रम बना रही है।

किफायती दाम में गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना है लक्ष्य

चिकित्सा शिक्षा को प्रोत्साहन देने के विषय पर मोदी ने कहा कि 2014 से पहले देश में एमबीबीएस की 55,000 सीटें थीं और छह साल में इसमें 30,000 की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पाठ्यक्रमों में परास्नातक की 30,000 सीटें थीं जिनमें 24,000 सीटें और बढ़ गई। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का लक्ष्य किफायती दाम में गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 (चार मार्च 2021 तक) में नागरिकों के कुल 3,600 करोड़ रुपये की बचत हुई क्योंकि ये दवाएं बाजार की दर से 50-90 प्रतिशत तक सस्ती थीं।

ढाई लाख से पांच लाख की प्रोत्साहन राशि

मोदी ने कहा कि जन औषधि योजना को प्रोत्साहन देने के लिए इसके तहत दी जाने वाली राशि ढाई लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई है और अवसंरचनात्मक विकास के लिए महिलाओं, एससीएसटी और पूर्वोत्तर के लोगों के वास्ते दो लाख रुपये अतिरिक्त दिए गए हैं। दवाइयों के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आज विश्व की फार्मेसी है। उन्होंने कहा, आज सरकारी अस्पतालों में कोरोना के टीका मुफ्त में दिए जा रहे हैं। निजी अस्पतालों में केवल 250 रुपये में टीका दिया जा रहा है जो विश्व में सबसे सस्ता है। देश को आज अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है कि हमारे पास भारत में निर्मित टीका है और हम इससे विश्व की भी सहायता कर रहे हैं।

द्रमुक ने 25 विधानसभा सीटें, कन्याकुमारी लोकसभा सीट कांग्रेस को दीं

एजेंसी। चेन्नई

सीटों के बंटवारे को लेकर कई दिनों तक चले विचार-विमर्श के बाद द्रमुक ने अपनी अहम सहयोगी कांग्रेस को रविवार को 25 विधानसभा सीटें और कन्याकुमारी लोकसभा सीट दीं। द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस समिति प्रमुख के एस अलागिरी ने छह अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर यहां द्रमुक मुख्यालय अन्ना अरिवालयम में समझौते पर हस्ताक्षर किए।

कई दिनों तक विचार-विमर्श के बाद, शनिवार देर रात समझौते पर सहमति बनी। कांग्रेस नेता एवं पार्टी की तमिलनाडु इकाई के प्रभारी दिनेश गुंडु राव ने संवाददाताओं से कहा कि जब देश भाजपा से खतरे का सामना कर रहा है, ऐसे में सहयोग की भावना के तहत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राव और अलागिरी ने स्टालिन से शनिवार रात यहां उनके आवास पर मुलाकात की और कहा कि समझौते पर रविवार को हस्ताक्षर होंगे, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया था कि कितने सीटें आवंटित की गई हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह सहयोगी दल द्वारा आवंटित सीटों की संख्या से संतुष्ट हैं, राव ने कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य द्रमुक नीत धर्मनिरपेक्ष मोर्चे की जीत सुनिश्चित करना है। राव ने कहा, समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद हमें संतुष्ट होना होगा, क्योंकि काफी विचार-विमर्श के बाद यह समझौता किया गया है। हमारा एकमात्र लक्ष्य यह है कि धर्मनिरपेक्ष मोर्चे की जीत हो। उन्होंने कहा, संतुष्ट एवं असंतुष्ट होने का समय पूरा हो गया है। अब हम युद्धक्षेत्र में हैं। हमें अपने विपक्षियों से मुकाबला करना होगा। उन्होंने कहा कि द्रमुक का प्रस्ताव स्वीकार करने का निर्णय सभी वरिष्ठ नेताओं एवं आला कमान से विचार-विमर्श के बाद लिया गया और इस मामले पर हमारी पार्टी के भीतर कोई मतभेद नहीं है। अलागिरी ने कहा, हम पूरी तरह संतुष्ट हैं।

राव ने कहा कि भगवा दल के खिलाफ केवल विचारधारा की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह उसके चंगुल से लोकतंत्र को बचाने की जंग हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश को तानाशाही की तरह चलाया जा रहा है और विपक्षी दलों की निर्वाचित सरकारों को अपदस्थ कर दिया गया है। हाल में, पड़ोसी पुदुचेरी में कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे के बाद पार्टी की सरकार ने बहुमत खो दिया और मुख्यमंत्री वी नारायणसामी के मंत्रिमंडल को इस्तीफा देना पड़ा।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजई होगा राजग गठबंधन: शाह

एजेंसी। कन्याकुमारी (तमिलनाडु)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छह अप्रैल को यहां होने वाले लोकसभा उपचुनाव के लिए रविवार को भाजपा के चुनाव प्रचार की शुरुआत की और विश्वास जताया कि पार्टी न केवल यहां जीतेगी बल्कि अगले महीने के विधानसभा चुनाव में भी राजग विजई होगा।

जिले के सुसींद्रम से चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि छह अप्रैल के चुनाव के बाद राजग विजय हासिल कर गठबंधन सरकार बनाएगा। पिछले साल कांग्रेस सांसद एच वसंत कुमार की कोविड-19 से मृत्यु होने के बाद लोकसभा की यह सीट खाली हो गई थी। इस सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. राधाकृष्णन को प्रत्याशी बनाया है। शाह ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश देने के लिए 11 घरों का दौरा किया। उन्होंने कहा, हमने भाजपा का प्रतीक कमल घर-घर ले जाने के लिए अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि (विधानसभा चुनाव के बाद) अन्नाद्रमुक, भाजपा और पीएमके गठबंधन की सरकार बनेगी। शाह ने लोगों से राधाकृष्णन को विजई बनाने की अपील की और कहा कि पार्टी को उनकी जरूरत है। शाह ने उपचुनाव के लिए पर्चे बांटे, लोगों से मुलाकात की और कुछ लोगों के साथ फोटो खिंचवाई।

भाजपा कोर ग्रुप की अचानक हुई बैठक ने प्रदेश में बढ़ाया सियासी तापमान

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा की कोर ग्रुप की अचानक हुई बैठक ने राज्य सरकार में कुछ बड़े परिवर्तन की अटकलों को हवा देकर प्रदेश का सियासी तापमान बढ़ा दिया है। शनिवार शाम यहां हुई इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने की। सिंह के साथ पार्टी मामलों के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम भी मौजूद रहे। प्रदेश इकाई की कोर ग्रुप की यह बैठक पहले से प्रस्तावित नहीं थी और यह ऐसे समय बुलाई गई जब प्रदेश की नई ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में राज्य विधानसभा का महत्वपूर्ण बजट सत्र चल रहा था। बैठक की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को गैरसैंण से तुरंत देहरादून वापस आना पड़ा।

ड्रग जब्ती मामला: भाजपा नेता राकेस सिंह का सहयोगी गिरफ्तार

एजेंसी। कोलकाता

ड्रग जब्ती मामले में गिरफ्तार भाजपा नेता राकेश सिंह के एक सहयोगी को इस मामले में उनकी कथित संलिप्तता को लेकर शहर के न्यू टाउन इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह मामला पार्टी की एक अन्य नेता पामेला गोस्वामी की कार से कोकीन की बरामदगी से संबंधित है, जिसको लेकर उन्हें पहले ही गिरफ्तार किया गया था।

कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शहर के न्यू अलीपुर इलाके में रहने वाला 42 वर्षीय आरोपी, सिंह का करीबी सहयोगी है और ड्रग तस्करी के मामले में उसकी अहम भूमिका है। अधिकारी ने कहा, 'व्यक्ति पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।' अधिकारी ने कहा कि व्यक्ति को शनिवार रात को गिरफ्तार किया गया। इस गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले के सिलसिले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पिछले महीने, भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) की प्रदेश सचिव पामेला गोस्वामी और उनके दो दोस्तों को उनकी कार से 90 ग्राम कोकीन जब्त किए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। वे लोग कार से न्यू अलीपुर क्षेत्र में यात्रा कर रहे थे। मामले में राकेश सिंह के एक और करीबी सहयोगी को पिछले हफ्ते शहर के बंदरगाह क्षेत्र में ऑर्फनगंज रोड से गिरफ्तार किया गया था।

अंबानी के आवास के बाहर पाई गई कार को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के बाहर पिछले महीने मिली एक कार और जिलेटिन की छड़ों को मुंबई पुलिस ने फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए भेज दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई के कलीना में स्थित फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में कार की जांच की जाएगी जिससे उसमें मौजूद खून के धब्बा, बाल या अन्य कोई सुराग मिल सके। उन्होंने कहा कि जांच में मिले किसी भी साक्ष्य से कार को चलाकर अंबानी के घर तक ले जाने वाले और उसमें बैठे लोगों के बारे में पता चल सकता है। अधिकारी ने कहा कि प्रयोगशाला की रिपोर्ट एक सप्ताह में आ जाएगी। एफएसएल के एक अधिकारी ने कहा कि प्रयोगशाला में इसका पता लगाया जाएगा कि छड़ों में जिलेटिन की मात्रा कितनी है।

पहले नौ माह में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर क्षेत्र में

एफडीआई चार गुना होकर 24.4 अरब डॉलर पर

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र में चालू वित्त वर्ष 2020-21 के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह करीब चार गुना होकर 24.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इस क्षेत्र में 6.4 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया था। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में इस क्षेत्र को 7.7 अरब डॉलर का विदेशी निवेश मिला था।

विशेषज्ञों ने कहा कि महामारी की वजह से घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) की वजह से डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज हुई है और कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल बढ़ा है। इससे कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्रों के लिए व्यापक संभावनाएं पैदा हुई हैं। शार्दुल अमरचंद एंड मंगलदास एंड कंपनी के भागीदार अरविंद शर्मा ने कहा, इस क्षेत्र के मूल्य का भारी दोहन हो रहा है। क्षेत्र में बड़ा विदेशी निवेश आया है। सिंघी एडवाइजर्स के भागीदार बिमल राज ने कहा कि क्षेत्र में एफडीआई का प्रवाह बढ़ा है। वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियां इस स्थिति का लाभ उठाने के लिए काफी अच्छी स्थिति में हैं। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ में कई अन्य क्षेत्रों में भी विदेशी निवेश में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। निर्माण (बुनियादी ढांचा) गतिविधियों में इस दौरान 7.2 अरब डॉलर और फार्मास्युटिकल्स में 1.24 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया।

वहीं दूरसंचार क्षेत्र में विदेशी निवेश का प्रवाह घटकर 35.7 करोड़ डॉलर रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4.3 अरब डॉलर रहा था। वाहन क्षेत्र में भी एफडीआई 2.5 अरब डॉलर से घटकर 1.18 अरब डॉलर रह गया। अप्रैल-दिसंबर के दौरान देश में सबसे अधिक 15.71 अरब डॉलर का एफडीआई सिंगापुर से आया। इसके बाद अमेरिका से 12.82 अरब डॉलर, संयुक्त अरब अमीरात से 3.91 अरब डॉलर, मॉरीशस से 3.47 अरब डॉलर, केमैन आइलैंड से 2.53 अरब डॉलर का एफडीआई आया। देश में कुल एफडीआई इक्विटी प्रवाह 40 प्रतिशत के उछाल से 51.47 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

एफपीआई ने मार्च में अब तक भारतीय बाजारों से 5,156 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली। अमेरिका में बांड पर प्राप्ति बढ़ने तथा मुनाफावसूली के सिलसिले के बीच मार्च के पहले सप्ताह में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजारों से 5,156 करोड़ रुपये की निकासी की है। इससे पिछले दो माह के दौरान एफपीआई भारतीय बाजार में शुद्ध निवेशक रहे थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से पांच मार्च के दौरान एफपीआई ने शेयर बाजारों से शुद्ध रूप से 881 करोड़ रुपये और ऋण या बांड बाजार से 4,275 करोड़ रुपये निकाले हैं। इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 5,156 करोड़ रुपये रही है। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 23,663 करोड़ रुपये और जनवरी में 14,649 करोड़ रुपये डाले थे।

संक्षिप्त समाचार

चालू साल के पहले दो माह में चीन का निर्यात 60.6 प्रतिशत बढ़ा

बीजिंग। चीन का निर्यात चालू साल के पहले दो माह के दौरान पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 60.6 प्रतिशत बढ़ा है। कोरोना वायरस महामारी से उबरने के बाद चीन में कारखाने अब पूरी तरह खुल गए हैं। साथ ही वैश्विक मांग में भी सुधार हुआ है, जिससे उसके निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार, चालू वर्ष के पहले दो माह में चीन का निर्यात बढ़कर 468.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। दिसंबर में निर्यात 18.1 प्रतिशत बढ़ा था। चीन के निर्यात में बढ़ोतरी विश्लेषकों के अनुमान से लगभग दोगुनी है। पहले दो माह में चीन का आयात भी 22.2 प्रतिशत बढ़कर 365.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। दिसंबर में आयात 6.5 प्रतिशत बढ़ा था।

जुलाई से पहले चीन तीव्र गति बुलेट ट्रेन से तिब्बत को जोड़ेगा

बीजिंग। चीन इस साल जुलाई से पहले अरूणाचल प्रदेश से लगने वाली भारतीय सीमा के नजदीक तिब्बत तक बुलेट ट्रेनों का संचालन करेगा, जो सभी प्रांतों तक हाई-स्पीड ट्रेन सेवाओं की एक शुरुआत है। चीन की सरकारी रेलवे ग्रुप कंपनी लिमिटेड के बोर्ड के अध्यक्ष लू डोंगफू ने सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ से कहा कि 435 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग पर आंतरिक दहन और बिजली से चलने वाली हाई-स्पीड फक्सिंग ट्रेन चलाई जाएगी। प्रांतीय राजधानी ल्हासा और पूर्वी तिब्बत के निंगची के बीच रेलवे लाइन का निर्माण 2014 में शुरू हो गया था। यह तिब्बत का पहला ऐसा रेल मार्ग है जहां बिजली से ट्रेन चलेगी और इस पर मार्ग पर जून 2021 में परिचालन शुरू होना है।

हाईकोर्ट ने पशु कल्याणा निकाय का निलंबन रद्द किया

मुंबई। बंबई हाईकोर्ट ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के पिछले साल के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें बोर्ड ने स्थानीय यूनिवर्सल एनिमल वेलफेयर सोसाइटी की मान्यता को निलंबित कर दिया था और इसके नसबंदी केंद्र को बंद करने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति अमजद सईद एवं न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने दो मार्च को यह फैसला दिया और बोर्ड के आदेश को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड को पहले वेलफेयर सोसाइटी को कारण बताओ नोटिस जारी करने और उसका पक्ष सुनने का आदेश दिया। सोसाइटी की ओर से दायर याचिका पर सुनावाई करते हुए अदालत ने यह फैसला दिया। याचिका में सोसाइटी ने 14 दिसंबर 2020 के बोर्ड के उस फैसले को चुनौती दी थी जिसमें याचिकाकर्ता की मान्यता को निलंबित कर दिया गया था और मलाड स्थित केंद्र बंद करने का निर्देश दिया था।

तालाब में डूबने से एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत

रामगढ़ (झारखंड)। झारखंड के रामगढ़ जिले में एक ही परिवार के तीन बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। खंड विकास अधिकारी (बीडीओ), गोला, अजय कुमार रजक ने कहा कि मगनपुर गांव में शनिवार को एक तालाब के किनारे तीनों बच्चे खेल रहे थे और उनमें से एक हाथ धोने के लिए तालाब के पास गया। रजक ने बताया कि बच्चे का पैर फिसल गया और वह पानी में डूबने लगा जिसके बाद अन्य दो बच्चे भी उसे बचाने के लिए तालाब में कूद पड़े और डूबने से उनकी भी मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बच्चों के शवों को तालाब से बाहर निकाला और पुलिस को घटना की सूचना दी। गोला पुलिस थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने कहा कि बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

कन्नौज में भंडारे का प्रसाद खाने से 29 लोग बीमार

कन्नौज (यूपी)। कन्नौज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जुखैया में भागवत कथा के बाद शनिवार की रात को आयोजित भंडारे के दौरान प्रसाद खाने से 29 लोग बीमार हो गए। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार बीमारों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरीजों को पेट में दर्द और गला सूखने जैसी परेशानी का सामना करना पड़ा। चिकित्सकों ने इसे भोजन विषाक्तता का मामला बताया है। सभी बीमार लोग खतरे से बाहर हैं। घटना की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्रा व पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा जिला अस्पताल पहुंचे और उन्होंने बीमारों का हाल चाल लिया।

जम्म में अवैध रूप से रह रहे 168 रोहिंग्याओं को जेल भेजा

जम्मू। जम्मू में अवैध रूप से रह रहे 168 रोहिंग्याओं को जेल भेज दिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शनिवार को एक अभियान चलाकर यहां रह रहे रोहिंग्याओं के बायोमीट्रिक और अन्य विवरण एकत्र किए थे। आधिकारिक दस्तावेज के बिना शहर में रह रहे विदेशियों की पहचान करने के लिए यह अभियान चलाया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, कम से कम 168 अवैध प्रवासी रोहिंग्याओं को हीरानगर जेल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि म्यांमार से आए रोहिंग्या मुस्लिमों के सत्यापन की प्रकिया, यहां एमएएम स्टेडियम में कड़ी सुरक्षा के बीच की गई। उन्होंने बताया कि विदेशियों का सत्यापन करने की प्रक्रिया जारी है। सरकारी आकंड़ों के मुताबिक रोहिंग्या मुस्लिमों और बांग्लादेशी नागरिकों समेत 13,700 विदेशी जम्मू और सांबा जिलों में रह रहे हैं जहां 2008 से 2016 के बीच इनकी जनसंख्या में छह हजार से अधिक की वृद्धि हुई।

सीनेट ने 1,900 अरब डॉलर के कोरोना राहत पैकेज को दी मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने कोरोना वायरस की मार से उबरने के लिए शनिवार को 1,900 अरब डॉलर के राहत पैकेज को मंजूरी दे दी। इसे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके डेमोक्रेटिक सहयोगियों की जीत माना जा रहा है। बाइडन महामारी से निपटने और आर्थिक मंदी से देश को बाहर निकालने के लिए इस विधेयक को अहम बताते रहे हैं। सीनेट ने 49 के मुकाबले 50 मतों से इस विधेयक को मंजूरी दी। रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य डैन सुलिवन मतदान में भाग नहीं ले पाए, क्योंकि उन्हें अपने ससुर के अंतिम संस्कार में शामिल होना था। सीनेट में शुक्रवार रात भी संसोधन पेश हुए, जिनमें से अधिकतर संशोधन रिपब्लिकन पार्टी ने पेश किए और सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। रात भर जागने के बाद सीनेट ने शनिवार दोपहर को विधेयक को मंजूरी दी। अब इस विधेयक को अगले सप्ताह मंजूरी के लिए प्रतिनिधि सभा भेजा जाएगा, जिसके बाद इसे बाइडन के पास उनके हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा।

वैश्विक रुख, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे भारतीय बाजार की दिशा

एजेंसी। नई दिल्ली

शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह दीर्घावधि में अमेरिकी बांड पर प्राप्ति, कच्चे तेल की कीमतों तथा वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और घरेलू निवेशकों के रुख, डॉलर के मुकाबले रुपए के उतार-चढ़ाव और कोरोना वायरस से जुड़े घटनाक्रम भी बाजार को दिशा देंगे।

कोटक सिक्योरिटीज के बुनियादी शोध प्रमुख रुस्मिक ओझा ने कहा, अमेरिका में 10 साल की सरकारी प्रतिभूतियों पर प्राप्तियां 1.5 प्रतिशत को पार कर गई हैं, जो काफी हद तक वैश्विक बाजारों की दृष्टि से नकारात्मक है। डॉलर सूचकांक भी 90 से 92 के स्तर पर पहुंच गया है, जो उभरते बाजारों की मुद्राओं तथा शेयर बाजारों की दृष्टि से नकारात्मक है। ओझा ने कहा, घरेलू मोर्चे पर किसी तरह के संकेतकों के अभाव में भारतीय बाजार वैश्विक घटनाक्रमों तथा अमेरिकी बाजार से दिशा लेंगे। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स पांच मार्च को 440 अंक टूट गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 15,000 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमख विनोद नायर ने कहा, आगामी सप्ताह बाजार की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि क्या फेडरल रिजर्व अगली बैठक में बांड पर प्राप्ति बढ़ने के बीच अपने नरम रुख को जारी रखता है।

जानें अपने काम को

डॉ. रामकृष्णन रमन कहते हैं कि बिक्री और विपणन के क्षेत्र में एमबीए का शुरूआती दौर आमतौर पर अनुसंधान में समय लगाता है और संभावित ग्राहकों की सूची तैयार होती है ग्राहक की संक्षिप्त जानकारी प्रदान होती है, प्रस्तुतीकरण और बिक्री साहित्य तैयार होती है

एक प्रमुख भारतीय बी स्कूल से एमबीए की डिग्री अर्जित करने योग्य अनेक आकर्षक अवसर प्रदान कर सकती है। कई लोगों के मन में यह सवाल हो सकता है कि बिजनेस स्कूल के बाद एमबीए स्नातक स्पष्टतया काम क्या करते हैं? यह काफी हद तक उस विशेषज्ञता के क्षेत्र व उस संगठन पर निर्भर करता है जिसे वे चुनते हैं और जिसमें वे शामिल होते हैं। कुछ संगठन यह सुनिश्चित करते हैं कि एमबीए स्नातकों को सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में अनुभव होना चाहिए।वे उन्हें विपणन, वित्त, संचालन मानव संसाधन और यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एक छोटा कार्यकाल देते हैं। ऐसे अन्य लोग हैं जो उन्हें कार्यकारी सहायक भूमिकाएँ भी देते हैं, और उन्हें संगठन के शीर्ष नेतृत्व के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त करते हैं। ऐसे भी लोग हैं जो उन्हें व्यवसाय के मुख्य कार्यात्मक क्षेत्रों में काम करने का मौका देते हैं। छह महीने की शुरुआती अवधि संगठनात्मक राजनीति की कंपनी की कार्य परिवेश को समझने में बीत जाती है।

प्रारंभिक वर्षों के दौरान बिक्री और विपणन में एमबीए कर्ता आम तौर पर अनुसंधान में समय बिताते हैं और संभावित ग्राहकों की सूची निर्मित करते हैं, ग्राहक की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हैं, प्रस्तुतियाँ और बिक्री साहित्य तैयार करते हैं। वे ग्राहक संबंधों को विकसित करने और मौजूदा खातों को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। वे नए ग्राहकों का मूल्यांकन करने और रिकॉर्ड बनाए रखने में सहायता करते हैं। वे अनुभवी बिक्री और विपणन पेशेवरों के साथ भी काम करते हैं, बैठकों में भाग लेते हैं, और अन्य नेटवर्किंग गतिविधियों में भाग लेते हैं। एक एमबीए वित्त बजट को विकसित करने और समीक्षा करने की प्रक्रिया में सहायता करता है।

वे वित्त प्रभाग को सटीक नकदी-प्रवाह संभावना भी प्रदान करते हैं। वे मासिक बजट पर काम करते हैं और निर्णय लेने में अनुभवी वित्त अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हैं। वे सामान्य लेजर प्रबंधन, बैलेंस शीट के सामंजस्य में मदद करते हैं। विभिन्न आंतरिक हितधारकों पर ध्यान देते हैं, विशिष्ट खातों के लिए मासिक शेड्यूल तैयार करते हैं और व्यय और लेखा समायोजन के लिए मासिक हिसाब किताब प्रक्रिया में सहायता करते हैं और प्रीपेड खर्चों का प्रबंधन भी करते हैं। कुछ संगठन एमबीए वित्त स्नातकों को वैधानिक वित्तीय तैयार करने में सहायता करते हैं, खातों और अनुसूचियों के लिए नोट्स बनाते हैं। बाहरी और आंतरिक ऑडिट का समायोजन करते हैं। ऑडिट प्रश्नों का उत्तर देते हैं। वे उन्हें खर्च और बैलेंस शीट विश्लेषण पर लेखा प्रबंधक / वित्त निदेशक का समर्थन करने, आंतरिक नियंत्रणों का अनुपालन करने और लेखांकन कार्यों के लिए आंतरिक नियंत्रणों का अनुपालन करने में भी मदद करते हैं।

> ऑपरेशन्स में एमबीए करने वाले से उम्मीद होती है कि वो एक तेजतर्रार माहौल में काम करने के साथ-साथ दबाव में काम करने की क्षमता रखता है खासकर जब वे उन क्लाइंट के साथ होते हैं जो ऑपरेशन भूमिकाओं का सामना करते हैं।

एक एमबीए ऑपरेशंस वाले व्यक्ति से ग्राहक केंद्रित- सेवा पहले वाली मानसिकता की उम्मीद की जाती है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे तेजी से आंकड़ों को समझें और सभी स्तरों के हितधारकों के लिए समय पर संकल्प और समाधान तैयार करें। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं का आकलन करने और वृद्धि के लिए कमरे का मूल्यांकन करने में सक्रिय रहें।

ऑपरेशन्स में एमबीए करने वाले से उम्मीद होती है, कि वो एक तेज-तर्रार माहौल में काम करने के साथ-साथ दबाव में काम करने की क्षमता रखता है, खासकर जब वे उन क्लाइंट के साथ होते हैं जो ऑपरेशन भूमिकाओं का सामना करते हैं। मानव संसाधन (एचआर) में विशेषज्ञता प्राप्त एमबीए, एचआर बिजनेस पार्टनर और एचआर ऑपरेशंस टीमों के साथ-साथ स्थानीय प्रबंधन टीम को व्यवसाय के लिए सामान्य एचआर सहायता प्रदान करने के लिए काम करता है। एक जनरलिस्ट उत्कृष्टता केंद्र के साथ काम करता है और अन्य कर्मचारियों के बीच ऑनबोर्डिंग, एचआर प्रोग्राम समर्थन, ऑफबोर्डिंग सहित कर्मचारियों के प्रबंधन और प्रशासन के लिए जिम्मेदार होता है।

विशेषज्ञता के बावजूद एमबीए स्नातकों से संगठन के आंतरिक और बाहरी ग्राहकों के लिए प्रभावशाली प्रस्तुति बनाने और उन्हें प्रस्तुत करने की उम्मीद की जाती है। उनसे सॉफ्टवेयर और डेटा प्रबंधन टूल का उपयोग करने में भी माहिर होने की उम्मीद रहती है, जो उनके रिपोर्टिंग प्रबंधकों को बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।

-लेखक - सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफबिजनेस मैनेजमेंट (एसआईबीएम) के निदेशक हैं ।

उपयोगी बने रहने के नुस्खे

अनुज गोयल का कहना है कि निर्माण लागत की बुनियादी गणना, प्रशंसा का अनुमान और बिल्डिंग कोड का बुनियादी ज्ञान बहुत काम में आता है।

यदि आप अपने बचपन के दौरान इमारतों और गगनचुंबी इमारतों से मंत्रमुग्ध रहे हैं, तो रियल एस्टेट क्षेत्र में इसका कैरियर एक पुरस्कार योग्य विकल्प हो सकता है। प्रॉपर्टी मार्केट में आगे बढ़ने के लिए रिलेशनशिप मैनेजर से लेकर डायरेक्ट सेल्स एक्जीक्यूटिव की कई भूमिकाएँ होती हैं। हालांकि, हर दूसरे काम की तरह, आपको रियल एस्टेट उद्योग में सफल और प्रासंगिक बने रहने के लिए योग्यता की शर्तों से लैस होना चाहिए।

निर्माण लागत की बुनियादी गणना, प्रशंसा का अनुमान, स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क से संबंधित नियमों का ज्ञान और भवन कोड का बुनियादी ज्ञान आदि योग्यताएं, एक अचल संपत्ति प्रबंधक के बहुत काम आते हैं। रियल एस्टेट फर्म में नौकरी के लिए आवश्यक पाँच महत्वपूर्ण योग्यताओं की सूची इस प्रकार है :

संचार कौशल: यदि आप रियल एस्टेट क्षेत्र में करियर की शुरुआत कर रहे हैं, तो संभावित खरीदारों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ने के लिए तैयार रहें। उत्कृष्ट संचार कौशल नौकरी का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। अधिकारियों को सरल शब्दों में परियोजना की विशेषताओं को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।

जैसा कि रियल एस्टेट निवेश एक गहन लागत युक्त प्रस्ताव है, ऐसे में व्यक्ति को फायदों व नुकसानों के साथ-साथ अनुमानित ई -रिटर्न-ऑन-इन्वेस्टमेंट '(आरओआई) को स्पष्ट रूप से समझने में सक्षम होना चाहिए। आप इन योग्यताओं को धीरे-धीरे, एक दर्पण के सामने अभ्यास करके व अपनी भाव भंगिमा के संबंध मे दोस्तों से प्रतिक्रिया लेकर, विकसित कर सकते हैं।

ध्यान से सुनना- प्रभावी बोलने के कौशल के साथ-साथ ध्यान से सुनना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ग्राहक की सटीक आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक सुनना आवश्यक है। इसके बाद ही आप उसे दिए गए बजट और प्रारूपों में विकल्प सुझा पाएंगे।

ग्राहक के साथ उत्साही, सहानुभूतिपूर्ण और ईमानदार होना अपने आप में आपकी रुचि को उकसाएगा। आप ऑनलाइन पॉडकास्ट सुनकर और उनमें से नोट्स बनाकर सक्रिय श्रवण योग्यता भी **विकसित कर सकते हैं।**

लेन-देन योग्यताएं: अंततोगत्वा यह एक व्यापार है। आपको ग्राहकों को यह समझाने में सक्षम होना चाहिए कि वे सही विकल्प निर्मित कर रहे हैं। हालांकि, चूंकि रियल एस्टेट निवेश जेब के फैसले पर भारी होता है, इसलिए बहुत सारे सवालों के लिए तैयार रहें।

विस्तृत विवरण के साथ पूर्णतया तैयार रहें और प्रभावी ढंग से संवाद करें। ग्राहकों को उनके सभी प्रश्नों से संतुष्ट करना और ईमानदार होना आपको सही दिशा में ले जाएगा। प्रभावी ढंग से बातचीत करना सीखें। फालोअप करना प्रक्रिया का एक हिस्सा है, और आपको एक लाभदायक राह पर बने रहने के लिए इसमें निरंतर सक्रिय होना चाहिए।

तकनीक-सक्षम हों : टेक-सेवी होना एक साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ होना नहीं होता है। यह आवश्यक कंप्यूटर कौशल से संबंधित है -जैसे कि प्रस्तुति बनाना, एक्सेल शीट और सोशल मीडिया का उपयोग करना। तकनीक के साथ सहज होने से काफी समय बचता है और आपको अपने ग्राहकों का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलती है।

सामाजिक संकेत और स्थानीय बोली: हर आय वर्ग और पृष्ठभूमि के लोगों का सामना करने के लिए तैयार रहें। किसी अंतरराष्ट्रीय ग्राहक से मिलते समय, आपको पर्याप्त सक्षम ढंग से खुद को प्रस्तुत करना चाहिए। एक देशी ग्राहक के साथ काम करते समय, आपको कुछ स्थानीय बातों को शामिल करना होगा और तदनुसार उनकी सेवा करनी होगी। स्थानीय बोलियों, सामाजिक प्रवृत्तियों और सौदे को अंतिम रूप देने के लिए इसका उपयोग करने संबंधी ज्ञान बेहद उपयोगी होगा।

- लेखक गोयल गंगा डेवलपमेंट के प्रबंध निदेशक हैं।

साइबर सुरक्षा पेशेवरों की बढ़ रही है मांग

डॉ. संजीव कुमार शर्मा कहते हैं कि डिजिटलीकरण की प्रगति ने साइबर विकल्प के समाधान में वृद्धि की है, जिससे आकर्षक विकल्प बढ़ रहे हैं।

डॉ. संजीव कुमार शर्मा
डीन अकादमिक, संस्कृत विश्वविद्यालय

कोविड-19-युग में विश्व अर्थव्यवस्था और समाज अब सप्लाई चैन, संचार प्रौद्योगिकी और यात्रा से जुड़े हुए हैं। उपकरणों, यंत्रों, वाहनों और बुनियादी ढांचे की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई है जो कि अत्यधिक परस्पर जुड़े दुनिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। डिजिटलीकरण सेवाओं की मांग में वृद्धि बेहतर उपभोक्ता अनुभव प्राप्ति में सक्षम होने हेतु इंटरनेट ऑफ थिंग्स उपकरणों का एक नेटवर्क निर्मित करती है, लेकिन यह साइबर हमलों की घटनाओं में वृद्धि को भी खुराक देती है।

साइबर सुरक्षा नौकरियां आज छात्रों के लिए सर्वाधिक मांग वाली नौकरियों में से एक हैं। यह मांग किसी भी अन्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र की तुलना में बेजोड़ है। दुनिया भर की कंपनियों को साइबर-हमलों के लिए लगातार निशाना बनाया गया है। इस परिदृश्य ने सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश करने के इच्छुक पेशेवरों के लिए बड़े पैमाने पर अवसर दिए हैं।

साइबर सुरक्षा आज रोजगार के प्रमुख स्रोत और आकर्षक कैरियर विकल्प के रूप में कार्य करती है। पहला कदम है बुनियादी साइबर सुरक्षा कौशल हासिल करना, इसके बाद व्यक्तिगत रुचि और बाजार की मांग के आधार पर एक विशिष्ट कार्यक्षेत्र चुनना है। एक सफल कैरियर के लिए, छात्रों को गहन प्रशिक्षण प्राप्त करने, कौशल विकसित करने और सुरक्षा में विशिष्ट प्रमाणपत्र प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

मिआईटी द्वारा अगस्त 2020 की रिपोर्ट के अनुसार भारत को लगभग सात लाख साइबर हमलों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में भारत तीसरा और साइबर हमलों के सबसे बड़े पीड़ितों में से एक था, यह इसे और भी अधिक प्रासंगिक व अत्यावश्यक बना देता है।

हाल के वर्षों में सरकारी और निजी संस्थानों ने साइबर सुरक्षा पर विशेष और अनोखे पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है। समय-समय पर दूरस्थ शिक्षा से लेकर प्रमाणन, डिप्लोमा और डिग्री कार्यक्रमों के विभिन्न प्रावधानों के साथ ऑनलाइन मोड में, इन पाठ्यक्रमों ने छात्रों के साथ-साथ कैरियर पेशेवरों में भी बहुत लोकप्रियता पाई है।

पेशेवरों को ऐसी तकनीकें प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जो संवेदनशील जानकारी को संरक्षित करते हुए व्यावसायिक संचालन को आगे बढ़ाने में मदद करती हैं। एक कोर्स के रूप में साइबर सुरक्षा की हालिया वृद्धि के बावजूद हमारे देश में विश्वविद्यालय, कॉलेज और संस्थान बहुत ज्यादा संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। भारत में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की मांग 10,000 पेशेवरों से भी कम है। विश्व में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी के रूप में भारत डिजिटल फुटप्रिंट्स के विस्तार के साथ खुद को टिकाए हुए है।

इसलिए, यह समय आ गया है कि अपने सभी सहयोगी उप-विषयों के साथ एक विशेष अनुशासन के रूप में साइबर सुरक्षा हमारे विश्वविद्यालय प्रणालियों समेत, बाहर भी पढ़ाए जा रहे किसी भी आईटी पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग बन जाए।

प्रौद्योगिकी में नवाचारों और रुझानों का डिजिटल सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। डिजिटलीकरण की हालिया उन्नति और चीजों पर इंटरनेट ने साइबर स्पेस समाधान में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हम आगे बढ़ रहे हैं और एक डिजिटल और स्मार्ट दुनिया का निर्माण कर रहे हैं जो कमजोर साइबर सुरक्षा और औसत दर्जे के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ती है। प्रौद्योगिकी में प्रासंगिक डिग्री के अलावा, छात्रों को उन्नत साइबर सुरक्षा अवधारणाओं, व्यापक साइबर सुरक्षा कार्य अनुभव, उद्योग प्रमाणपत्रों के बारे में बुनियादी ज्ञान होना चाहिए। नियामक नीतियों का ज्ञान आमतौर पर साइबर सुरक्षा में कैरियर बनाने के लिए आवश्यक होता है। साइबर हमलों में वृद्धि उन सभी पृष्ठभूमि के पेशेवरों के लिए अवसरों को बढ़ा रही है जो साइबर सुरक्षा में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं। यहां तक कि मानविकी के लोग साइबरसिटी में करियर बना सकते हैं।

माइंड इट

शिक्षा और कौशल में तालमेल पर टिका है रोजगार का खेल

हाल ही में एक संसदीय रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा-19 महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन के कारण, भारतीय मोटर वाहन उद्योग को प्रति दिन 2,300 करोड़ रूपयों का नुकसान हुआ है और इस क्षेत्र में अनुमानित नौकरी का नुकसान लगभग 3.45 लाख रहा। रिपोर्ट स्पष्ट रूप से इंगित करती है कि अभी भी हम युवाओं को शिक्षा और नौकरी की अपेक्षा के बीच एक बेतालमेल वाली स्थिति प्रदान करते हैं।

यदि हम अगले केंद्रीय बजट में संरचित सुधारों और पहल की पहल नहीं करते हैं, तो यह अंतर और अधिक चौड़ा होता जाएगा। आत्मनिर्भरता 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने का सपना पूरी तरह से अपने नागरिकों की शिक्षा और कौशल स्तर पर निर्भर करता है।

डिजिटल सेटअप के अनुकूल होने के लिए कार्यबल को प्रशिक्षित करना

कोविड 19 टीकों के आगमन और चिकित्सा उद्योग में सॉफ्ट.पॉवर के रूप में भारत के उभरने के साथ, कंपनियां वर्ष 2021 को आशाओं से भरपूर मान रही हैं। वे इस डिजिटल युग में अपनी प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के लिए उन्नत तकनीकों के महत्व को बढ़ा-चढ़ाकर, प्रसारित करके और सीखकर नए सहजता के लिए धीर-धीरे और निरंतर रूप से खुद को ढाल रही हैं। इस मोड़ पर,

सार्वजनिक और निजी साझेदारी सरकारी कौशल कार्यक्रमों के साथ मिलकर कार्यक्रम में बड़ी रूपांतरण या पुनर्कौशल कार्यक्रमों को लाने में मदद कर सकती है।

इसके अलावा, स्कूलों - कॉलेजों में अकादमिक पाठ्यक्रम को महामारी के बाद के दौर की मौजूदा वास्तविकताओं के साथ चलने के लिए पुनगर्ठित किया जाना चाहिए। यह देखना चिंताजनक है कि भारत अपने बड़े प्रतिभा भंडार के लिए प्रसिद्ध होने के बावजूद कुशलता के मामले में उद्योग की आवश्यकताओं के साथ तालमेल नहीं बना पा रहा है जिसके कारण योग्यता बेमेल होने के कारण अधिकांश स्नातक बेरोजगार हैं। शिक्षा मंत्रालय और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय को उद्योग मानकों के अनुसार एक नए पाठ्यक्रम और कौशल कार्यक्रमों के साथ उभरने पर काम करना चाहिए।

नए रोजगार अवसर नए कौशल की मांग करते हैं

कंपनी के नए रूपांतरण के साथ ढलने के लिए, मौजूदा और नए कर्मचारियों को निरंतर कौशल, पुनर्कौशल और योग्यता निखार की आवश्यकता है। नई नौकरी की आवश्यकताएं आईओटी, मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स, 3 डी प्रिंटिंग, एआई, मशीन और डीप लर्निंग, एनालिटिक्स, वर्चुअल कोऑपरेशन, ऑटोमोटिव डिजाइन और कम्प्यूटेशनल सोच सहित क्षेत्रों के एक प्रकार के ज्ञान की मांग करेगी। इन कार्यबलों के क्षमता निर्माण के लिए बहुत सारे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

यहां तक कि वर्तमान समय भी युवाओं व उनके माता-पिता की मानसिकता में पूर्ण परिवर्तन की मांग करता है। एक इंजीनियरिंग छात्र का लक्ष्य नौकरी पाना होना चाहिए, महज डिग्री पाना नहीं वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनना होना चाहिए। एक बार जब यह मानसिकता सेट हो जाती है, तो कोई प्रश्न नहीं उठता कि भारत विनिर्माण का गढ़ बनने में नेतृत्व कर सकता है, और वह कुशल प्रतिभाओं का आपूर्तिकर्ता बन सकता है।

संगठनों में लगातार चलने वाले कार्यक्रम

सर्वेक्षणों से पता चला है कि कंपनियों ने सफल पुनर्कौशल कार्यक्रम शुरू किए हैं, और इनमें वे भी हैं जो तकनीकी व्यवधानों के कारण होने वाले कौशल अंतराल को बेहतर ढंग से संबोधित करने या प्रासंगिक और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए नए व्यापार मॉडल या रणनीतियों को लागू करने में सक्षम थीं। यहाँ सीखने वाली बात यह है कि बस पुनर्कौशल कार्यक्रमों पर शुरूआत करने से संभावित भविष्य की भूमिका में आड़े आने वाली समस्याओं व संभावितत समस्याओं के प्रति संगठनों को बेहतर ढंग से तैयार किया जाता है। लगातार योग्यता कार्यक्रमों की आवश्यकता है और उन्हें अल्पावधि के लिए नहीं होना चाहिए। कंपनियों को यह समझने की आवश्यकता है कि वे जो भी प्रतिभाएँ तैयार कर रही हैं या फिर से तैयार कर रही हैं, उनका उपयोग भी उनकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए।

लेखक अंकित श्यामसुख, सीईओ, आईसीए एडु कौशल हैं

भारत पर भारी पड़ा कोविड-19 का मामला, 3 मुक्केबाज फाइनल में हटे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के एक खिलाड़ी के कोविड-19 के लिए पॉजीटिव पाए जाने के कारण उसके तीन मुक्केबाजों को स्पेन के कैस्टेलियोन में 35वें बोक्साम इंटरनेशनल टूर्नामेंट में फाइनल के अपने मुकाबलों से हटना पड़ा। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके आशीष कुमार (75 किग्रा) का वायरस के लिए परीक्षण पॉजीटिव आया है और इस कारण उनके साथ एक कमरे में रह रहे मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और सुमित सांगवान (81 किग्रा) को भी शनिवार को फाइनल मुकाबलों से हटना पड़ा। इन तीनों का स्वर्ण पदक पक्का माना जा रहा था लेकिन उन्हें इन विपरीत परिस्थितियों के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय मुक्केबाजी के हाई परफोरमेन्स निदेशक सैंटियागो नीवा ने कैस्टलियोन से एजेंसी से कहा कि जिस प्रतियोगिता की शुरुआत शानदार रही उसका अंत निराशाजनक रहा। आशीष में बीमारी के कोई लक्षण नहीं हैं और वह स्वस्थ हैं। वह भारत लौटने से पहले कैस्टेलियोन में दो सप्ताह तक पृथकवास पर रहेंगे। हुसामुद्दीन और सुमित का परीक्षण नेगेटिव आया है और वे टीम के साथ सोमवार को स्वदेश लौट जाएंगे। भारतीय टीम स्पेन से मुंबई पहुंचेगी। सतीश कुमार (91 किग्रा से अधिक) भी बीमार होने के कारण फाइनल में भाग नहीं ले पाएंगे। इस तरह से मनीष कौशिक (65 किग्रा) भारत की तरफ से स्वर्ण पदक जीतने वाले एकमात्र मुक्केबाज रहे। उन्होंने फाइनल में डेनमार्क के निकोलेई टेरटेरयान को हराया। मनीष ने इस तरह से घुटने की चोट से उबरकर शानदार वापसी भी की। चोट के कारण वह एक साल तक बाहर रहे थे। महिलाओं में सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) को भी फाइनल से हटना पड़ा क्योंकि सेमीफाइनल की उनकी प्रतिद्वंद्वी प्यूर्टोरिको की किरिया टापिया का परीक्षण पॉजीटिव पाया गया था। भारतीय खिलाड़ी का परीक्षण हालांकि नेगेटिव आया था।

पूजा रानी और जैसमीन को भी करना पड़ा रजत से संतोष

भारतीय महिला मुक्केबाजी के हाई परफोरमेन्स निदेशक राफेल बरगामस्को ने कहा, स्थानीय सरकार के नियमों के अनुसार वह प्रतिस्पर्धा में भाग नहीं ले सकती। विकास कृष्णन (69 किग्रा) शनिवार को फाइनल में रिंग पर उतरे लेकिन वह संघर्षपूर्ण मुकाबले में स्पेन के योउबा सिसोखो से हार गए। इस मुकाबले के दौरान भारतीय मुक्केबाज की दाईं आंख के ऊपर चोट लग गई थी। महिला वर्ग में पूजा रानी (75 किग्रा) और जैसमीन (57 किग्रा) को भी रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने इस तरह से इस प्रतियोगिता में एक स्वर्ण, आठ रजत और एक कांस्य पदक जीता। छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरीकोम को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। इस प्रतियोगिता में रूस, अमेरिका, इटली और कजाखस्तान सहित 17 देशों के मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया था। भारतीय मुक्केबाज अगले कुछ दिनों में पटियाला में शिविर में हिस्सा लेंगे।

भारत के लालरिनसांगा तलाउ ने डब्ल्यूबीसी युवा विश्व खिताब जीता

भारतीय मुक्केबाज लालरिनसांगा तलाउ ने आइजोल में आठ दौर के मुकाबले में घाना के एरिक क्वारम को हराकर डब्ल्यूबीसी (विश्व मुक्केबाजी परिषद) का युवा विश्व सुपर फीदरवेट खिताब जीता। सभी तीनों जज ने शनिवार को हुए इस मुकाबले में भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला किया। मुकाबले का स्कोर 80-72, 80-72, 80-72 रहा। मिजोरम के रहने वाले इस 21 वर्षीय मुक्केबाज ने मुकाबले के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं और उन सभी का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस खिताब तक पहुंचने में मेरी मदद की। इस मुकाबले को डब्ल्यूबीसी अध्यक्ष मौरिसियो सुलेमान की मंजूरी हासिल थी। इसका आयोजन भारतीय मुक्केबाजी परिषद (आईबीसी) की देखरेख में आयोजित किया गया। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के पूर्व महासचिव ब्रिगेडियर पीकेएम राजा आईबीसी के अध्यक्ष हैं। मिजोरम के खेल मंत्री राबर्ट रोमाविया रॉयटे भी मुकाबले के दौरान उपस्थित थे। लालरिनसांगा को अब 90 दिनों के अंदर अपने खिताब का बचाव करना होगा और उसके बाद उन्हें 120 दिन के अंदर ऐसा करना पड़ेगा।

श्रीनू बुगाथा और सुधा सिंह ने जीता नई दिल्ली मैराथन

नई दिल्ली। श्रीनू बुगाथा ने अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां आयोजित एजिस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस नई दिल्ली मैराथन के छठे सत्र के पुरुष वर्ग का खिताब अपने नाम किया, लेकिन वह टोक्यो ओलंपिक के क्वालीफाईंग मानक समय को हासिल करने में नाकाम रहे। महिला वर्ग में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सुधा सिंह शीर्ष स्थान पर रही।

बुगाथा ने दो घंटे 14 मिनट 59 सेकेंड का समय लिया जबकि ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए मानक समय दो घंटे 11 मिनट और 30 सेकेंड है। ओलंपिक में लगातार तीसरी बार भाग लेने की कोशिश में लगी सुधा भी यहां यह मानक हासिल करने में नाकाम रही। उन्होंने दो घंटे 43 मिनट और 41 सेकेंड के समय के साथ मैराथन पूरी की जबकि महिलाओं के लिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन का मानक दो घंटे 30 मिनट है। खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने यहां पुरस्कार समारोह के बाद दोनों से टोक्यो ओलंपिक के सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत को जारी रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, मैं आपको आपकी जीत और क्वालीफाई (ओलंपिक) करने के प्रयास के लिए बधाई देता हूं। मुझे यकीन है कि आप कड़ी मेहनत से जल्द ही वांछित परिणाम हासिल करेंगे। लय हासिल करने के बाद आप निकट भविष्य में ऐसा कर सकेंगे। उत्तराखंड के नितेंद्र सिंह रावत (दो घंटे 18 मिनट 54 सेकेंड) और सेना खेल संस्थान के रशपाल सिंह (दो घंटे 18 मिनट 57 सेकेंड) ने एलीट पुरुष वर्ग में क्रमश: रजत और कांस्य अपने नाम किए।

आईपीएल-2021 का कार्यक्रम

इंडियन प्रीमियर लीग टी-20 टूर्नामेंट के 14वें सत्र का आगाज नौ अप्रैल को गत विजेता मुंबई इंडियन्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के मैच से होगा। आईपीएल 2021 का पूरा कार्यक्रम इस प्रकार है।

तारीख	समय	स्थान	मुकाबला
नौ अप्रैल	शाम 7:30 बजे	चेन्नई	मुंबई इंडियन्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर
10 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	मुंबई	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	चेन्नई	सनराइजर्स हैदराबद बनाम कोलकाता नाईट राइडर्स
12 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	मुंबई	राजस्थान रायल्स बनाम पंजाब किंग्स
13 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	चेन्नई	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम मुंबई इंडियन्स
14 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	चेन्नई	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर
15 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	मुंबई	राजस्थान रॉयल्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
16 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	मुंबई	पंजाब किंग्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स
17 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	चेन्नई	मुंबई इंडियन्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद
18 अप्रैल	दोपहर 3:30 बजे	चेन्नई	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स
18 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	मुंबई	दिल्ली कैपिटल्स बनाम पंजाब किंग्स
19 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	मुंबई	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स
20 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	चेन्नई	दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियन्स
21 अप्रैल	दोपहर 3:30 बजे	चेन्नई	पंजाब किंग्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद
21 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	मुंबई	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स
22 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	मुंबई	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम राजस्थान रॉयल्स
23 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	चेन्नई	पंजाब किंग्स बनाम मुंबई इंडियन्स
24 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	मुंबई	राजस्थान रॉयल्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स
25 अप्रैल	दोपहर 3:30 बजे	मुंबई	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर
25 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	चेन्नई	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद	पंजाब किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स
27 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद	दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर
28 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	दिल्ली	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद
29 अप्रैल	दोपहर 3:30 बजे	दिल्ली	मुंबई इंडियन्स बनाम राजस्थान रॉयल्स
29 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद	दिल्ली कैपिटल्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स
30 अप्रैल	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद	पंजाब किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर
एक मई	शाम 7:30 बजे	दिल्ली	मुंबई इंडियन्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स
दो मई	दोपहर 3:30 बजे	दिल्ली	राजस्थान रॉयल्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद
दो मई	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद	पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
तीन मई	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर
चार मई	शाम 7:30 बजे	दिल्ली	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियन्स
पांच मई	शाम 7:30 बजे	दिल्ली	राजस्थान रॉयल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स
छह मई	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम पंजाब किंग्स
सात मई	शाम 7:30 बजे	दिल्ली	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम चेन्नई सुपर किंग्स
आठ मई	दोपहर 3:30 बजे	अहमदाबाद	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
आठ मई	शाम 7:30 बजे	दिल्ली	राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियन्स
नौ मई	दोपहर 3:30 बजे	बेंगलुरु	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम पंजाब किंग्स
नौ मई	शाम 7:30 बजे	कोलकाता	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम सनराइजर्स हैदराबाद
10 मई	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरू	मुंबई इंडियन्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स
11 मई	शाम 7:30 बजे	कोलकाता	दिल्ली कैपिटल्स बनाम राजस्थान रॉयल्स
12 मई	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरू	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स
13 मई	दोपहर 3:30 बजे	बेंगलुरू	मुंबई इंडियन्स बनाम पंजाब किंग्स
13 मई	शाम 7:30 बजे	कोलकाता	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम राजस्थान रॉयल्स
14 मई	शाम 7:30 बजे	कोलकाता	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 मई	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरू	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम पंजाब किंग्स
16 मई	दोपहर 3:30 बजे	कोलकाता	राजस्थान रॉयल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर
16 मई	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरू	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम मुंबई इंडियन्स
17 मई	शाम 7:30 बजे	कोलकाता	दिल्ली कैपिटल्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद
18 मई	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरू	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम राजस्थान रॉयल्स
19 मई	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरू	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम पंजाब किंग्स
20 मई	शाम 7:30 बजे	कोलकाता	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम मुंबई इंडियन्स
21 मई	दोपहर 3:30 बजे	बेंगलुरू	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद
21 मई	शाम 7:30 बजे	कोलकाता	दिल्ली कैपिटल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स
22 मई	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरू	पंजाब किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स
23 मई	दोपहर 3:30 बजे	कोलकाता	मुंबई इंडियन्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
23 मई	शाम 7:30 बजे	कोलकाता	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम चेन्नई सुपर किंग्स
25 मई	शाम 7:30 बजे	आहमदाबाद	क्वालीफायर एक
26 मई	शाम 7:30 बजे	आहमदाबाद	एलीमिनेटर
28 मई	शाम 7:30 बजे	आहमदाबाद	क्वालीफायर दो
30 मई	शाम 7:30 बजे	आहमदाबाद	फाइनल

बेयरस्टॉ का इंग्लैंड की टीम से बाहर होना तय : वॉन

एजेंसी। लंदन

पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि भारत के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला में लचर प्रदर्शन करने के कारण जॉनी बेयरस्टॉ के लिए इंग्लैंड की टेस्ट टीम में बने रहना मुश्किल होगा। भारत ने अहमदाबाद में चौथे और अंतिम टेस्ट मैच में पारी के अंतर से जीत दर्ज करके श्रृंखला को 3-1 से अपने नाम किया। बेयरस्टॉ ने श्रृंखला में जो चार पारियां खेली उनमें से तीन में वह खाता नहीं खोल पाए जबकि चौथे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 28 रन बनाए। वान का मानना है कि इस तरह के खराब प्रदर्शन के कारण बेयरस्टॉ के लिए इंग्लैंड की टीम में बने रहना मुश्किल होगा।

वॉन ने एक्सप्रेस के हवाले से कहा, जॉनी बेयरस्टॉ का इस टेस्ट टीम से जाना तय है। मुझे नहीं लगता कि इंग्लैंड में इन गर्मियों में और उसके बाद आस्ट्रेलिया में वह नंबर तीन पर बल्लेबाजी करेंगे। मुझे इस दौरे के बहुत अधिक सकारात्मक पहलू भी नजर नहीं आते। उन्होंने कहा, केवल जो रूट, जेम्स एंडरसन और बेन स्टोक्स ही कुछ अच्छा प्रदर्शन कर पाए। जैक लीच ने भी थोड़ा बेहतर खेल दिखाया। वॉन ने फिर से कहा कि इंग्लैंड को सीमित ओवरों के बजाय टेस्ट क्रिकेट पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, साल के इस हिस्से में सीमित ओवरों की क्रिकेट नहीं बल्कि ये चार मैच इंग्लैंड के लिए प्राथमिकता होने चाहिए थे।

वाशिंगटन वह भूमिका निभा सकता है, जो मैं भारतीय टीम के लिए निभाया करता था

एजेंसी। अहमदाबाद

रवि शास्त्री अपनी हरफनमौला काबिलियत की बदौलत 80 के दशक में सुनील गावस्कर और कपिल देव के पसंदीदा हुआ करते थे और भारतीय मुख्य कोच का मानना है कि युवा वाशिंगटन सुंदर मौजूदा टेस्ट टीम में यही भूमिका निभा सकते हैं। बाएं हाथ के विशेषज्ञ बल्लेबाज सुंदर ऑफ ब्रेक गेंदबाजी भी करते हैं, उन्होंने अपने चार टेस्ट में तीन अर्धशतकीय पारी खेलने के अलावा छह विकेट भी चटकाए हैं जिसमें स्टीव स्मिथ और जो रूट का विकेट भी शामिल है। क्या आपको उसमें अपनी छवि दिखाई देती है? तो 80 टेस्ट के अनुभवी शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि वाशी में मेरी तुलना में ज्यादा नैसर्गिक प्रतिभा है।

करीब 4000 रन और 150 से ज्यादा विकेट चटका चुके शास्त्री ने कहा, उसमें काबिलियत है और वह काफी आगे जा सकता है। अगर वह अपनी गेंदबाजी (टेस्ट में) पर ध्यान दे तो भारत के पास विदेशी परिस्थितियों के लिए छठे नंबर पर बहुत अच्छा खिलाड़ी हो सकता है। उन्होंने रविवार को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ऐसा खिलाड़ी जो आपको 50, 60 और 70 के करीब रन बनाकर दे दे और फिर आपके लिए 20 ओवर गेंदबाजी करे और दो से तीन विकेट भी चटका सके। (1980 के पूरे दशक के दौरान) यह विदेशों में मेरा काम हुआ करता था और मुझे लगता है कि वह इसे आसानी से कर सकता है। शास्त्री ने सुझाव भी दिया कि वाशिंगटन को तमिलनाडु के लिए सभी प्रारूपों में शीर्ष चार में बल्लेबाजी शुरू करनी चाहिए। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से, उसे अपने राज्य के लिए शीर्ष चार स्थान में बल्लेबाजी करनी चाहिए। इसके बारे में कोई सवाल ही नहीं है। मैं तमिलनाडु के चयनकर्ताओं या डीके (कप्तान दिनेश कार्तिक) से इस बारे में बात करना चाहूंगा। मुझे लगता है कि उसे शीर्ष चार स्थान में बल्लेबाजी करनी चाहिए। उनके लिए वाशिंगटन की 96 रन की पारी (जो छह विकेट पर 153 रन के स्कोर पर बनी) चेन्नई में उनकी नाबाद 85 रन की पारी से ज्यादा बेहतर थी।

भारतीय महिला टीम की 12 महीने में खेले गए पहले मैच में करारी हार

एजेंसी। लखनऊ

पिछले 12 महीनों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेल रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम को रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के हाथों पहले वनडे में 59 गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम में मैच अभ्यास की कमी साफ तौर पर नजर आई तथा कप्तान मिताली राज (85 गेंदों पर 50) और हरमनप्रीत कौर (41 गेंदों पर 40) की पारियों के बावजूद उसकी टीम 21 रन के अंदर पांच विकेट गंवाने के कारण नौ विकेट पर 177 रन ही बना पाई।

हाल में पाकिस्तान की मेजबानी करने वाली दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम ने केवल 40.1 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। लिजली ली (122 गेंदों पर

नाबाद 83) और लॉरा वोलवार्ट (110 गेंदों पर 80) ने पहले विकेट के लिए 169 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका की बड़ी जीत सुनिश्चित की। ली ने अपनी पारी में 11 चौके और एक छक्का जबकि वोलवार्ट ने 12 चौके लगाए। इससे दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त भी हासिल कर ली है। बल्लेबाजों की तरह भारतीय गेंदबाज भी प्रभावहीन रहे। अनुभवी झूलन गोस्वामी (38 रन देकर दो) ने एक छोर से कुछ दबाव भी बनाया लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई मदद नहीं मिली। इससे पहले भारत ने स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (20 गेंदों पर 14 रन) सहित तीन विकेट 40 रन के अंदर गंवा दिए जिसके बाद मिताली और हरमनप्रीत ने चौथे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी की। अपना 100वां वनडे खेल रही हरमनप्रीत ने आक्रामक रवैया अपनाया तथा कुछ अच्छे शॉट खेले। उनकी पारी हालांकि लंबी नहीं खिची। उन्होंने लॉग ऑफ पर कैच देने से पहले छह चौके लगाए। मिताली को क्रीज पर पांव जमाने में थोड़ा समय लगा लेकिन उन्होंने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने बाद में दीप्ति शर्मा (46 गेंदों पर 26) के साथ पांचवें विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी की।

अदिति अशोक एलपीजीए में संयुक्त 24वें स्थान पर

ओकाला (फ्लोरिडा)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने यहां तीसरे दौर में दो अंडर-70 का स्कोर बनाया जिससे वह एलपीजीए टूर के ड्राइव वन चैंपियनशिप में शीर्ष 25 में पहुंच गई हैं। अदिति ने तीन दौर में 72-73-70 का स्कोर बनाया है और इससे वह संयुक्त 24वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बारिश के कारण कोर्स काफी धीमा हो गया था। ऐसे में अदिति की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उन्होंने पार चार के दूसरे होल में बोगी की। अदिति ने हालांकि चौथे और पांचवें होल में बर्डी बनाकर अच्छी वापसी की और फिर अगले आठ होल में पार स्कोर बनाया। उन्होंने 14वें होल में फिर से बर्डी बनाई लेकिन 17वें होल में बोगी कर बैठी। इस भारतीय ने 18वें होल में बर्डी बनाकर दिन का समापन किया। जेनिफर कुपचो ने अंतिम होल में 12 फुट से ईगल जमाया। इससे वह शीर्ष पर काबिज ऑस्टिन अर्नस्ट (69) से केवल एक शॉट पीछे रह गई हैं।

न्यूजीलैंड ने आस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराया, 3-2 से जीती टी-20 श्रृंखला

एजेंसी। वेलिंगटन

ईश सोढ़ी की शानदार गेंदबाजी और मार्टिन गुप्टिल की 71 रन की तेजतर्रार पारी की मदद से न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 3-2 से जीती। लेग स्पिनर सोढ़ी ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए और इस तरह से श्रृंखला में 10 विकेट हासिल किए। उनकी शानदार गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने आस्ट्रेलिया को आठ विकेट पर 142 रन ही बनाने दिए।

न्यूजीलैंड ने 27 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। गुप्टिल और डेवोन कॉनवे (28 गेंदों पर 36) ने पहले विकेट के लिए 11.5 ओवरों में 106 रन जोड़े। बाद में ग्लेन फिलिप्स ने 16 गेंदों पर नाबाद 34 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

गुप्टिल ने 46 गेंदें खेली तथा सात चौके और चार छक्के लगाए। सोढ़ी को आस्ट्रेलियाई पारी के दौरान बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सैंटनर का अच्छा सहयोग मिला। उन्होंने नई गेंद संभाली और चार ओवर में केवल 21 रन दिए। न्यूजीलैंड ने कामचलाऊ स्पिनर मार्क चैपमैन का भी उपयोग किया जिन्होंने दो ओवर में नौ रन देकर एक विकेट लिया। एक अन्य कामचलाऊ स्पिनर ग्लेन फिलिप्स ने दो ओवर में 21 रन दिए। इस तरह से न्यूजीलैंड की तरफ से स्पिनरों ने 12 ओवर किए। कीवी टीम की तरफ से पहली बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में स्पिनरों ने इतने अधिक ओवर किए। बाकी आठ ओवर टिम साउदी (38 रन देकर दो) और ट्रेंट बोल्ट (26 रन देकर दो) ने किए। आस्ट्रेलिया की तरफ से मैथ्यू वेड ने 44, कप्तान आरोन फिंच ने 36 और मार्कोस स्टोइनिस ने 26 रन बनाए।

मेस्सी के शानदार प्रदर्शन से बार्सिलोना जीता

बार्सिलोना। लियोनेल मेस्सी के शानदार प्रदर्शन से बार्सिलोना ने ओसासुना को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा। मेस्सी ने खेल के 30वें मिनट में जोर्डी अल्बा के लिए गेंद बनाई, जिससे बार्सिलोना 1-0 से बढ़त हासिल करने में सफल रहा।

इसके बाद 83वें मिनट में 18 वर्षीय इलेक्स मोरिबा ने उनके खूबसूरत पास पर दूसरा गोल दागा। बार्सिलोना लीग में पिछले 16 मैचों से अजेय है और उसके 26 मैचों में 56 अंक हो गए हैं। वह एटलेटिको मैड्रिड से दो अंक पीछे है जिसने अभी तक 24 मैच खेले हैं। रीयाल मैड्रिड 25 मैचों में 53 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। अन्य मैचों में एल्ची ने सेविला को 2-1 से, वल्लाडोलिड ने गेटाफे को 2-1 से और कैडिज ने इबार को 1-0 से हराया।

विनेश ने स्वर्ण जीतकर फिर हासिल की नंबर एक रैंकिंग

एजेंसी। रोम

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए माटियो पैलिकोन रैंकिंग कुश्ती सीरीज में जीत दर्ज करके लगातार दूसरे सप्ताह दूसरा स्वर्ण पदक जीता और 53 किग्रा वजन वर्ग में फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल की, जबकि बजरंग पूनिया ने रविवार को यहां पुरुष 65 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता 26 वर्षीय विनेश टोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय महिला पहलवान है। उन्होंने 53 किग्रा के फाइनल में कनाडा की डायना मैरी हेलन वीकर को 4-0 से हराया। विनेश ने अपने सभी अंक पहले पीरियड में हासिल किए और दूसरे पीरियड में अपनी बढ़त बरकरार

रखकर स्वर्ण पदक जीता।

विनेश ने पिछले सप्ताह कीव में स्वर्ण पदक जीता था और इससे उन्हें यह विश्वास हो गया होगा कि ओलंपिक के लिए उनकी तैयारियां सही चल रही हैं। इस भारतीय पहलवान ने प्रतियोगिता में विश्व की नंबर तीन पहलवान के रूप में प्रवेश किया और 14 अंक हासिल करके फिर से नंबर एक बन गई। कनाडा की पहलवान टूर्नामेंट से पहले 40वें नंबर पर थी लेकिन अब वह विनेश के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। विनेश ने टूर्नामेंट में एक भी अंक नहीं गंवाया। उन्होंने तीन में से अपने दो मुकाबलों में प्रतिद्वंद्वी को चित किया। सरिता मोर ने शनिवार को 57 किग्रा में रजत पदक जीता था।

बजरंग पूनिया फाइनल में

बजरंग ने पहले तुर्की के पूर्व कैडेट विश्व चैंपियन सेलिम कोजान को 7-0 से हराया। कोजान ने कई हमले किए लेकिन भारतीय पहलवान ने अच्छा बचाव किया। सेमीफाइनल में बजरंग को अमेरिका के जोसफ क्रिस्टोफर मैक केना से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन वह 6-3 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। इसी के साथ ही उन्होंने स्पर्धा के फाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। बजरंग के लेग डिफेंस में काफी सुधार दिखा, पर फिर भी अमेरिकी पहलवान ने उनके दाएं पैर को तीन बार पकड़ लिया। हालांकि बजरंग ने इस पकड़ पर मैक केना को अंक नहीं जुटाने दिए। भारतीय पहलवान ने पटखनी देकर अंक जुटाए और 4-2 से बढ़त हासिल कर ली। मैक केना ने दूसरे पीरियड में स्कोर के अंतर को 3-4 कर दिया पर बजरंग ने दो अंक जुटाकर जीत हासिल की। अब उनका सामना मंगोलिया के तुल्गा तुमुर ओचिर से होगा जिन्होंने 65 किग्रा के दूसरे सेमीफाइनल में भारत के रोहित को 4-0 से हराया। रोहित अब कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगे। वहीं 74 किग्रा के क्वार्टरफाइनल में नरसिंह पंचम यादव ने इटली के फिनिजियो पर तकनीकी श्रेष्ठता से आसान जीत दर्ज की, लेकिन सेमीफाइनल में वह 2012 ओलंपिक चैंपियन और चार बार के विश्व चैंपियन जोर्डन अर्नस्ट बुरोघ से हार गए। नरसिंह भी कांस्य पदक के लिए खेलेंगे।

फरीदाबाद: कैपजैमिनी स्टॉलायंस ने जीता टूर्नामेंट का पहला मैच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्लेजहैमर क्रिकेट ग्राउंड पर पहला पूरी कार्पोरेट लीग 2021 टूर्नामेंट का मैच खेला गया। यह टूर्नामेंट मैच सात से नौ मार्च तक खेला जाएगा। इसमें आठ टीमें भाग ले रही है। टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए बेहद खास होगा। क्योंकि इसमें कई टीमों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है।

टूर्नामेंट का पहला मैच पलवल जैगुअर्स और कैपजैमिनी स्टॉलायंस के बीच खेला गया, जिसमें पलवल जैगुआर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए। जिसमें सर्वाधिक 50 रन सुखविंद्र सिंह ने बनाए। वहीं दीपक ने 15 रन और अनुज ने 14 रन अनुज बनाए। कैपजैमिनी स्टॉलायंस के गेंदबाज संगजीत और सैंकी ने 3-3 विकेट, विजय मिश्रा ने दो और गौरव लाम्बा ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए

कैपजैमिनी स्टॉलायंस की टीम ने 16 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 135 रन बनाकर आठ विकेट से मैच जीत लिया। बल्लेबात गुरप्रीत सिंह ने 62 और विजय मिश्रा ने 47 रन बनाए। वहीं पलवल जैगुआर के गेंदबाज सुखविंद्र सिंह और विनय यादव ने एक-एक विकेट लिया। प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब विजय मिश्रा, बेस्ट बेस्टमैन का खिताब गुरप्रीत सिंह और बेस्ट गेंदबाज का खिताब संगीत वालर को दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

महिला/स्त्री/नारी/औरत शब्द कुछ भी हो, मां/बहन/बेटी/पत्नी रिश्ता कोई सा भी हो वे हर जगह सम्मान की हकदार है। चाहे वह शिक्षक/ वकील/ डॉक्टर/ पत्रकार/ सैनिक/ सरकारी कर्मी/ इंजीनियर जैसे किसी पेशे में हों या फिर गृहिणी ही क्यों न हों, समानता का अधिकार उन्हें भी उतना ही है, जितना की पुरुषों का है।

महिलाओं के अदृश्य संघर्ष को सलाम करने के लिए उनके सम्मान में, उन्हें समान अधिकार और सम्मान दिलाने के उद्देश्य के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ ने 08 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस घोषित किया हुआ है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए कई जायज कारण हैं। महिला/स्त्री/नारी/औरत शब्द कुछ भी हो, मां/बहन/बेटी/पत्नी रिश्ता कोई सा भी हो वे हर जगह सम्मान की हकदार है। चाहे वह शिक्षक/वकील/डॉक्टर/पत्रकार/सैनिक/सरकारी कर्मी/इंजीनियर जैसे किसी पेशे में हों या फिर गृहिणी ही क्यों न हों, समानता का अधिकार उन्हें भी उतना ही है, जितना की पुरुषों का है। आधी आबादी के तौर पर महिलाएं हमारे समाज जीवन का एक मजबूत आधार है। महिलाओं के बिना इस दुनिया की कल्पना करना ही असंभव है। कई बार महिलाओं के साथ पेशेवर जिंदगी में भेदभाव होता है। घर-परिवार में भी कई दफा उन्हें समान हक और सम्मान नहीं मिल पाता है। फिर वे जूझती हैं। संघर्ष कर करती हैं और इस दुनिया को खूबसूरत बनाने में उनका ही सर्वाधिक योगदान है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस इस बार क्या खास है? : प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 08 मार्च को मनाया जाएगा। यों तो प्रत्येक वर्ष 08 मार्च के दिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सरकारी, गैर- सरकारी, सामाजिक संगठनों और महिला संगठनों की ओर से कई कार्यक्रम, बड़े समारोह, सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के दौर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन महिलाओं के नेतृत्व को एक पहचान और सम्मान देने का वक्त है। बीते साल वैश्विक संक्रामक महामारी कोविड-19 के कहर से पूरी दुनिया प्रभावित हुई है। इस महामारी के दौर में कोरोना योद्धाओं ने अग्रिम पंक्ति में खड़े रहकर मानवीय सेवा की मिसाल भी पेश की। इन कोरोना योद्धाओं में कई महिलाओं ने आगे बढ़कर अग्रिम मोर्चे पर सेवाएं दीं और अपनी नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवाया। संयुक्त राष्ट्र की ओर से इस बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम को महिलाओं के नेतृत्व को समर्पित किया है।

महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान दिलाने के उद्देश्य के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ ने 08 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस घोषित किया हुआ है

थीम

- 2021 के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम 'महिला नेतृत्व: कोविड-19 की दुनिया में एक समान भविष्य को प्राप्त करना' (Women in leadership: an equal future in a COVID-19 world) रखी गई है।
- ऐसा कोरोना काल में सेवाएं देने वाली महिलाओं और लड़कियों के योगदान को रेखांकित करने के लिए किया गया है।
- पहली बार थीम आधारित 1996 में मनाया गया था। 'अतीत का जश्न, भविष्य की योजना' उस वक्त की थीम थी।
- बीते साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम #EachForEqual थी।

भारत में महिला लिंगानुपात

- भारत में पुरुषों के मुकाबले हमेशा महिलाओं का लिंगानुपात कम ही रहा है।
- देश में 2011 की जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों को देखा जाए तो प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 940 थी।
- लिंगानुपात समाज में पुरुषों और महिलाओं के बीच व्याप्त समानता की सीमा को मापने के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक सूचक है।
- सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (SRS) रिपोर्ट, 2018 के अनुसार, भारत में जन्म के समय लिंगानुपात वर्ष 2018 में घटकर 899 हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कैसे मनाते हैं?

- इस दिन भारत में महिला और बाल विकास मंत्रालय की ओर से महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।
- यह पुरस्कार महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में काम करने वाले लोगों, एनजीओ या फिर संस्थानों को मिलता है।
- रूस, कंबोडिया, नेपाल और जार्जिया जैसे कई देशों में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिलाओं के लिए छुट्टी रहती है।
- हालांकि, चीन में भी छुट्टी का प्रावधान है लेकिन बाध्यता नहीं है, इसलिए आधे दिन की ही छुट्टी दी जाती है।
- यूरोपीय देश इटली में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को ला फेस्टा डेला डोना के नाम से मनाया जाता है। महिलाओं को मिमोसा (छुईमुई) के फूल दिए जाते हैं।
- अमेरिका में 08 मार्च को राष्ट्रपति एक आदेश जारी कर अमेरिकी महिलाओं की उपलब्धियों की घोषणाएं और बखान करते हैं।

शुरुआत कैसे हुई?

- अमेरिका में 1908 में कामकाजी महिलाओं का एक आंदोलन हुआ था। उस वक्त करीब 15 हजार महिलाएं न्यूयॉर्क की सड़कों पर उतरीं थीं।
- उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई, जिनमें नौकरी में घंटे कम करने, बेहतर वेतन देने और मतदान का अधिकार देने आदि प्रमुख मांगे थीं।
- इसके एक साल बाद अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी ने इस दिन को महिला दिवस को मनाने की घोषणा की थी।
- 1910 में अमेरिकी महिला अधिकार कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगेन में कामकाजी महिलाओं की अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शामिल हुई थीं।
- उस कॉन्फ्रेंस में तब 17 देशों से आई 100 महिलाएं मौजूद थीं। तब क्लारा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था, जिसे सर्वसम्मति से मंजूर किया गया था।
- इसके बाद पहला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 1911 में डेनमार्क, जर्मनी, ऑस्ट्रिया और स्विटजरलैंड में मनाया गया था।
- इसके बाद 1917 में रूस में महिलाओं ने ब्रेड एंड पीस की मांग करते हुए चार दिवसीय बड़ी हड़ताल की थी। तब रूस के बादशाह जार निकोलस को पद छोड़ना पड़ा था।
- इसके बाद रूस में बनी अस्थायी सरकार ने महिलाओं को मतदान करने का अधिकार दिया था। उस दिन 23 फरवरी थी।
- रूस में तब जूलियन कैलेंडर का प्रयोग होता था। जबकि दुनिया के अधिकतर देश ग्रिगोरियन कैलेंडर का प्रयोग करने लगे थे।
- जूलियन कैलेंडर का 23 फरवरी का दिन, ग्रिगोरियन कैलेंडर का इस्तेमाल करने वाले देशों में 08 मार्च का दिन था।
- इसीलिए तब से ही आठ मार्च को महिला दिवस मनाया जाने लगा। 1975 में संयुक्त राष्ट्र ने वार्षिक अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की मान्यता दी।

इन पांच चीजों को खाकर करें मूड फ्रेश

मूड को अच्छा करने के लिए और बिना ज्यादा समय लगाए कुछ ऐसे फूड हैं जिनका यूज करके आप फिट एंड कूल रह सकते हैं।

किसी बात को लेकर अगर आपका मूड खराब हो जाता है और जितना आप अपने मूड को सही करना चाहते हैं उतना ही और डिस्टर्ब हो जाता है, तो आप टेंशन बिल्कुल भी न लें क्योंकि आपकी इस समस्या का हमारे पास बेहतरीन समाधान है। मूड को अच्छा करने के लिए और बिना ज्यादा समय लगाए कुछ ऐसे फूड हैं जिनका यूज करके आप फिट एंड कूल रह सकते हैं। बशर्ते आपको इनके इस्तेमाल करने का सही से सलीका आना चाहिए। तो चलिए जानते हैं ऐसी कौन सी चीजें हैं जो मूड तो फ्रेश करती ही हैं साथ ही सेहत भी बनाती हैं।

डार्क चॉकलेट खाया क्या

मूड कैसा भी हो अगर आप डार्क चॉकलेट को खाते हैं तो आपका अपसेट मूड कब अच्छा हो जाए, आप भी नहीं समझ पाएंगे। वैसे भी डार्क चॉकलेट को सुपर फूड माना जाता है। इसमें एक तरह की खास क्वालिटी होती है जो शरीर में तनाव जनरेट करने वाले हार्मोन को कम करता है, साथ ही अच्छे मूड वाले हार्मोन को बढ़ाता है। डार्क चॉकलेट का स्वाद भी खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट होता है। जब भी आपका मूड खराब हो तो आप डार्क चॉकलेट खाना न भूले, यह सेहत के साथ ही स्वाद से भी भरपूर है। चॉकलेट को खाने से सुंदरता भी बढ़ती है।

हेल्थफुल कार्ब

खाने के शौकीन लोगों के लिए कई सारे व्यजंन है जिन्हें बनाकर वह अपना मूड सही कर सकते हैं। मूड खराब है तो कार्बोहाइड्रेट का सेवन संतुलित मात्रा में करने से आप अच्छा फील करेंगे। कार्बोहाइड्रेट का सेवन करने से काफी हदतक तनाव कम होता है और आपका मूड भी बेहतर रहता है। कार्बोहाइड्रेट वैसे में भी हर स्वस्थ शरीर के लिए जरूरी होता है, लेकिन इसका सेवन अवसाद से भी बचाता है, तो चलिए बिना देर किए बनाएं स्वादिष्ट पकवान और अपने मूड को करें अच्छा।

फल और सब्जियां

एक स्वस्थ शरीर के लिए कुछ पोषक तत्व होते हैं जो बेहद आवश्यक होते हैं। इन पोषक तत्वों में अनाज, फल और साग सब्जियां आती हैं। इनसे मिले हुए फूड को खाने से मूड तो बेहतर बनता ही साथ ही में बॉडी में तनाव पैदा करने वाले हार्मोंस को भी कम करता है, जो भी व्यक्ति इन चीजों का नियमित सेवन करता है तो उसे तनाव घर कभी नहीं करता है। साथ ही ऐसे आहार के सेवन से मस्तिष्क भी फिट रहता है। भोजन में हर दिन पौष्टिक आहार के साथ ही फल और सलाद का सेवन भी काफी फायदेमंद रहता है।

कैफीन की है लाभकारी

अगर आपको ऑफिस से संबंधित या किसी और कार्य से जुड़ी कोई समस्या या परेशानी सता रही है और उसे जितना इग्नोर कर रहे हैं वह उतनी आपको जकड़ने में लगी है तो इसका इलाज है चाय या कैफीन। दरअसल, चाय या कॉफी के साथ कैफीन को लेने से अवसाद कभी नहीं सताता है। यही नहीं कैफीन के लेने से शरीर में ऊर्जावान रहता है, लेकिन किसी भी चीज को लिमिट से ज्यादा लेने से उसके नुकसान भी बहुत होते हैं, इसलिए कैफीन को लिमिट तक लें, क्योंकि कैफीन की लत जल्दी लग जाती है जिसे छुड़ा पाना बेहद मुश्किल हो जाता है।

मीठा भी है मूडी

किसी भी कार्य की शुरूआत मीठे से करने की परंपरा हमारे देश में प्राचीनकाल से है, लेकिन बिगड़े मूड को बेहतर करने के लिए भी मीठे का यूज किया जाता है। जैम, केक और दूसरे बेकरी प्रोडक्ट को अपने खाने के लिए कर सकते हैं, जिससे आपका मूड पहले से अच्छा हो सके।

पौष्टिक आहार लें

मूड को अच्छा बनाने के लिए और जल्द फूड तैयार करने के लिए खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल कर सकते हैं। उदाहरण के लिए-मछली, हैम, पनीर और मीट लोफ इंज्वॉय कर अपना मूड अच्छा कर सकते हैं। चैरी और बैरी के बारे में आपने सुना ही होगा। इसके बारे में बोला जाता है कि यह मूड को रोमांटिक बनाने में महारथ हाशिल किए है। ऐसे खाद्य पदार्थ को एफ्रोडिसिएक नाम से जानते हैं और आप भी इनका सेवन कर अपने आपको खुश रखें।

जीवन को देखो अपनी नजर से

-महेंद्र पाल

दोस्तों, उपरोक्त कथन जितना सरल व आसान है, उतना ही सारगर्भित होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी। क्योंकि प्रत्यक्ष स्तर पर कोई मूढ़ भी कह सकता है कि इसमें क्या खास बात है, हम सभी अपनी नजर (यानी आंख) से ही तो देखते हैं। लेकिन आंख से देखने और नजर से देखने में बहुत अंतर होता है। आंख जहां प्रत्यक्ष व भौतिक क्रिया का प्रतिनिधित्व करती है वहां नजर, एक नजरिए या दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। हम सभी, प्रत्यक्षतया, आंखों के द्वारा किसी एक वस्तु या दृश्य को समान ढंग से देखते हैं, लेकिन जब उसे समझते व अलग अलग ढंग से व्यक्त करते हैं, तो उसमें नजर या दृष्टि या नजरिया अपनी भूमिका निभाते नजर आते हैं। जिससे वस्तु या दृश्य-विशेष, प्रत्यक्षतया एक दिखते हुए भी, अलग अलग दिखते हैं और एक भिन्न संदेश, निहितार्थ, यहां तक जीवन-दर्शन प्रस्तुत करते नजर आते हैं।

यहां तक भी कहें तो अनुचित नहीं होगा कि संदेश, निहितार्थ और जीवनदर्शन की स्पष्टता का आधार ही नजर या नजरिए की स्पष्टता है। जितना स्पष्ट नजरिया या दृष्टिकोण होगा, इंसान की अनुभूतियां व संदेश उतने ही स्पष्ट होंगे और अनुभूतियां व संदेश जितने स्पष्ट होंगे वे उतने ही व्यक्ति के स्तर पर आत्मविश्वास प्रदान करने वाले तथा दूसरों को आकर्षित करने में सफल होंगे। कविताओं-कहानियों आदि से समृद्ध समूचा साहित्य इसी का प्रमाण है। मशहूर शायर साहिर लुधियानवी की एक गजल का शेर है,

ले दे के अपने पास इक ही नज़र तो है,
क्यूं देखें जिंदगी को किसी की नजर से हम।

जीवन में कामयाबी के संदर्भ में उपरोक्त पंक्तियों की बहुत अहमियत है। क्योंकि शायर के मुताबिक नजर सिर्फ आंख का देखना मात्र नहीं है। यह नजर एक नजरिया है, एक दृष्टि है, जो जिंदगी जीने का सलीका प्रदान करती है, उसे भेड़चाल नहीं बनने देती। जो चीजों को उचित-अनुचित, सही या गलत के हिसाब से चुनती या खारिज करती है। वह, दूसरे जो कहते हैं,उसके मुताबिक नहीं,बल्कि स्वयं उस व्यक्ति को जो महसूस होता है, ठीक या बेठीक लगता है, उसके मुताबिक फैसला करने की हिम्मत प्रदान करती है। वह व्यक्ति को अपनी सीमाएं और संभावनाएं दोनों से रूबरू कराती है। और उनके मुताबिक अपने लक्ष्यों का चुनाव करना सिखाती है, इसीलिए यह सरल और स्पष्ट होकर भी बहुत कठिन और चुनौतीपूर्ण भी बनती है। क्योंकि मौजूदा सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में अपनी नजर या नजरिए के मुताबिक जीवन जीना या लक्ष्य चुनना हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। क्योंकि अक्सर अपनी नजर से देखना प्रचलित परिपाटी या जीवन चलन को चुनौती देता रहा है। इसका कारण है व्यक्ति पर अपेक्षाओं व उम्मीदों का दबाव। ये अपेक्षाएं और उम्मीदें पारिवारिक सामाजिक दोनों स्तरों पर होती हैं। और इन्हें जीवन की शुरुआत से ही परंपरा के बतौर व्यक्ति में रोपा जाता है, भले ही निजी स्तर पर व्यक्ति कुछ और बनना चाहता हो। मसलन, अगर घर में परंपरागत तौर से वकालत का पेशा है, तो व्यक्ति से अपेक्षा और भी बड़ा वकील बनने की, की जाती है, और ऐसा चलन अमूमन हर पारिवारिक परिवेश में दिखता है। इसमें यह नहीं देखा जाता कि व्यक्ति विशेष खुद क्या बनना चाहता है। क्योंकि खुद को दरकिनार करने या व्यक्ति का निषेध करने का प्रशिक्षण जीवन के शुरुआती पड़ावों से शुरू हो जाता है, जबकि अपेक्षाओं व उम्मीदों की रुपाई सूक्ष्म से सूक्ष्मतम स्तर पर जारी रहती है। नतीजा होता है कि अधिकांशत: स्वयं व्यक्ति की अपनी नजर या दृष्टि पर अपेक्षाओं व उम्मीदों का चश्मा चढ़ जाता है। जो जीवन के बाद के पड़ावों में अक्सर दबी हुई ख्वाहिशों का रूप लेकर उभरता है और कभी कभी तो इंसान को भीतर तक बेचैन कर जाता है। तमाम एक जमाने में कामयाब रहे व्यक्तियों से संबंधित निराशाजनक घटनाओं का सुर्खियों में आना या अचानक अपना तयशुदा रास्ता बदलना इसी अंतर्निहित सच्चाई का प्रमाण है कि कामयाब जीवन का आधार दृष्टि या दृष्टिकोण से गहरे जुड़ा है। नजरिया संपन्न व्यक्ति के लिए लक्ष्य- बड़ा या छोटा नहीं, कठिन या आसान नहीं, बल्कि संतुष्टि का वाहक होता है।

अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी कहा है कि वे बहुत बिरले लोग होते हैं जो अपनी आंखों से देखते और अपने दिल से महसूस करते हैं। हम आम जीवन पर गौर करें तो पाते भी यही है कि ज्यादातर लोग एक तयशुदा परिपाटी को अपनाते दिखते हैं।

शरण लें ईश्वर की

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि ईश्वर अपने भक्तों को सशक्त बनाता है ताकि वे अद्भुत कार्य कर सकेजो सृष्टि मानवजाति के लिए लाभकारी हो

भागवतगीता के श्लोक 18.65 में, भगवान कृष्ण कहते हैं,'मेरा ध्यान करो, मेरे भक्त बनो, मेरे लिए त्याग करो और मेरा आदेश माना।' श्लोक 12.8 में वह समझाते हैं, 'सिर्फ मेरी ओर अपना मन लगाओ, अपने ज्ञान को मुझमें केंद्रित करो।' श्लोक 11.34 में, भगवान अर्जुन को अपना कर्म करने का आदेश देते हुए कहते हैं, 'तुम युद्ध करो, वध करो, परेशान मत हो, तुम विजयी होगे।' फिर श्लोक 18.62 में, वह निर्देश देते हुए कहते हैं, 'हर स्थिति में मेरी शरण लो।' श्लोक 18.66 में, वह हमारे पास कोई विकल्प नहीं छोड़ते हैं जब वह कहते हैं, 'केवल मेरी शरण लो।' वह इससे ज्यादा स्पष्ट नहीं हो सकते थे, बिना किसी शंका के।

व्यवस्था के समुचित कामकाज के लिए पूर्ण समर्पण आवश्यक है। क्या कोई कंपनी लंबे समय तक टिक सकती है यदि उसके कर्मचारी मालिक का कहना नहीं मानते हो? मालिक क्या करता है जब वे कहना नहीं मानते हैं? वह कंपनी के हित को ध्यान में रखकर उन्हें उनकी नौकरी से निकाल देता है। इसी प्रकार, ईश्वर या उसकी व्यवस्था लंबे तक अनुशासनहीनता सहन नहीं करेंगे, और दिव्य शक्तियां उल्लंघनकताओं को पदावनति स्वरूप निम्न प्राणियों में भेजकर दंडित करेंगी। हमारे रोजमर्रा जीवन में उच्च शक्तियों की शरण लेने के असंख्य उदाहरण हैं। तो, परमशक्तिमान के मामले में हम ऐसा क्यों नहीं करते है जो इस सृष्टि का कर्ता धर्ता है?

हमारा सौभाग्य, कि अनेक लोग ऐसा करते हैं। समूची व्यवस्था, यानी, यह सृष्टि तब तक काम नहीं कर सकती जब तक अच्छे लोग, या फिर ज्यादा स्पष्ट रूप से कहें तो ईश्वर के भक्त न हों। वे व्यवस्था का अवलंब हैं। और ऐसे लोग वो काम करके, जो कि ईश्वर या व्यवस्था उनसे करने के लिए कहती है, अपार लाभ प्राप्त करते हैं। ईश्वर को पता है कि मामूली आत्मा अत्यंत सीमित है। पारंपरिक अर्थ में अच्छा होना तथा वो करना जो ईश्वर हमसे अपेक्षा करता है, दोनों काम अत्यंत कठिन हैं, क्योंकि यह हम आत्माओं में गहन स्वभाव के विपरीत होता है। फिर भी, इसे किया जा सकता है और लाखों लोग ऐसा करने में सक्षम हैं। हालांकि, उन लोगों की संख्या जो सिर्फ अच्छे हैं, और ईश्वर के भक्त नहीं है, कहीं ज्यादा है। स्वाभाविक तौर पर, भक्तों को मिलने वाले लाभ कहीं ज्यादा होंगे। ये लोग यथोचित ढंग से प्रदान किए जाते हैं, वर्ना इस कठिन राह को कौन चुनेगा? निश्चित रूप से, अच्छे होने के विभिन्न स्तर हैं और सर्वोच्च स्तर है ईश्वर से जुड़ाव और उनका पुरस्कार भी उसी तरह श्रेणीबद्ध होते हैं।

संक्षेप में, अच्छे लोग ज्यादातर इन तरीकों से पुरस्कृत होते हैं। उनके अच्छे कर्मों से उन्हें अनेक भौतिक लाभ प्राप्त होते हैं, मसलन पर्याप्त संसाधन, स्वागतयोग्य ध्यानाकर्षण एवं सबसे महत्वपूर्ण है व्यवस्था का साथ। जहां तक ईश्वर के भक्तों को मिलने वाले लाभ की बात है, तो इनकी संभावनाएं अपार हैं। ईश्वर मार्गदर्शन करता है क्योंकि सही राह पर बने रहना अत्यावश्यक है, और ईश्वर, सर्वव्यापी होने के कारण, हमेशा सबकुछ जानता है। ईश्वर रक्षा करता है, भक्तों को मुसीबत से बाहर निकालता है। ईश्वर मदद करता है, संतोषजनक जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन प्रदान करता है। ईश्वर अनेक अन्य तरीकों से भी सहायता करता है मसलन वह अपने भक्तों को चेतावनी देता है, उन्हें मानसिक शक्ति देता है, उन्हें बुद्धि देता है ताकि वे सही फैसले करने में सक्षम हो सकें, सहनशील हो सकें, और ईश्वर की भ्रामक ऊर्जा माया से निपटने की कठिनाई को पार कर सकें, और तमोगुण यानी अंधकार की अवस्था पर विजय पाने में उनकी सहायता करता है।

ईश्वर अपने भक्तों को विलक्षण कार्य करने में सशक्त बनाता है जो सृष्टि या मानवजाति के लिए लाभकारी है। ईश्वर क्षमा करता है, वह शांति प्रदान करता है, वही एकमात्र स्रोत है जो ऐसा कर सकता है। वह क्षमाशील है, यानी बुराइयों से आजाद करता है और अंततोगत्वा मुक्त करता है जब आत्मा विशेष को ज्ञान की विशेष अवस्था प्राप्त हो जाती है। क्या ईश्वर का यह कहना गलत है कि हम उसकी शरण लें?